Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 08 April 2024 ● Year : 02 ● Issue : 80 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

किसी भी व्यक्ति की योग्यता का आकलन इस बात से होता है कि आप जीवन की परिस्थितियों का सामना कैसे करते हैं।

Deepika Padukone Shares Cyptic...

SHARE

सेंसेक्स	:	74,248.22
निफ्टी	:	22,513.70

SARAFA

सोना	:	6,695
चांदी	:	87.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (सोमवार) : 06.12
सेहरी (मंगलवार) : 04.19

BRIEF NEWS

झारखंड-बिहार समेत 14 राज्यों में हुई हल्की बारिश

NEW DELHI : देश के 14 राज्यों में रविवार को कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं छिटपुट बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा इसके 8 राज्यों गुजरात, गोवा, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी में लू का असर रहा। इन राज्यों का तापमान 43 डिग्री तक पहुंच चुका है। सबसे ज्यादा 44 .5 डिग्री तापमान आंध्र प्रदेश के नंदयाल में रिकॉर्ड किया गया।

आप नेताओं ने किया सामूहिक उपवास

NEW DELHI : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं ने रविवार को देशभर में सामूहिक उपवास शुरू किया। पार्टी के बड़े नेता दिल्ली के जंतर-मंतर पर सुबह उपवास के लिए पहुंचे। आम आदमी पार्टी की मांग है कि शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें ईडी ने झूठे मुकदमे में फंसाया है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट में कहा- तानाशाही के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। आओ मिलकर देश के बेटे के लिए आवाज उठाएं। इससे पहले आप ने 26 मार्च को भी देशभर में प्रदर्शन किया था।

अग्निबाण रॉकेट लॉन्चिंग की तीसरी कोशिश नाकाम

NEW DELHI : चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप अग्निकुल कॉसमॉस ने अग्निबाण रॉकेट के प्रक्षेपण को रद्द कर दिया। यह प्रक्षेपण उड़ान भरने से लगभग 92 सेकंड पहले रद्द किया गया। इसके पीछे अग्निकुल कॉसमॉस ने तकनीक खामियों का हवाला दिया है। बता दें कि अग्निबाण एक सेमी क्रायोजेनिक रॉकेट है और 22 मार्च से अब तक इसके परीक्षण का यह तीसरा प्रयास था। यह परीक्षण उड़ान श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में अग्निकुल लॉन्च पैड पर आयोजित होने वाला था। इससे पहले शनिवार सुबह 7.45 बजे भी प्रक्षेपण की कोशिश की गई थी। यह दूसरा प्रयास था और यह भी सफल नहीं हो पाया था।

चुनावी रैलियों पर हमले की फिराक में लश्कर कमांडर जुनैद अहमद

बना रहा भय का माहौल, स्थिति बिगाड़ने और आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की रची जा रही साजिश

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर में चुनावों से पहले माहौल बिगाड़ने और आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन साजिश रच रहे हैं। इस मंसूबे को लेकर लश्कर-ए-तैयबा कमांडर जुनैद अहमद बट कुलगाम में छिपा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों को पता लगा है कि आने के बाद उसने स्लीपर सेल के गुर्गों के साथ बैठक भी की है।

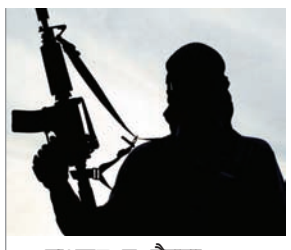

● लश्कर-ए-तैयबा कमांडर जुनैद अहमद बट कुलगाम में छिपा है

कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर : सूत्रों के मुताबिक एजेंसियों ने हाल ही में एक सैटेलाइट फोन से हो रही बातचीत को इंटरसेप्ट किया था। इससे पता चला कि कश्मीर पहुंच चुके जुनैद ने अपनी स्लीपर सेल से जुड़े गुर्गों को 31 मार्च को कुलगाम के गांव नौबल में आतंकी के घर बुलाया था। तब बड़े बगीचे में स्लीपर सेल से जुड़े 6 लोग मौजूद थे। हालांकि उनकी पहचान नहीं हो सकी। इस मीटिंग की सूचना गृह मंत्रालय को दी गई है। इसके बाद कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट कर दिया गया है।

भाजपा नेताओं की रैलियों पर खतरा ज्यादा, सुरक्षा बढ़ाई गई : सूत्र का कहना है कि खुफिया एजेंसियों को यह भी पता चता है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ने स्लीपर सेल को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सियासी रैलियों पर हमले की योजना बनाई है। कश्मीर में विशेष रूप से भाजपा की रैलियों को निशाना बनाए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। जिसके बाद से कुलगाम और इसके आस-पास होने वाली चुनावी रैलियों के लिए खासतौर पर सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सुरक्षाबलों की पकड़ में आने से पहले ही भाग निकला

सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय के निर्देश पर कश्मीर पुलिस, बीएसएफ और एनआईए की टीमें मिलकर लश्कर आतंकी जुनैद अहमद व उसके साथियों की तलाश कर रही है। इनपुट पर बीएसएफ के जवानों ने नौबल के आधा दर्जन संदिग्धों के घरों की तलाशी ली। आतंकी जुनैद व उसके साथी इससे पहले ही वहां से भाग निकले। पर सुरक्षा बलों को ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं कि इस बार आतंकी संगठन सियासी रैलियों पर आतंकी हमले जैसी कोई साजिश रच रहा है।

रक्षामंत्री ने जोर देकर यह कहा था

राजनाथ सिंह ने 5 अप्रैल को कहा कि अगर आतंकवादी भारत में शांति भंग करने या आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। अगर वे पाकिस्तान भाग जाते हैं, तो भारत उन्हें मारने के लिए पड़ोसी देश में घुस जाएगा। राजनाथ सिंह की यह टिप्पणी ब्रिटेन के गार्जियन अखबार में पब्लिश रिपोर्ट के बाद आई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भारत सरकार ने विदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की रणनीति के तहत पाकिस्तान में कई लोगों की हत्या की।

वार : भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे

जो कहता हूं, करता हूं, 'इंडी' ने गारंटी को बना दिया गुनाह : PM

AGENCY NAWADA : रविवार को बिहार के नवादा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी जनसभा हुई। 30 मिनट के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने 'इंडी' गठबंधन, राम मंदिर, टुकड़े-टुकड़े गैंग, जंगलराज और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर जनता का ध्यान खींचा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन कहता है कि मोदी की गारंटी गैरकानूनी है, इसे बंद कराना चाहिए। उन्होंने गारंटी को गुनाह बना दिया है। उन्होंने कहा कि 370 और तीन तलाक खत्म करने की गारंटी दी थी। जो कहता हूं करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे हैं। पीएम बोले, 'इंडी' गठबंधन के बड़े नेता रैली नहीं कर रहे हैं। पता चला यहां के एक नेता हठ कर के बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक मुझे पीएम कैंडिडेट घोषित नहीं किया जाएगा, रैली नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि बिहार में वो भी समय था, जब बहू-बेटियों को निकलने से डर लगता था। नीतीश जी और सुशील मोदी के प्रयास से बिहार जंगलराज से मुक्त हुआ है। अब जाकर बिहार चौतरफा विकास कर रहा है।

नवादा की चुनावी जनसभा में हाथ उठाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- 'इंडी' गठबंधन वाले सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं
- आपके वोट की ताकत ने देश को मजबूत सरकार दी, इसलिए भारत की ओर देख रही दुनिया
- बिहार में वो भी समय था, जब बहू-बेटियों को घर से निकलने में डर लगता था

15 साल पति-पत्नी का राज

प्रधानमंत्री से पहले सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले बिहार का क्या हाल था? पहले 15 साल पति-पत्नी ने केवल राज किया। बच्चों को बताइएगा। पहले क्या था, हमने कितना काम किया है। नवादा से पहले 4 अप्रैल को पीएम ने जमुई से चुनावी कैंपेन का आगाज किया था। यहां उन्होंने लोजपा (रा) के प्रत्याशी और चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती के पक्ष में सभा की थी।

नवादा में पीएम की रैली से लौटने के बाद पटना एयरपोर्ट पर लोजपा(रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनता से जो वादे किए थे, उन सभी वादों को पूरा किया है। उन्होंने कभी किसी से भेदभाव नहीं किया। 2024 का चुनाव हम लोग इसी वादे के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने पार्टी में टिकट बंटवारे पर नाराजगी के सवाल पर कहा कि हमने सभी लोगों का ध्यान रखा है।

कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर से 370 हटने का दर्द : मोदी

KOLKATA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार के नवादा में रैली करने के बाद दोपहर 2 :30 बजे पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने टीएमसी और कांग्रेस पर निशाना साधा। मोदी ने खड़गे के कश्मीर को लेकर दिए बयान का भी जवाब दिया। मोदी ने कहा- 6 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी दूसरे राज्यों में कश्मीर की बात क्यों करते हैं। उनके लिए कश्मीर कुछ नहीं है लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के लिए कश्मीर मां भारती के मस्तक समान है। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का कांग्रेस को दर्द है। इसके साथ ही पीएम ने टीएमसी को कानून और संविधान को कुचलने वाली पार्टी बताया।

21 की न्याय उलगुलान महारैली व लोस चुनाव के लिए कल्पना हुईं रेस

'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के साथ बैठक करतीं कल्पना सोरेन।

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने 21 अप्रैल को झारखंड की राजधानी रांची की प्रभात तारा मैदान में होने वाली न्याय उलगुलान महारैली और लोकसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह कमान संभाल ली है। रविवार को कल्पना सोरेन ने अपने निवास स्थान पर ह्यइंडियाह्न गठबंधन नेताओं के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। इसमें महारैली की सफलता के लिए रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पीसीसी अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, महासचिव कैलाश यादव, माले विधायक विनोद, झामुमो महासचिव विनोद पांडेय आदि शामिल हुए।

पांच लाख भीड़ जुटाने और चुनाव को लेकर बनी रणनीति : बैठक में झामुमो द्वारा आयोजित महारैली में पूरे राज्य से 5 लाख भीड़ जुटाने की रणनीति बनी। इसमें कल्पना सोरेन ने सभी गठबंधन के सहयोगियों से सहयोग मांगा। बैठक में न केवल रैली बल्कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन का साझा प्रचार अभियान को लेकर भी चर्चा हुई। यह तय किया गया कि 21 के बाद चरणबद्ध तरीके से होने वाले चुनाव के हिसाब से चुनावी अभियान चलाया जाएगा। महारैली में इंडिया गठबंधन के राष्ट्रीय नेता पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी बढ़ेरा, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम भगवंत मान सिंह, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, सांसद संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालीन, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनीसीपी प्रमुख शरद पवार, फारूख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, वाम नेता सीताराम येचूरी, डी राजा सहित अन्य गठबंधन के नेताओं को बुलाया जाएगा।

- 'इंडिया' गठबंधन के सीनियर नेताओं के साथ की उच्च स्तरीय मीटिंग, किया व्यापक विचार विमर्श
- लोकसभा चुनाव के लिए संयुक्त रैली करने पर सबने जताई सहमति

11 अप्रैल को ईद-उल-फितर

ईद की खुशियां अपार : पूरे देश में ईद की धूम है। झारखंड की राजधानी रांची भी इससे पीछे नहीं है। यहां ईद का हर्षोल्लास हर ओर दिख रहा है। युवाओं और बच्चों में इसकी खुशी अधिक देखी जा रही है। रांची मेन रोड में ईद बाजार दिन से लेकर देर रात तक गुलजार रह रहा है। यहां खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

सिमडेगा में दिल दहला देने वाली घटना

पोती के सामने दादी को काटा, उतारा मौत के घाट

PHOTON NEWS SIMDEGA

- बजरंग साहू ने धारदार हथियार से कई बार किया प्रहार

झारखंड के सिमडेगा जिले के कोलेबिरा में मासूम पोती के सामने ही दादी की धारदार हथियार से हत्या की दी गयी। देवीगुड़ी चौक के समीप रविवार की दोपहर बाद करीब 4 बजे 65 साल की शांति देवी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। बताया जा रहा है कि वह घर में अपने पोते-पोतियों के साथ बैठी हुई थीं। इसी दौरान बजरंग साहू नामक युवक घर आया और धारदार हथियार से हत्या कर दी। रविवार को शांति देवी अपने मकान में अपनी दो पोतियों 12 साल की सिमी कुमारी, 9 साल की शिल्पा कुमारी व ढाई साल की पोता कार्तिक नाग के साथ अपने घर में बैठी थी। बहू रुक्मिणी देवी कोलेबिरा साप्ताहिक बाजार गयी थी। इसी दौरान बजरंग साहू नामक युवक घर पहुंचा और धारदार हथियार से हत्या कर दी।

पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती अनंतनाग से लड़ेंगी चुनाव

SRINAGAR : जम्मू कश्मीर के पांच लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से सबसे हॉट अनंतनाग-राजोरी सीट को माना जा रहा है। इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प होने जा रहा है। रविवार को पीडीपी ने एलान किया कि पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती इस सीट से चुनाव लड़ेंगीं इसके साथ ही पीडीपी ने श्रीनगर सीट से वहीद उर रहमान पर्रा और बारामुला सीट से फैयाज अहमद मीर को मैदान में उतारा है। यह घोषणा रविवार को आरतज मदनी ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में की। इसके बाद महबूबा मुफ्ती ने मीडिया को संबोधित किया। महबूबा ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी पिछले कुछ वर्षों में हमलों की एक श्रृंखला का शिकार हुई है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने तय किया था कि वे लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

बसंत ने भाभी सीता पर कहा चुनावी मैदान में रिश्ता नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : शिबू सोरेन के छोटे पुत्र और झारखंड सरकार में मंत्री बसंत सोरेन ने अपनी भाभी सीता सोरेन पर ताबड़तोड़ राजनीतिक प्रहार किया है। रविवार को वे जामताड़ा पहुंचे थे। जहां उन्होंने दुमका लोकसभा सीट को लेकर रणनीति बनायी। इस दौरान उन्होंने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को लेकर कहा कि सीता सोरेन घर पर उनकी भाभी हैं, न कि चुनावी मैदान में। उन्होंने पार्टी और परिवार में सम्मान नहीं मिलने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पार्टी और परिवार ने 15 साल विधायक बनाकर सीता सोरेन को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने तीन बार उन्हें विधायक बनाया और सम्मान देने का काम किया। दुर्गा सोरेन की मौत की सीबीआई जांच कराने की मांग पर बसंत सोरेन ने उन्हें करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सीता सोरेन खुद तीन बार यानी की 15 साल से पार्टी की विधायक रही हैं।

सीता सोरेन

बसंत सोरेन

- देवर बसंत का भाभी सीता सोरेन पर राजनीतिक प्रहार
- कहा- पार्टी और परिवार से मिला बहुत सम्मान
- दूसरे दल में जाकर क्यों उठा रही हैं दुर्गा सोरेन मौत की जांच की मांग

दोपहर 12 बजे भगवान राम का होगा सूर्य तिलक, तैयारियों में जुटे वैज्ञानिक

रामनवमी पर भव्य होगा रामलला का जन्मोत्सव

AGENCY LUCKNOW : इस बार अयोध्या की रामनवमी अलौकिक होगी। राम मंदिर बनने के बाद पड़ने वाली इस रामनवमी में रामलला का जन्मोत्सव भव्य तरीके से मनाने की तैयारी की जा रही है। रामनवमी का खास आकर्षण रामलला का सूर्य तिलक होगा। जिसकी तैयारी में वैज्ञानिक जुटे हैं। यदि सब कुछ ठीक रहा तो रामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे रामलला का सूर्य तिलक होगा। इसके लिए रुड़की के वैज्ञानिक तैयारी कर रहे हैं। पहले इसका ट्रायल होगा। सफलता मिलने के बाद रामनवमी पर सूर्य तिलक होगा। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के समय तय हुआ था कि रामनवमी पर रामलला की मूर्ति के मस्तक पर सूर्य की किरणों से तिलक किया जाएगा। अब रामनवमी से पहले इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। विशेष उपकरणों की मदद से ये सूर्य तिलक किया जाएगा। लगभग 75 मिमी का ये तिलक होगा और तीन से चार मिनट तक देखा जा सकेगा। हालांकि आम दर्शनार्थियों को सूर्य तिलक सीधे नहीं देखने को मिलेगा।

अयोध्या राम मंदिर में 20 घंटे तक दर्शन की मिलेगी सुविधा

रामनवमी पर सूर्य तिलक के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। मंदिर के अलग-अलग फ्लोर पर विशेष लेंस, दर्पण लगाए जा रहे हैं। जिससे सूर्य की किरणों को रामलला की मूर्ति तक पहुंचा जा सके। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों को इस कार्य के लिए लगाया गया है। हर साल रामनवमी पर ये व्यवस्था की जाएगी। अयोध्या राम मंदिर में रामनवमी के मौके पर 20 घंटे तक दर्शन की सुविधा मिलेगी। ये व्यवस्था 15 से 17 अप्रैल तक रहेगी। अयोध्या में 100 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन पर रामनवमी का लाइव प्रसारण किया जाएगा। रामलला के सुबह, दोपहर और रात में राग भोग व श्रृंगार में लगभग चार घंटे लगते हैं। इसके अलावा 20 घंटे दर्शन की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से मोबाइल फोन, जूता-चप्पल, सामान रखकर मंदिर आने की सलाह दी है। इससे दर्शन में आसानी होगी और समय भी कम लगेगा। श्रद्धालुओं के राम जन्मभूमि पथ से लेकर मंदिर परिसर तक 50 स्थानों पर पीने की पानी की व्यवस्था की जाएगी। जूट का कारपेट बिछेगा। छाया के लिए जर्मन हैंगर लगाए जा रहे हैं। प्रसाद के साथ साथ ओआरएस घोल भी श्रद्धालुओं को दिया जाएगा। जिससे गर्मी में उन्हें एनर्जी मिलती रहे। रामनवमी के मौके पर 15 से 18 अप्रैल तक पास की व्यवस्था निरस्त रहेगी।

BRIEF NEWS

विधायक का पंचायत सहायक संघ ने जताया आभार

PALAMU : पांकी प्रखंड पंचायत सहायक संघ ने पांकी विधायक डॉ। शशिभूषण मेहता को बुके व शॉल ओढ़ाकर आभार व्यक्त किया। ज्ञात हो का पिछले दिनों झारखण्ड के सहायक संघ की मांग पर पांकी विधायक डॉ मेहता ने विधानसभा में मामला उठाया था। सरकार का ध्यान पंचायत सहायक संघ की मांगों की ओर आकृष्ट कराया था। इसके बाद विधायक की मांग पर सरकार ने मामले का संज्ञान लिया और प्रति माह 2500 रुपया वेतन लागू किया। पंचायत स्वयंसेवक की जगह पंचायत सहायक का दर्जा दिया गया। मौके पर विधायक डॉ मेहता ने आश्वासन देते हुए कहा हम हमेशा आपलोग के साथ खड़े हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मेडिकल लैबोरेट्री की महिला सदस्यों ने किया रक्तदान

RAMGARH : विश्व स्वास्थ्य दिवस पर रविवार को झारखंड मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट संगठन की महिला सदस्यों ने रक्तदान किया। रामगढ़ के पुराने सदर अस्पताल परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में 52 यूनिट ब्लड का कलेक्शन हुआ। इस शिविर में बतौर अतिथि डॉक्टर ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह, डॉक्टर उदय श्रीवास्तव एवं सदर अस्पताल ब्लड बैंक के पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर रेणु उपस्थित हुए।

वैश्य दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

GARHWA : रविवार को वैश्य दिवस पर गढ़वा में रक्तदान किया गया। पूरनचंद चौक स्थित वैश्य समाज के पुरोधा पूरनचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद रक्कदान शिविर लगाकर 4 यूनिट खून संग्रह किया गया। जितेंद्र कश्यप, सुनील कश्यप, पवन कुमार तथा राहुल कुमार ने रक्तदान किया। इस मौके पर वैश्य महा सम्मेलन के जिला अध्यक्ष रविंद्र प्रसाद जायसवाल ने बताया कि वैश्य दिवस एक महत्वपूर्ण और गर्वशील उत्सव है, जो भारत में प्रति वर्ष मनाया जाता है। लोग इसे बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाते हैं। इस दिन का महत्व विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए है जो व्यवसाय करते हैं और व्यापार के क्षेत्र मंन निरंतर योगदान देते हैं। वैश्य दिवस का आयोजन देश भर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है।

डालसा ने किया खूंटी जेल में योगा सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

KHUNTI : झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष ऋषिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रविवार को उपकार खूंटी में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डालसा की ओर से योगा सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि उपकारा में रहने, खाने की साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अच्छा स्वास्थ्य सिर्फ कैदी के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति, हम सबके लिए बहुत जरूरी है। अच्छे स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बहुत पहले से (वर्ल्ड हेल्थ डे) यानी विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

धनबाद कृषि बाजार समिति परिसर में लगी आग, 8 वाहन जलकर खाक

थाने ने सीज कर रखी गई थीं गाड़ियां, फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद कृषि बाजार समिति के परिसर में रविवार की दोपहर में आग लग गयी। इसमें कार समेत आठ वाहन जलकर राख हो गए। आग लगने की खबर जैसे ही फायर ब्रिगेड की टीम को मिली, तत्काल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गयी। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गयी।

जलती हुई कार। • फोटोन न्यूज

आग पर काबू पाने में जुटीं दमकल की तीन गाड़ियां : कृषि बाजार समिति धनबाद रेलवे स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूर बरवाअड्डा में है। कृषि बाजार समिति परिसर में आग लगने की खबर मिलते ही दमकल (फायर ब्रिगेड) की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गयीं। लोगों की मानें, तो अगलगी की घटना करीब डेढ़ बजे की है।

थाने की सीज गाड़ियां जलकर हुई राख : बताया जा रहा है कि कृषि बाजार समिति परिसर में बरवाअड्डा थाने की सीज (जब्त) गाड़ियां रखी जाती हैं। समिति परिसर की झाड़ियों की सफाई की जा रही थी। इस क्रम में इसमें आग लगा दी गयी। मौसम में बदलाव के कारण तेज हवा चलने से आग वाहनों में लग गयी। जब तक लोगों को पता लगता तब तक गाड़ियों में आग पकड़ ली थी। इसके बाद लोगों ने इसकी खबर अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही पहुंचीं दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

कृषि बाजार समिति परिसर में ही बनते हैं स्ट्रांग रूम : चुनाव के वक्त कृषि बाजार समिति परिसर में ही स्ट्रांग रूम बनाए जाते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भी यहां स्ट्रांग रूम बनाने की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में साफ-सफाई की जा रही थी और सफाई के बाद उसमें आग लगा दी गयी। रविवार को मौसम में बदलाव के कारण तेज हवाएं चल रही थीं। इस दौरान आग की लपटें बरवाअड्डा थाने द्वारा सीज कर रखी गयी गाड़ियों तक पहुंच गयीं। देखते ही देखते वाहनों में आग लग गयी। कार समेत आठ गाड़ियां जलकर राख हो गयीं।

आपराधिक गिरोह आशीष मिश्रा गैंग के तीन अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद

मीडिया को जानकारी देते एसडीपीओ। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DEOGHAR : संगठित आपराधिक गिरोह आशीष मिश्रा गैंग के तीन अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रखिया थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बंधा से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में रोशन झा, अभिषेक वर्मा और शुभम कुमार शामिल है। इनके पास से पुलिस ने एक देशी हथियार और कारतूस बरामद किया है। रविवार को एसडीपीओ रित्विक श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लिया जानकारी दी।

लोगों को डरा धमका कर रंगदारी वसूलने की योजना बना रहा था : एसडीपीओ ने बताया कि इन सभी की मंशा लोगों को डरा धमका कर रंगदारी वसूलने का था। वहीं संभावना जताई जा रही है कि ये अपराधी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। फिलहाल पुलिस इन लोगों से सख्त पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि देवघर में बाबा परिहस्त की मौत के बाद से आशीष मिश्रा गैंग सक्रिय है।

श्मशान घाट के शेड में ही अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

PHOTON NEWS RAMGARH : कोरोना काल के बाद भी आम नागरिक का जीवन पटरी पर आना अभी भी मुश्किल नजर आ रहा है। जिस तरह आम जनजीवन लगातार कठिन होता जा रहा है उससे लोग आत्महत्या करने पर विवश हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रामगढ़ के पतरातू से सामने आया। यहां रविवार को अधेड़ ने श्मशान घाट के शेड में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

फंदे पर लटका अधेड़ का शव। • फोटोन न्यूज

एनटीपीसी न्यूटाउनशिप के निकट कालीघाट स्थित श्मशान घाट के शेड में फंदे से झूलती हुई लाश देखकर लोग चौक गए। मृतक विश्वजीत राम उर्फ कारु राम (50) पीटीपीएस कॉलोनी के हनुमानगढ़ी का रहने वाले थे। पीटीपीएस के रांची हेडक्वार्टर में बतौर सफाई कर्मी कार्यरत थे। जब लोगों ने वजह जानने की कोशिश की तो पता चला कि वह बैंक का लोन नहीं चुका पा रहे थे। इस मामले की पुष्टि करते हुए पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार राम ने बताया कि आम नागरिक और परिवार वाले भी इसी बात को बता रहे हैं कि कर्ज. नहीं चुका पाने की वजह से विश्वजीत लगातार तनाव में थे।

घर में भी इसी बात को लेकर अक्सर विवाद हो रहा था। पुलिस को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजनों ने थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया है। जब वे लिखित आवेदन देंगे, उस आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

पत्नी के छोड़कर जाने से तनाव में था युवक, फांसी लगाकर दे दी जान

GIRIDIH : तिसरी थाना क्षेत्र के चिलगिली में पत्नी के छोड़ जाने के वियोग में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। मृतक की पहचान चिलगिली निवासी 32 वर्षीय विनोद बर्णवाल पिता गंदौरी लाल है। जानकारी के अनुसार विनोद बर्णवाल का विवाह 12 वर्ष पूर्व हुआ था। लेकिन उसे कोई संतान नहीं था। वह तिसरी चौक स्थित एक किराना दुकान में काम करता था। पांच माह पूर्व उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई। जिसके कारण वह तनाव में रहने लगा था। इसी बीच शनिवार की रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में गया और अपनी मां से फोन पर बातचीत की। उसके माता-पिता बेलवाना के सलगाडीह स्थित पुराने घर में रहते थे। बताया जाता है कि फोन पर बातचीत के दौरान

लातेहार : प्रशिक्षण से अनुपस्थित 12 पदाधिकारी व कर्मी को शोकॉज

PHOTON NEWS LATEHAR : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह ने अनुशासनहीनता और लापरवाही के आरोप में 12 पदाधिकारी और कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है। उपायुक्त ने आसन्न लोकसभा निर्वाचन को लेकर गत 5 अप्रेल को गांधी इन्टर कॉलेज एवं बनवारी साहू महाविद्यालय, लातेहार में पीठासीन पदाधिकारी हेतु आयोजित प्रशिक्षण में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले 12 कर्मी और पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछा है। उन्होंने लिखा है कि चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्य से अनुपस्थित रहना उनके कार्य के प्रति लापरवाही एवं कर्त्तव्यहीनता का द्योतक है। बिना किसी पूर्व सूचना एवं अनुमति के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित पाया जाना जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 26 एवं आईपीसी की धारा-187 एवं 188 का उल्लंघन तथा अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता को परिलक्षित करता है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 24 घंटे के अंदर अनुपस्थित कर्मी और पदाधिकारी से स्पष्टीकरण की मांग की है। स्पष्टीकरण समय पर अप्राप्त रहने एवं संतोषजनक नहीं पाये जाने पर उक्त के विरूद्ध जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 एवं आईपीसी की धारा-187 एवं 188 के तहत विधि सम्मत कार्रवाई करने के निर्देश दिया है।

इन्हें किया गया शोकॉज : रंजन दानिएल बारला, टीजीटी, स्तरोन्नत 2 उवि सरयू; अरूण कुमार सिंह, सहायक शिक्षक राजकीय कृत मध्य वि।, मारंगलोईया, बालूमाथ; शिवनाथ मांझी, सहायक शिक्षक, राजकीय कृत मध्य वि।, सेरेगाड़ा, बालूमाथ; मासा सोरेन, प्रबंधक (खान), तेतरियाखाङ ओसीपी, बालूमाथ; मेश नगेसिया, सहायक शिक्षक उ मध्य वि, कबरी, गारू; दिवाकर मिश्रा, व्याख्याता, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट; श्रवण कुमार सिंह यादव, सहायक शिक्षक, उउवि मोरवाई कला, बरवाडीह; जोसेफ एक्का, प्रधानाध्यापक, खीस्त राजा हाई स्कूल, चन्दवा; मंगरा आइंद, प्रारूपक, पथ प्रमण्डल, लातेहार; प्रभाकर कुमार, वरीय लिपिक, पथ प्रमण्डल, लातेहार; राजगीर सिंह, सहायक शिक्षक, राजकीय कृत मध्य विद्यालय सेरेगाड़ा, बालूमाथ; सुमन कुमार साव, टीजीटी, अंग्रेजी, जवाहर नावोदय विद्यालय, लातेहार।

खूंटी में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की जीत की डगर आसान नहीं, चुनौतियों की होगी भरमार

इस बार भी कांग्रेस के उम्मीदवार कालीचरण मुंडा से है उनका मुकाबला

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा इस बार भी खूंटी से चुनाव लड़ रहे हैं। वोटों के समीकरण पर नजर डालें तो कई चुनौतियां हैं और उनकी चुनाव जीतने की डगर आसान नहीं है। खूंटी(सु) क्षेत्र में आचार संहिता लागू होते ही प्रशासनिक के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। एक ओर जिला प्रशासन खूंटी जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने

के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, वहीं राजनीतिक दलों द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन और कोर कमेटी की बैठकें आयोजित की जा रही है।

राजनीतिक जानकार भी मानते हैं कि जनजातियों के लिए सुरक्षित सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा के अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा के बीच ही होगा। अभी तक झारखंड पार्टी के एनोस एक्का ने अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। वैसे वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने वाली असंवैधानिक पत्थलगड़ी की नेत्री बबिता बेलोसा कच्छप भी अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी है, पर खूंटी क्षेत्र में इनके आने का चुनाव पर कितना प्रभाव रहेगा, यह देखना दिलचस्प होगा। जनजातीय मामलों और केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा का मुख्य मुकाबला फिर से कांग्रेस के कालीचरण मुंडा से ही है। पिछले लोकसभा चुनाव अर्जुन मुंडा 1445 मतों के अंतर से कालीचरण मुंडा को परास्त कर संसद पहुंचे थे।

लोस चुनाव संविधान व लोकतंत्र बचाने के लिए : सुखदेव भगत

LOHARDAGA : लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस पार्टी की बैठक जिला अध्यक्ष सुखेर भगत की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हुई। इसमें 2024 लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की लोकसभा कोऑर्डिनेटर प्रदीप तुलस्यान विधानसभा प्रभारी बेलस तिर्की शामिल हुए। सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा लोकसभा प्रत्याशी सुखदेव भगत को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सुखदेव भगत ने कहा की यहां कांग्रेस की जड़ें बहुत गहरी है यहां धीरज प्रसाद साहू तीन बार के राज्यसभा सांसद रहे हैं।

रामनवमी के अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को सुबह नौ बजे राधा कृष्ण मंदिर मेट्रो गली रातु रोड से रामनवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमे माता रानी की जीवंत झांकी के साथ साथ महिलायें कलश यात्रा के साथ साथ चल रही थी काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह शोभायात्रा राधा कृष्ण मंदिर से निकल कर कालोनी और रातु रोड के पास भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंची।

इस बीच यात्रा के मार्ग पर श्री शिव बारात आयोजन महासमिति ने शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया। फूल माला पहना कर आयोजन समिति के लोगो को अंग

वस्त्र देकर तथा शोभा यात्रा में शामिल सभी भक्तों को आइसक्रीम और फल वितरण किया गया।

समिति में मुख्य रूप से राजेश कुमार साहू राजकुमार तलेजा दीपक नंदा सुभाषिश चटर्जी राजीव वर्मा राम सिंह उर्मिला चौधरी रागिनी साहू बदल सिंह मेहूल प्रसाद

धनबाद : कार पलटी, बर्थडे मनाने जा रहे छह युवक घायल, दो की हालत गंभीर

PHOTON NEWS DHANBAD : पुटकी थाना क्षेत्र के चिरूडीह में बाइक को बचाने के चक्कर में एक एसयूवी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में छह लोग घायल हो गये, जिसमें दो की हालत गंभीर बतायी जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमसीएच रेफर किया गया है। घटना रविवार की सुबह करीब लगभग 9:45 बजे

घटी। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग में धनबाद के मनईटांड से महिंद्रा केयूवी 100 बीआर 02 पीए 7573 से छह युवक राम राज मंदिर चिटाही धाम जा रहे थे। चिरुडीह में एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एसयूवी के चालक ने नियंत्रण खो दिया। जिससे गाड़ी पलट गई और लगभग 150 मीटर तक पलटी खाते हुये हिंदुस्तान कार सजावट दुकान के सामने खड़ी स्विफ्ट डिजायर कार में टक्कर मारते हुए एक बिजली के खंभे में जा टकराई।

हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज का मामला : डिलीवरी के दौरान नवजात का सिर धड़ से अलग, परिजनों का आरोप

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग के एक अस्पताल में महिला की डिलीवरी के दौरान नवजात को सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद दिव्यांग महिला की जान भी बड़ी मुश्किल से बच पाई। परिजन जब बच्चे को देखने के लिए जिद करने लगे तो आनन-फानन में अस्पताल कर्मियों ने नवजात के शव

सदमे से दुखी परिजन। • फोटोन न्यूज

को कपड़े में लपेटकर परिजनों को दे दिया। परिजनों ने जैसे ही बच्चे को गोद में लिया, उसका सिर नीचे गिर गया और धड़ हाथ में ही रह गया। इसके बाद महिला के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। बच्चे को उसी हालत में अंतिम संस्कार के लिए घर लेकर चले गए।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, शेख बिहारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में दो अप्रैल को जिले के दारू बासोबार गांव की एक दिव्यांग महिला निशा कुमारी प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची थीं। जहां नर्सों ने प्रारंभिक जांच कर नॉर्मल डिलीवरी की बात कही। इसके बाद उसे प्रसूता रूम में ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि जहां प्रसव के दौरान बच्चे का धड़ बाहर आ गया, जबकि सिर अंदर ही रह गया। इसके बाद प्रसूता को आनन-फानन में दूसरे फ्लोर पर ले जाया गया, जहां बच्चे के सिर को पेट से निकाला गया।

मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा संख्या बढ़ाने लिए चुनाव आयोग कर रहा तरह-तरह के प्रयोग

मतदाताओं को जागरूक करो और इनाम पाओ

PHOTON NEWS JAMTARA : लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा संख्या बढ़ाने लिए चुनाव आयोग तरह-तरह के प्रयोग कर रहा है। इसके लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले और डिजिटल कलाकार को भी इसमें शामिल किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी कुमुद सहाय ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रांची द्वारा झारखंड वोटर अवेयरनेस कॉन्टेस्ट को 10 अप्रैल तक विस्तारित किया गया है। इसके तहत शॉर्ट फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो, रील मेकिंग तथा पोस्टर मेकिंग जैसी चार कोटि निर्धारित की गई है। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए विस्तृत जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। सभी कोटियों में प्रविष्टियां प्राप्त होने के उपरांत मुख्यालय स्तर पर गठित निर्णायक मंडली द्वारा उनमें से बेहतर रचनाओं को चयनित करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कारों का निर्णय करते समय संबंधित प्रतिभागी के सोशल मीडिया इंगेजमेंट को भी आधार बनाया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी ने जिले के स्थानीय फिल्मकार, निर्देशक एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपील की है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में झारखंड वोटर अवेयरनेस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लें और मतदान करने के लिए जिलावासियों को प्रेरित करें। इसके लिए वोटरों को प्रेरित करने वाले रिल्स, शॉर्ट फिल्म, म्यूजिक वीडियो, पोस्टर मेकिंग आदि बनाएं।

प्रवासी मजदूरों को डीसी ने लिखी चिट्ठी, कहा- चुनाव है, वोट देने आइए

RAMGARH : लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाता शामिल हों, इसके लिए अलग-अलग तरीके से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस बार प्रवासी मजदूरों को भी बुलाने की अपील की गई है। 'चिट्ठी आई है' अभियान के तहत रविवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने प्रवासी मजदूर भाइयों के नाम एक चिट्ठी लिखी है। उस चिट्ठी में मतदान की तिथि का जिक्र करते हुए यह अपील की गई है कि वे वोट डालने अपने घर जरूर आएं। डीसी की यह चिट्ठी सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई है। यह चिट्ठी लेकर बीएलओ उन घरों में जाएंगे, जिनके घर के सदस्य दूसरे राज्य में रहकर काम कर रहे हैं। उनके घर से ही वीडियो कॉल लगाया जाएगा और प्रवासी मजदूरों को डीसी की चिट्ठी दिखाई जाएगी।

रामगढ़ के 28 गांवों में जनसंपर्क कर मनीष जायसवाल ने मांगा समर्थन

108 वर्षीय वयोवृद्ध मतदाता से मिले, लिया आशीर्वाद

PHOTON NEWS RAMGARH : हजारीबाग लोकसभा के भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल घर-घर जाकर नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बता रहे हैं। रविवार को वह रामगढ़ के 28 गांव में जनसंपर्क कर भाजपा के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 62 वर्षों में सिर्फ भ्रष्टाचार किया और देशवासियों को ठगा। लेकिन नरेंद्र मोदी की 10 वर्षों की सरकार ने भारत को विश्व के अग्रणी स्थान पर पहुंचाया है। भाजपा सरकार ने देशवासियों के जीवन स्तर को और ऊंचा किया है। देश और समाज के विकास के लिए भाजपा को वोट देना है।

इस दौरान रामगढ़ जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता और आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारा गठबंधन स्वाभाविक है। हजारीबाग और रामगढ़ की जनता इस लोकसभा का फूल भी नरेंद्र मोदी को समर्पित करेगी।

मनीष जायसवाल ने रविवार को रामगढ़ के ग्राम कोठार में बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभियान शुरू किया। मुर्रामकला में पटेल छात्रावास में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ग्राम छत्तर मांडू में समाजसेवी बिरेन सिंह और छत्तर असना टोला में 108 साल की उम्र की अति वृद्ध मतदाता से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और आशिर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कोठार, छत्तर, असना टोला, लोधमा, कुंदुकलां पाहन टोला, कुंदुकलां केशरी टोला, कुरूम, बूढ़ा खोखरा, मुर्राम कलां, तेलीयातु, बरकाकाना चौक, घुटुआ, नया घूटवा, हेहल, अम्बाटांड़, चैनगढ़ा, नीचे टोला, नया नगर, रोबा कॉलोनी, सेंवटा रॉयल, सेंवटा, सेंवटा कोयला डिपो, बीआरएल कॉलोनी, रौता, मरार, मिश्रा टोला, बरवाटांड़, रांची रोड़ में जनसंपर्क और जनसंवाद कार्यक्रम चलाया।

BRIEF NEWS

ब्राउन शुगर के साथ महिला सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

RANCHI : रांची के जगरनाथपुर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक महिला सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में अमित कुमार उर्फ बबलू, सुजीत कुमार उर्फ गोलू और सोनी हेला शामिल है। इनके पास से 13 ग्राम ब्राउन शुगर, एक डिजिटल तराजू,अल्युमिनियम फाइल का तीन टुकड़ा, पांच लाइटर, टूटा हुआ एक सिगरेट, चांदी का एक ब्रेसलेट, एक ब्राउन सुगर सूंघने वाला प्लास्टिक का सफेद रंग का छोटा पाईप, ब्राउन शुगर बिक्री किया हुआ 1460 रुपया बरामद किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी बड़का गढ़ तालाब शिव मंदिर के पास ब्राउन शुगर की खरीद बिकी की जा रही है। सूचना के बाद टीम का गठन कर एक महिला और दो पुरुष को गिरफ्तार किया गया।

एनटीपीसी ने 2025 में 40 एमएमटी कोयला उत्पादन का रखा लक्ष्य

RANCHI : भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपनी कैप्टिव खदानों से 40 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। महत्वाकांक्षी लक्ष्य एनटीपीसी को पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कैप्टिव कोयला उत्पादन में 17 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल करने में मदद करेगा। इससे वित्त वर्ष 2025 में कैप्टिव खदानों के माध्यम से कोयले की 15 प्रतिशत से अधिक आवश्यकता पूरी हो जाएगी, जिससे बिजली प्रमुख के लिए ईंधन सुरक्षा मजबूत होगी। कंपनी ने 31 मार्च के अंत तक 34.15 एमएमटी का प्रभावशाली कोयला प्रेषण हासिल किया और कोयला उत्पादन 34.38 एमएमटी रहा। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सड़क दुर्घटना में मारे गए युवकों के परिजनों को डालसा ने की सहायता

RANCHI : रांची प्रेस क्लब के पास शनिवार की रात सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय के जस्टिस सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार को यह आदेश दिया है, कि वह तत्काल मृतक के परिवार से मिलकर आवश्यक सहायता प्रदान करें। जिसके बाद डालसा के अध्यक्ष न्याययुक्त दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को आदेश दिया कि अविलंब एक टीम गठित कर पीड़ित परिवार को विधिक सहायता उपलब्ध कराएं। डालसा सचिव ने एक टीम गठित की जिसमें राकेश रंजन सचिव डालसा, राजेश कुमार सिन्हा डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल, पीएलबी अनिता देवी मृतक के परिवार से रिम्स अस्पताल में मुलाकात कर उन्हें दी जानेवाली विधिक सहायता एवं सरकारी योजनाओं के लाभ के संबंध में संपूर्ण जानकारी दी और विधिक सहायता एवं एमएसीटी एक्ट के तहत मुकदमा दाखिल करने के लिए विधिक सहायता की भी जानकारी दिया गया। डालसा के पीएलवी अनिता देवी के द्वारा मृतक के पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को सहायता किया गया।

प्रखंड भवन निर्माण के लिए मिले 242.84 करोड़ रुपये का मांगा हिसाब

RANCHI : 13वें वित्त आयोग भारत सरकार द्वारा आवंटित सहायता अनुदान राशि से प्रखंड वन निर्माण के लिए आवंटित राशि का अभी तक पूरा हिसाब नहीं मिल पाया है। भारत सरकार ने 31 मार्च 2024 तक लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने की अंतिम समय-सीमा तय की थी ओर झारखंड सरकार को इस संबंध में पत्र भी लिखा गया था। वित्त विभाग ने इसके बाद ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कल्याण विभाग, श्रम विभाग, वन पर्यावरण विभाग, आइटी, पर्यटन, शहरी विकास, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, उर्जा विभाग, ग्रामीण कार्य, जलसंसाधन सहित सभी विभागों को पत्र लिखकर लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र का हिसाब देने को कहा है। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों ने अपने मातहत कार्यालय को हिसाब देने के लिए पत्र भी लिखा था। सिर्फ ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के जरिए 2011-12 से 2014-15 के बीच करीब 242.84 करोड़ रुपये ब्लॉक बिल्डिंग निर्माण की राशि दी गयी थी।

एएचटीयू, नन्हे फरिश्ते व फ्लाइंग टीम की संयुक्त कार्रवाई

स्टेशन से सात नाबालिग बरामद, तीन तस्कर अरेस्ट

- ठेकेदार रियाज अंसारी के कहने पर बच्चों को ले जा रहे थे विजयवाड़ा
- ठेकेदार ने दिए थे पांच हजार रुपये
- सभी बच्चों के बनाए गए थे फर्जी आधार कार्ड

CRIME REPORTER RANCHI : हटिया स्टेशन से पुलिस ने रविवार को सात नाबालिग बरामद किये हैं। साथ ही तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरपीएफ पोस्ट हटिया की एएचटीयू, नन्हे फरिश्ते और रांची डिवीजन की फ्लाइंग टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, हटिया स्टेशन पर बाल और मानव तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। सुबह करीब पांच बजे चेकिंग के क्रम में सात नाबालिग और तीन व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर एक पर एस्केलेटर के नीचे ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। संदेह होने पर सभी से पूछताछ की गयी। पूछताछ में पता चला कि सात नाबालिग के साथ तीनों लोग विजयवाड़ा जाने वाली ट्रेन (ट्रेन नंबर 18637 एक्सप्रेस) पकड़ने के लिए बस से हटिया रेलवे स्टेशन आये थे। पूछताछ में मानव तस्कर सुरेश कच्छप ने बताया कि वह ठेकेदार रियाज अंसारी के कहने पर ही बच्चों को लेकर विजयवाड़ा जा रहा था। उसके गांव में ठेकेदार का काम चल रहा था, रियाज ने ही सभी बच्चों को विजयवाड़ा स्थित इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाने वाली कंपनी वायरस कंपनी में ले जाने को कहा था, इसके लिए उसे पांच हजार रुपये भी दिये गये थे। रियाज द्वारा सभी बच्चों के फर्जी आधार कार्ड भी बनाये गये थे।

सभी नाबालिगों को विजयवाड़ा ले जाने की थी तैयारी

पुलिस की पूछताछ में पकड़े गये तीन में से एक व्यक्ति सुनेश कच्छप ने बताया कि उसके गांव में ठेकेदार रियाज अंसारी का ट्रैक्टर का काम चल रहा था। वहां वह (सुनेश कच्छप) भी काम कर रहा था। बताया कि रियाज अंसारी को छह माह पहले विजयवाड़ा स्थित इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाने वाली वायरस कंपनी में ले जाया गया। दो माह पहले वह गांव आया था। छह अप्रैल 2024 को ठेकेदार रियाज अंसारी ने उसको डाल्टेनगंज बस स्टैंड में बुलाया और इन सातों नाबालिग से परिचय कराया। सुनेश कच्छप ने बताया कि रियाज अंसारी ने उसको पांच हजार और सभी का फर्जी आधार कार्ड दिया। बताया कि रियाज अंसारी ने उसे सभी नाबालिगों को अपने साथ विजयवाड़ा ले जाने को कहा, जहां रियाज पहले काम करता था। बताया कि रियाज ने उसको कहा कि वहां पहुंचाने के बाद वह उसे और पांच हजार रुपये देगा। बताया कि उसके कहने पर ही सभी नाबालिग को वह डाल्टेनगंज से बस से हटिया स्टेशन लेकर आया। स्टेशन से जेनरल टिकट लेकर विजयवाड़ा जाने

वार रूम व सोशल मीडिया के पदाधिकारियों के साथ बैठक, मीर बोले

मेनिफेस्टो को सभी भाषाओं में अनुवाद कर लोगों तक पहुंचाएं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मीडिया, वार रूम और सोशल मीडिया के पदाधिकारियों के साथ रविवार को बैठक की। प्रदेश प्रभारी ने मीडिया विभाग के कार्यों का जायजा लिया और दिशा निर्देश भी दिए। कहा कि पांच न्याय 25 गारंटी और कांग्रेस के मेनिफेस्टो को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाएं। इसके लिए झारखंड में बोली और लिखे जाने वाली सभी भाषाओं में मेनिफेस्टो का अनुवाद करें। चुनाव के दौरान विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार के लिए प्रदेश स्तर के प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रभारी के रूप में जिला व लोकसभा स्तर पर किया जाए। जिससे जिला और लोकसभा स्तर के प्रवक्ताओं से समन्वय स्थापित कर सकें।

चुनाव से पहले की तैयारी में मीडिया विभाग की भूमिका अहम : मीर ने कहा कि वर्तमान चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका चुनाव के दौरान तो महत्वपूर्ण है, लेकिन चुनाव के पहले की तैयारी मीडिया विभाग से जुड़े नेताओं पर ही होती है। आज के दौर में अपनी बातों को जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम मीडिया ही है। जनता के साथ सीधा संवाद इसी माध्यम से होता है। यही कारण है कि मोदी सरकार के खास नुमाइंदों ने पिछले एक दशक के दौरान येन केन-प्रकारेन विभिन्न माध्यमों से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कब्जा करने की कोशिश की, इसमें वह काफी हद तक सफल भी रहे।

बैठक करते झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें : राजेश ठाकुर

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि चुनावी जंग का मैदान तैयार है। जंग जीतने के लिए हर हथियार का इस्तेमाल किया जाता है, परंतु लोकतंत्र में जनता की आवाज को हुकूमत तक पहुंचाने का बेहतरीन और सशक्त हथियार मीडिया ही है। हम अपनी बातों को,कांग्रेस के मेनिफेस्टो को पांच न्याय 25 गारंटी को जितने बेहतर तरीके से मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचा सकते हैं, उसे बेहतर माध्यम और कोई नहीं हो सकता। यह जरूरी है कि संविधान बचाने की इस लड़ाई में हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सहयोग बेहतरीन ढंग से लें। मोदी सरकार की करगुजारियों से न सिर्फ जनता बल्कि लोकतंत्र का हर स्तंभ परेशान व नाराज है और शायद यही वजह है कि भाजपा आने वाले चुनाव के परिणामों को लेकर सशंकित है।

25 मई को रांची में पड़ेंगे वोट, मतदाता सूची में जरूर दर्ज कराएं अपना नाम

वोटर जागरूकता कार्यशाला में लोगों ने ली मतदान करने की शपथ

लोगों को मतदान संबंधी जानकारी देते रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा।

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड की राजधानी रांची में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्वीप के तहत मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में किया गया? इसमें जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा, प्रशासक, नगर निगम अमित कुमार, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमण्डल पदाधिकारी रांची सदर उत्कर्ष कुमार एवं रांची जिला के विभिन्न रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव मौजूद थे। कार्यशाला के दौरान सर्वप्रथम नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह उपविकास आयुक्त, रांची दिनेश कुमार यादव द्वारा चुनाव प्रक्रिया से संबंधित कई आवश्यक जानकारी दी गई। मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर पेड लीव की व्यवस्था की गई है। सभी लोग पोलिंग डे पर बूथ पर पहुंचे इसे लेकर उन्हें जागरुक करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। कार्यशाला के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को चुनाव से संबंधित कई जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि 25 मई 2024 को रांची लोकसभा क्षेत्र में वोट डाले जायेंगे। मतदान से पहले संबंधित बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम एग्जाम के एक दिन पहले परीक्षा केन्द्र देखने जाते हैं, उसी तरह मतदाता सूची मिलने के बाद मतदान से पहले अपनी सहूलियत के लिए अपना बूथ जरुर देख लें।

ब्राउन शुगर कारोबार का खुलासा, कुख्यात जुबेर समेत चार अरेस्ट

RANCHI : लोकसभा चुनाव मद्देनजर विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में अवैध शराब, आग्नेयास्त्र और मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान ब्राउन शुगर के कारोबार से जुड़ा कुख्यात जुबेर समेत चार अपराधियों की गिरफ्तार हुई। सभी को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के न्यू मार्केट स्थित ऑटो बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। जिनमें मो। जुबेर, रोहित ठाकुर, सुजीत गुप्ता और तरुण कुमार पांडेय शामिल हैं। इनके पास से पुलिस ने 11.5 ग्राम ब्राउन शुगर और कई मोबाइल फोन बरामद किये हैं। ये सभी ब्राउन शुगर को अवैध खरीद बिक्री के लिए बिहार से लेकर आ रहे थे। गिरफ्तार लोगों में जुबैर के खिलाफ 16, रोहित के खिलाफ छह और सुजीत के खिलाफ पांच मामले पूर्व से दर्ज हैं।

प्रमोद मिश्रा के सहयोगी अनिल यादव से एनआईए कर रही पूछताछ

CRIME REPORTER RANCHI : भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा के सहयोगी नक्सली अनिल यादव से एनआईए पूछताछ कर रही है। अनिल यादव मूल रूप से बिहार के गया जिले के लुटुआ गांव का रहने वाला है। बता दें कि बिहार पुलिस ने रितेश विद्यार्थी के भाई रोहित विद्यार्थी को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। इस दौरान रोहित विद्यार्थी ने पुलिस को बताया था कि प्रमोद मिश्रा गया जिले का लुटुआ गांव आने वाला है। सूचना के आधार पर बिहार पुलिस ने 9 अगस्त 2023 को पोलित ब्यूरो सदस्य और एनआरबी (उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो) के प्रभारी प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया था। प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने हथियार, गोला-बारूद और एक बंदूक फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया था। जिसे बिहार और यूपी में हथियारों की सप्लाई करने और देसी हथियारों को इकट्ठा करने के लिए स्थापित किया गया था। एनआईए जांच से संकेत मिले हैं कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंगों को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने, भर्ती करने और माओवादी की विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया था। वे इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंक और हिंसा की साजिश रच रहे थे। जांच से यह भी पता चला है कि प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में माओवादी के कैडरों व समर्थकों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स का नेतृत्व कर रहे थे।

मुख्य सचिव का बनाया फेक वाट्सएप अकाउंट

RANCHI : झारखंड पुलिस साइबर अपराध को रोकने का लगातार प्रयासरत है, लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पा रहा है। साइबर गिरोह के लोग ठगी करने के लिए एक से बढ़कर एक तरीके निकाल रहे हैं। हद तो उस वक्त हो गयी जब साइबर अपराधियों ने झारखंड के मुख्य सचिव एल। ख्यांग्ते का फेक वाट्सएप अकाउंट बनाकर ठगी करने का प्रयास किया। साइबर अपराधियों ने 8604244052 नंबर से मुख्य सचिव एल। खियांग्ते के नाम से फेक वाट्सएप अकाउंट बनाकर आम लोगों से ठगी का प्रयास कर रहे हैं। फेसबुक और वाट्सएप अकाउंट से फोटो चोरी कर साइबर अपराधी फेक प्रोफाइल बनाते हैं। इस फर्जी प्रोफाइल के जरिये वो यूजर्स के जानने वालों से पैसों की मांग करते हैं। कई बार अपराधी फेसबुक को हैक कर भी यूजर के प्रोफाइल को इस्तेमाल कर लेते हैं और यूजर को इसकी भनक भी नहीं लगती है। सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी विदेशी या किसी अनजान नंबर से वाट्सएप पर फेक प्रोफाइल तैयार कर जानने वालों से राशि की मांग करते हैं।

मुक्ति संस्था ने रिम्स के 43 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

PHOTON NEWS RANCHI : मुक्ति संस्था की ओर से रविवार को रांची स्थित जुमार नदी के तट पर 43 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। संस्था के सदस्य रिम्स रांची के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर जुमार नदी के तट पर लेकर आए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था द्वारा अबतक कुल 1723 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने की। मौके पर संस्था के अन्य सदस्य रवि अग्रवाल, रतन अग्रवाल, आशीष भाटिया, हरीश नागपाल, आदित्य राजगढ़िया, केवल किशोर, राजेश विजयवर्गीय, सुनील अग्रवाल, सुदर्शन अग्रवाल सहित अन्य भी उपस्थित थे।

झारखंड में 6021 गैर जमानती वारंट पेंडिंग

RANCHI : चुनाव आयोग के निर्देश के बाद भी झारखंड में 6021 गैर जमानती वारंट पेंडिग है। 1 अप्रैल तक मात्र 176 गैर जमानती वारंट का ही निष्पादन किया गया है। सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी इसको लेकर विडियो काफ्रेंसिग के माध्यम से समीक्षा करेगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने इस बाबत सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, एसएसपी और एसपी को पत्र भेजा है। पत्र में बताया गया है कि 1 अप्रैल तक 176 गैर जमानतीय वारंट का निष्पादन किया गया है। परन्तु अभी भी 6021 गैर जमानतीय वारंट अनिष्पादित है। काफी बड़ी संख्या में गैर जमानती वारंट के लंबित रहने के कारण इनका त्वरित निष्पादन के लिये आयोग से निदेश प्राप्त है। अपने-अपने जिले से संबंधित गैर जमानतीय वारंट से संबंधित सभी मामलों का विस्तृत विवरणी के साथ उक्त बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगें।

नशे के कारोबार पर झारखंड पुलिस करेगी चौतरफा हमला, पांच जिलों में खुलेगा नारकोटिक्स थाना

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में बड़े पैमाने पर अफीम की फसल उगाई जाती है। इस वजह से झारखंड ड्रग्स के कारोबार का एक प्रमुख क्षेत्र बनता जा रहा है। ऐसे में नशे के सौदागरों पर नकेल कसने के लिए अब झारखंड के 5 जिलों में नारकोटिक्स थाना खोलने की कवायद शुरू कर दी गई है। झारखंड सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि नशे के सौदागरों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। खासकर झारखंड का चतरा जिला तो ड्रग्स कारोबार का हब बन गया है। ऐसे में झारखंड के चतरा, हजारीबाग, खूंटी, रांची और जमशेदपुर में नारकोटिक्स थाने खोले जाएंगे। सीआईडी मुख्यालय के द्वारा इसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है। इसी साल झारखंड के 5 जिलों में नारकोटिक्स थाने अपना काम करना शुरू कर देंगे। झारखंड में फिलहाल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का जोनल ऑफिस कार्य कर रहा है, जो सीधे एमएचए को रिपोर्ट करता है। अगर झारखंड में भी पांच नारकोटिक्स थाने खुल जाते हैं तो नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई का ग्राफ भी बढ़ेगा साथ ही साथ उनको सजा दिलवाने के ग्राफ में भी इजाफा होगा। सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि नारकोटिक्स थाने में योगदान देने वाले अफसरों को विशेष रूप से ट्रेंड किया जाएगा।

जांच के लिए स्पेशलाइज्ड पुलिस अफसरों की जरूरत

सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि सीआईडी मुख्यालय के द्वारा सभी संबंधित जिलों के आईजी और डीआईजी को निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने जिलों के एसपी को निर्देश दे कि वे नारकोटिक्स थाना खोलने के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर भेजें ,ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार झारखंड के पांच जिलों में सबसे अधिक ड्रग्स का कारोबार होता है। इस कारण इन जिलों के विभिन्न थानों में सबसे अधिक एनडीपीएस अधिनियम के केस दर्ज होते हैं। एनडीपीएस अधिनियम में दर्ज केस में जब्त नशा के समान के साथ-साथ इसकी जांच बेहद अहम होती है, इसलिए ऐसे मामलों के अनुसंधान के लिए स्पेशलाइज्ड पुलिस अफसरों की जरूरत होती है।

रांची में सरहुल पर्व की तैयारी में जुटे आदिवासी संगठनों के लोग

बेहतर झांकी निकालने वाले को मिलेगा एक लाख का इनाम

- सरहुल का पर्व आदिवासी समुदाय के लिए काफी महत्वपूर्ण : अजय तिर्की
- फर्स्ट प्राइज एक लाख, सेकेंड प्राइज 50 हजार व तीसरे नंबर पर रहने वाले को मिलेंगे 25 हजार रुपये

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में आदिवासियों का प्रमुख पर्व सरहुल की तैयारी इन दिनों जोर-शोर से चल रही है। राजधानी रांची की बात करें तो सरहुल को लेकर आदिवासी संगठनों की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। रांची में केंद्रीय सरना समिति ने इस बार सरहुल जुलूस में बेहतर झांकी निकालने वाले खोड़ा दल को एक लाख का नगद इनाम देने की घोषणा की है। इस संबंध में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि सरहुल का पर्व आदिवासी समुदाय के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह पर्व आदिवासियों के लिए नया साल लेकर आता है और इस पर्व में लोग अपने पर्यावरण और वातावरण को स्वच्छ रखने का प्रण लेते हैं। इसलिए इस बार सरहुल पर्व पर लोगों के उत्साह को बढ़ाने के लिए केंद्रीय सरना समिति के तरफ से इनाम की घोषणा की गई है। जिसमें फर्स्ट प्राइज एक लाख के रूप में दिया जाएगा, सेकेंड प्राइज 50 हजार रुपए और तीसरे नंबर पर रहने वाले खोड़ा दल को 25 हजार रुपए का नगद इनाम दिया जाएगा।

रांची के विभिन्न स्थानों से निकाली जाएंगी झांकी

मालूम हो कि राजधानी रांची के विभिन्न इलाकों से निकलने वाली झांकी सिरम टोली के सरना स्थल पहुंचती है और वहां पर आदिवासी समाज के पाहन (मुख्य पुजारी) पारंपरिक तरीके से पूजा-पाठ कर लोगों के बीच प्रसाद का वितरण करते हैं।

इस वर्ष एक से बढ़कर एक झांकी निकाली जाएगी : केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने बताया कि इस बार की झांकी में छत्तीसगढ़ के हसदेव जंगल की अवैध कटाई, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने की घटना प्रदर्शित की जाएगी। इसके अलावा भी समाज में रह रहे आदिवासियों से जुड़े विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी झांकी निकाली जाएगी।

सरहुल पर्व पर जल, जंगल और जमीन की रक्षा का लेंगे संकल्प : गौरतलब है कि सरहुल में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक लोकगीत और मांदर की थाप पर नाचते-गाते हैं। इस दिन आदिवासी समाज के लोग जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

टैंकरों से जलापूर्ति अधिक से अधिक कराएं : ख्यांग्ते

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी नगर निकायों को पेयजल संकट के समाधान के लिए टास्क फोर्स बनाने का निर्देश दिया है। वहीं, राज्य एवं स्थानीय स्तर पर कंट्रोल रूम बना कर टोल फ्री नंबर जारी करने को कहा है, ताकि किसी जगह पानी की समस्या हो तो लोग इसके जरिये अपनी समस्या रख सकते हैं। मुख्य सचिव ने टैंकरों से जलापूर्ति अधिक से अधिक कराने को कहा है। नये टैंकरों की खरीद के लिए जल्द टेंडर की प्रक्रिया संपन्न कराने का भी निर्देश दिया है। विगत दिनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी ये बातें उन्होंने सभी निकायों को कही थी। मुख्य सचिव ने इसके अलावा चापाकलों की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराने को कहा है। इसके लिए नगर विकास राशि उपलब्ध करायेगा। राज्यभर के जलाशयों, जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराकर उन्हें विकसित करने का भी निर्देश उन्होंने दिया है। रांची नगर निगम को जलापूर्ति के लिए अतिरिक्त 20 टैंकर और खरीद की स्वीकृति भी दी गयी है। मुख्य सचिव ने नगर विकास एवं पेयजल विभाग को आपस में समन्वय कर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा है।

BRIEF NEWS

परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर में लगा स्वास्थ्य शिविर

JAMSHEDPUR : खरकई लिंक रोड, बिष्टुपुर स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी समिति मंदिर के सभागार में रविवार को नारायण हृदयालय के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर, हार्ट, ईसीजी, मैमोग्राफी, वजन आदि का चेकअप किया गया 182 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में रघुनाथ पांडेय, समाजसेवी विकास सिंह, शिवशंकर सिंह, डॉ उमेश खां, वरिष्ठ पत्रकार भवानंद झा, विजय शंकर मिश्र, श्रीनिवास, शंकर पाठक, पूर्व अध्यक्ष सरोज मिश्रा आदि मौजूद थे, जबकि शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष मानस कुमार मिश्रा, चंद्रशेखर झा, कार्यकारी अध्यक्ष संतोष ठाकुर, सदाशिव झा, मोहन चंद्र झा, सुररंजन राय, रमन चौधरी आदि सक्रिय रहे।

साकची गोलचक्कर पर आप कार्यकर्ताओं ने रखा उपवास

JAMSHEDPUR : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को साकची गोलचक्कर पर उपवास रखा। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार के नेतृत्व में सामूहिक उपवास के दौरान कार्यकर्ताओं ने असंवैधानिक तरीके से 21 मार्च को गिरफ्तार हुए केजरीवाल को तुरंत रिहा करने की मांग की। अपने संबोधन में अभिषेक कुमार ने कहा कि तानाशाही के खिलाफ आज पूरा देश एकजुट है। इससे पहले आप ने 26 मार्च को भी देशभर में प्रदर्शन किया था। उन्होंने आगे कहा कि भारत के 25 राज्यों की राजधानी, जिला, ब्लॉक मुख्यालय और अपने गांव-कस्बे में लोग सामूहिक उपवास कर केजरीवाल को अपना समर्थन दे रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश उपसंयोजक प्रेम कुमार और प्रदेश संयुक्त सचिव रईस अफरीदी भी शामिल हुए।

तीन दिवसीय निशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर शुरू

JAMSHEDPUR : चंदूलाल भालोटिया सोशल वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से साकची आमबागान स्थित अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों के कमर दर्द व घुटना दर्द का राजस्थान के उदयपुर के कंचन सेवा संस्थान के आठ डॉक्टरों व टेक्निशियन की टीम बिना ऑपरेशन के प्राकृतिक चिकित्सा से निशुल्क इलाज कर रहे हैं। शिविर का उद्घाटन रविवार को ट्रस्ट के ट्रस्टी व सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष अशोक भालोटिया, रमेश भालोटिया, अशोक मोदी, अजय भालोटिया, अभिषेक भालोटिया ने किया। शिविर में 102 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनका कमर व घुटना दर्द से संबंधित बीमारी का प्राकृतिक इलाज किया जाएगा। इस मौके पर बजरंग लाल अग्रवाल, अरुण गुप्ता, बालमुकुंद गोयल, अरुण बाकरेवाल, उमेश शाह, अशोक चौधरी, सिंहभूम चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, विनय मित्तल, संदीप मुरारका, अजय भालोटिया, विश्वनाथ शर्मा आदि भी मौजूद थे।

चक्रधरपुर में नकली शराब फैक्टरी का भंडाफोड़, चार लोग हिरासत में

PHOTON NEWS CHAIBASA : पुलिस ने चक्रधरपुर के म्युनिसिपलिटी हरिजन बस्ती क्षेत्र में नकली शराब बनाने की मिनी फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। यहां से पुलिस ने भारी मात्रा में बड़े-बड़े ब्रांड के नकली शराब से भरी बोतलें बरामद की हैं। साथ ही नकली शराब बनाने के तमाम सामानों की भी बरामदगी हुई है। जिन सामानों की बरामदगी हुई है उसमें झारखंड सरकार का शराब की बोतलों में लगने वाला स्टीकर भी शामिल है। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है और चारों से पूछताछ की जा रही है।

नकली शराब फैक्ट्री। ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर के एएसपी पारस राणा ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि चक्रधरपुर के म्युनिसिपलिटी हरिजन बस्ती क्षेत्र में एक मकान में नकली शराब बनाई जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने छापामारी टीम का गठन किया और रविवार सुबह संदिग्ध मकान में पुलिस ने छापामारी की। छापेमारी में पुलिस ने मकान के तीन कमरों से भारी मात्रा में नकली शराब से भरी बोतलें बरामद की। इसके अलावा पुलिस ने नकली शराब बनाने के लिए प्रयोग में लायी जा रही बोतलें, ढक्कन, पैकिंग का औजार, बड़े-बड़े ब्रांडेड शराब के रेपर, शराब की बोतलों में लगने वाला झारखंड सरकार का स्टीकर सहित अन्य सामग्री बरामद की है।

साकची बाजार की सड़कों को जाम व अतिक्रमण मुक्त रखने की जरूरत: भाजमो

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनतंत्र मोर्चा, जमशेदपुर महानगर के पदाधिकारियों ने रविवार को साकची बाजार का दौरा कर दुकानदारों से संवाद किया। भाजमो नेताओं ने दुकानदारों से बाजार में व्याप्त समस्याओं की जानकारी हासिल की। इस दौरान दुकानदारों ने बाजार में प्रवेश की सभी सड़कों में हो रहे जाम और अव्यवस्था की समस्या बताई। उन्होंने किसी आपातकालीन घटना के समय अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन वाहनों के बाजार के भीतर प्रवेश न हो पाने की

प्रबल संभावना पर चिंता जाहिर की और बाजार को बैरिकेडिंग से मुक्त रखने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से बाजार में कभी भी आगजनी अथवा कोई अप्रिय घटना के दौरान भगदड मच सकती है और बड़ा हादसा हो सकता है।

भाजमो नेताओं ने आश्वस्त किया कि जल्द ही जिला प्रशासन के समक्ष बाजार की वस्तुस्थिति को रखकर दुकानदारों की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। साकची बाजार प्रवेश के सभी मार्गों को जाम मुक्त रखने व बाजार प्रवेश को बैरिकेडिंग फ्री रखने के लिए भी प्रशासन से कहा जाएगा।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, आल मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष हरविंदर सिंह मंटू, भाजमो महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नु, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर राव, मंत्री विकास गुप्ता, प्रवक्ता व व्यवसायिक प्रतिनिधि आकाश शाह, त्रिलोचन सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

काव्य कलश में याद किए गए माखनलाल चतुर्वेदी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में सिंहभुम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन द्वारा मासिक काव्य कलश का आयोजन किया गया, जिसमें माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती भी मनाई गई। सबसे पहले अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर माता सरस्वती एवं माखनलाल चतुर्वेदी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। डॉ. वीणा पांडेय भारती ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि नीता सागर ने माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में काव्य कलश आरंभ हुआ, जिसमें अजय प्रजापति, कैलाश नाथ गाजीपुरी, सुरेश चंद्र झा, वीना कुमारी, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, राजेंद्र सिंह, रीना सिन्हा, शिवनंदन सिंह, सविता सिंह मीरा, आरती श्रीवास्तव, निवेदिता श्रीवास्तव, ममता कर्ण, नीलांबर चौधरी, वीणा पांडेय भारती, नीता सागर चौधरी, मंजू कुमारी,

दिव्येंदु त्रिपाठी, उमा पांडेय, चंदा कुमारी, उषा झा, रीना गुप्ता, पूनम महानंद, माधुरी मिश्रा, शकुंतला शर्मा, वसंत जमशेदपुरी आदि ने अपनी कविता सुनाई।

मानद महासचिव प्रसेनजित तिवारी ने माधुरी मिश्रा को श्री साहित्य कुंज, रांची द्वारा सम्मानित होने के उपलक्ष्य में शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष चंद्र मूनका ने की, जबकि स्वागत भाषण साहित्य समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रसेनजित तिवारी और संचालन अशोक पाठक स्नेही ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. यमुना तिवारी व्यथित ने किया।

उपायुक्त अनन्य मित्तल पहुंचे आशियाना गार्डेन लोगों से किया मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आग्रह

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल रविवार शाम को सोनारी स्थित आशियाना गार्डन पहुंचे, जहां उन्होंने कॉलोनीवासियों से बढ़-चढ़ कर मतदान करने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आग्रह किया।

आशियाना गार्डेन में उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उपविकास आयुक्त मनीष कुमार ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अपनाए गए विभिन्न तरीकों को पावरप्वाइंट से बताया। वहीं, उपायुक्त ने अपने संबोधन में मतदाता सूची का महत्व बताया और सभी से इस सूची में अपने नाम का सत्यापन करने और जरुरत पड़ने पर वोटर हेल्पलाइन 1950 की सहायता लेने का आग्रह किया। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों के सवालों का भी संतोषप्रद उतर दिया और सभी लोगों को आने वाले चुनाव में वोट देने की शपथ भी दिलाई। इसी क्रम में उपायुक्त और वहां के निवासियों ने मतदाता जागरूकता के संदेश को गुब्बारों के साथ बांधकर आसमान में उड़ाकर जागरूकता अभियान का आरंभ किया। इस अभियान में हजारों दीपक जलाकर भी मतदाता को जागरूक होने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त के साथ जिला परिवहन अधिकारी धनंजय कुमार, सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो, बाल विकास परियोजना अधिकारी दुर्गेश नंदिनी, बूथ लेवल आफिसर रीना यादव, आशियाना गार्डेन ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश सोंथालिया, संयुक्त सचिव सीए अशोक बिहानी, कोषाध्यक्ष सीए रमाकांत गुप्ता, सहायक सचिव अनिल गोगना और पियोना घोष के अलावा सोसाइटी के करीब 250 लोग उपस्थित थे।

राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें युवा : पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोलकात्ता के न्यू टाउन स्थित आचार्य महाप्रज्ञ महाश्रमण एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के सभागार में शुक्रवार को वनबंधु परिषद (एफटीएस) की युवा इकाई द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव अभिज्ञ की शुरूआत की गई। एफटीएस युवा जमशेदपुर की अध्यक्ष रश्मि गर्ग ने बताया कि प्रथम सत्र में जाने माने वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने अपने चिर परिचित अंदाज में भारत के इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई पहलुओं पर बात की एवं युवाओं से राष्ट्रनिर्माण में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने सभी से स्वहित से ऊपर उठकर देश हित में वोट डालने

की अपील की। तत्पश्चात प्रसिद्ध भजन 'राम आएंगे' की गायिका स्वाति मिश्रा ने अपने राम भजनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन में देश भर से लगभग 600 एफटीएस सदस्य शामिल हुए, जिनमें एफटीएस, जमशेदपुर के अध्यक्ष अधिवक्ता राजेश मित्तल, सचिव अभिषेक गर्ग, युवा एफटीएस के सचिव अधिवक्ता पीयूष चौधरी, महिला समिति से जयश्री गोयल, नीलम केडिया, शुभा कांवटिया, ममता बाकरेवाल आदि थे।

नौ को आयोजित होगा हिंदू नववर्ष समारोह

PHOTON NEWS ROURKELA : राष्ट्रीय नववर्ष आयोजन समिति द्वारा सेक्टर 2 में इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (9 अप्रैल) को दूसरी बार हिंदू नववर्ष मनाने जा रही है। इसे लेकर सेक्टर 2, एनएएसी मार्केट स्थित राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित प्रेस वार्ता में समिति के अध्यक्ष हरकृष्ण माझी, संपादक समाजपति राय एवं कोषाध्यक्ष हनुमान गोयल ने प्रमुख पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि समिति ने भारत वर्ष की महान परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए एक उस दिन सप्त महायज्ञ का आयोजन किया है।

यह नववर्ष वैज्ञानिक, सामाजिक, आध्यात्मिक एवं धार्मिक दृष्टि से पूर्ण एवं सिद्ध है। स्थानीय कीर्तन मंडली द्वारा नाम यज्ञ, सप्त महायज्ञ , गायत्री परिवार द्वारा घृत यज्ञ, भारतमाता के निकट दीप यज्ञ, सेवा भारती द्वारा सेवा यज्ञ, समिति द्वारा गीता यज्ञ, ज्ञान यज्ञ, अन्न यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। सेवा यज्ञ में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के साथ-साथ रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाएगा। गीता यज्ञ में शामिल होने वाले हिंदू परिवारों को 500 श्रीमद्भागवत गीता पुस्तकें वितरित की जाएंगी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि नववर्ष का यह कार्यक्रम उक्त मंदिर के पास सुबह 6:00 बजे शुरू होगा और दोपहर 12:30 बजे अन्न यज्ञ पर समाप्त होगा। संस्थान की ओर से बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गयी है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य लोगों के अलावा यश मिश्रा, सुब्रत बल, कल्याण कुमार स्वाई, बनबिहारी जेना, भागवत सतपथी, गिरिजा शंकर स्वाई, अमित चौधरी, स्मृति रंजन मिश्र, नितेश साहू, राहुल मिश्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और संचालन में सहयोग किया।

राउरकेला में सफाई बेहतर बनाने के लिए दी गई ट्रेनिंग

ROURKELA : राउरकेला शहर में स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए आरएमसी द्वारा लगाए गए स्वयंसेवकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। स्वयंसेवकों को शहर की स्वच्छता का अधिक ध्यान रखने, ठोस अपशिष्ट संग्रहण के पृथक्करण पर ध्यान देने और उपयोगकर्ता कर के समय पर भुगतान पर ध्यान देने की सलाह दी गई।

नहीं रहे उर्दू के अदीब-व-शायर राशिद अनवर राशिद, मुंबई में हुआ निधन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : उर्दू के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं शायर डॉ राशिद अनवर राशिद का देहांत हो गया। उन्होंने मुंबई के एक अस्पताल में इलाज के दौरान सुबह 8:00 बजे अंतिम सांस ली। राशिद अनवर राशिद उर्दू विभाग अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर थे। वे उर्दू के एक महान लेखक और शायर थे। उन्होंने अपनी आयु से बढ़कर उर्दू में लेख, काव्य रचनाएं तथा किताबें लिखीं। उनका ताल्लुक जमशेदपुर से बहुत गहरा था। डॉ राशिद हमारी साहित्यिक संस्था उर्दू भवन जमशेदपुर के मार्गदर्शक थे। उर्दू भवन के जनरल सेक्रेटरी गौहर अजीज ने बताया कि डॉ राशिद अनवर राशिद लंबे समय से बीमार थे और उनका इलाज मुंबई में चल रहा था। उनका शुमार उर्दू के बड़े अदीबों में किया जाता है। उनकी 25 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, कम से कम चार पत्रिकाओं का संपादन भी किया। इसके अलावा अनुवाद एवं शोध पत्रों के प्रकाशन असंख्य हैं।

करीम सिटी कॉलेज में बतौर शिक्षक दे चुके हैं सेवा

डॉ राशिद अनवर राशिद हमारे करीम सिटी कॉलेज के उर्दू विभाग में प्राध्यापक के रूप में मात्र एक साल रहे। इसके बाद वे यहां से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी चले गए लेकिन उन्होंने न जमशेदपुर को भुलाया और न करीम सिटी कॉलेज को। वे लंबे समय से बीमार थे और आज उनकी बीमारी जीत गई और साहित्य का एक सिपाही जीवन की जंग हार गया।

जानिए कॉलेज के शिक्षकों ने क्या कहा:

मोहब्बतों की कशिश और बढ़ती जाती है। सुबह-सुबह जब राशिद के इंतकाल की खबर मिली तो दिल टूट गया। वे मेरे लिए छोटे भाई जैसे थे। डॉ मोहम्मद जकरिया

राशिद अनवर राशिद का यूं दुनिया से चले जाना हम सभी उर्दू से प्यार करने वालों के लिए एक बड़ी त्रासदी है। यह न केवल उस विश्वविद्यालय और छात्रों का नुकसान है, जहां वे शिक्षक थे, बल्कि यह झारखंड और उर्दू साहित्य का भी नुकसान है। एक बेहद नाजुक एहसास के कवि, एक संवेदनशील स्वभाव के लेखक, एक शोधकर्ता और एक आलोचक हमारे बीच से चले गए।

डॉ एसएम यहिया इब्राहीम

डॉ राशिद अनवर राशिद उर्दू साहित्य में ऊंची उड़ान और गहरी सोच के प्रवर्तक थे। जितने कम समय में जितनी अधिक सेवा उन्होंने उर्दू साहित्य की की, यह उन्हीं का हिस्सा हो सकता है। उनका देहांत केवल उनके शरीर का देहांत है उनका नाम उर्दू साहित्य में हमेशा जिंदा रहेगा।

छत्तीसगढ़ी समाज की नवरात्रि ज्वारा पूजा आज से

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ी समाज द्वारा स्थापित शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि ज्वारा पूजा 9 अप्रैल से शुरू होगा। सोमवार को टुईलाडूंगरी, गड़हाबासा, बागुनहातु, सोनारी, बागबेड़ा, कपाली, उलीडीह, काशीडीह में बिरीह भिगोना के साथ पूजा का विधिवत आरंभ होगा

और 9 अप्रैल को एकम के दिन ज्योति कलश प्रज्वलित की जाएगी। शीतला माता मंदिर टुईलाडूंगरी के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में माता बमेलश्वरी की पूजा बड़े धूमधाम से नवरात्रि के अवसर पर की जाती है। टुईलाडूंगरी शीतला माता मंदिर में इस वर्ष 21अखंड ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे, जो 9 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रज्वलित रहेंगे। 17 को विधिवत शोभा यात्रा निकाल कर ज्वारा विसर्जित की जाएगी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ से जश गायन मंडली आ रही है। टुईलाडूंगरी मंदिर में 8 अप्रैल को बिरीह भिगोना संध्या 7 बजे और 9 अप्रैल को संध्या 5.30 बजे ज्योत प्रज्वलित की जाएगी।

कांग्रेस प्रत्याशी बीरेंद्र नाथ पटनायक ने की प्रेस कांफ्रेंस, कहा-

पांच गारंटियों से होगा सभी का विकास

PHOTON NEWS ROURKELA : ओडिशा विधानसभा के चुनाव के लिए राउरकेला से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में टिकट मिलने के बाद वीरेंद्र नाथ पटनायक ने रविवार को ब्राह्मणी क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं की मौजूदगी में कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र नाथ पटनायक ने पत्रकारों को कांग्रेस के गारंटी कार्ड और चुनाव में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। कांग्रेस गारंटी कार्ड में पांच-आयामी गारंटी है। पहली गृह ज्योति गारंटी के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट बिजली बिल माफ, दूसरे में युवा विकास गारंटी, रोजगार कानून के तहेत 5 लाख युवक और युवतियों को नियुक्त,3000 हजार रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने की बात है। तीसरा किसान मित्र गारंटी बोनस प्रति क्विंटल धान पर 3,000 रुपये , कृषि ऋण माफी और किसानों को

मीडिया को संबोधित करते वीरेंद्र नाथ पटनायक। ● फोटोन न्यूज

2,000 रुपये मासिक पेंशन की गारंटी शामिल है, चौथे में गृह लक्ष्मी गारंटी के तहेत बैंक द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों का ऋण माफ, महिलाओं को 2000 रुपये मासिक भत्ता, आदिवासी एवं दलित महिलाओं को 3000 रुपये मासिक भत्ता शामिल है। वहीं पांचवीं जनकल्याण गारंटी में 25 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से मुफ्त चिकित्सा योजना, वृद्धावस्था भत्ता, विधवा भत्ता, और विकलांगता भत्ता, 2000 रुपये प्रति माह, चिट फंड प्रभावित जमाकताओं को 6 महीने के भीतर ब्याज के साथ जमा राशि की वापसी, शिक्षा और रोजगार में पिछड़े वर्ग 20 प्रतिशत आरक्षण शामिल है। आदिवासियों और दलितों को उनकी जमीन और जंगल जमीन पर पूरा अधिकार, पेसा कानून को 100 दिनों के अंदर सख्ती से लागू किया जाएगा।

कांग्रेस प्रत्याशी बीरेंद्र नाथ पटनायक के साथ प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रबोध दास, अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष इजाज अख्तर, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मोतीलाल दीप, सूर्यकांत बारिक, सिलु बराल, गांधी दास, राउरकेला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रश्मिरंजन पाढ़ी, एमडी सादाब, निहाज अहमद , तरूण कुशल, बीजू पुरोहित, सरोज लेंका प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लौहनगरी के लगभग छह स्थानों से निकलेगी हिंदू नववर्ष शोभायात्रा, मानगो आएंगी पूजा गुलहानी

आज चहुंओर बजेगा श्रीराम नाम का डंका

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 2081 की पूर्व संध्या पर शहर में चहुंओर श्रीराम नाम का डंका बजेगा। इस वर्ष पहली बार छह स्थानों ने हिंदू नववर्ष शोभायात्रा निकलेगी, जिसकी भव्य तैयारी की गई है। ढोल-ताशा के साथ आकर्षक झांकी हर सनातन धर्मावलंबी में उत्साह का संचार करेगी। इस बार सोमवार को जिन स्थानों से हिंदू नववर्ष शोभायात्रा निकलेगी, उसमें कोल्हान के पूर्व आयुक्त विजय कुमार के नेतृत्व में श्रीराम सेना की ओर से टेल्को राम मंदिर से, भाजमो युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में हिंदू जनजागरण मंच की ओर से बमार्माइंस के डनलप मैदान से एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान तक, हिंदू उत्सव समिति की ओर से मानगो गांधी मैदान से साकची स्थित सुभाष (आमबगान) मैदान तक,

मानगो में जयघोष करते हिंदू उत्सव समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

भाजपा नेता रामबाबू तिवारी की अगुवाई में डिमना चौक से साकची के सुभाष (आमबगान) मैदान तक, कदमा में हिंदू एकता समिति की ओर से गणेश पूजा मैदान से आमबगान मैदान तक और केसरिया सेना की ओर से नया कोर्ट परिसर स्थित ह्यूमपाइप दुर्गापूजा मैदान से लगभग दोपहर 2 बजे के बाद शोभायात्रा निकलेगी। इस बार डिमना चौक से निकलने वाली शोभायात्रा में भारत का बच्चा-बच्चा जयश्रीराम बोलेगा... फेम गायिका पूजा गुलहानी शामिल रहेंगी।

बड़ा हनुमान मंदिर से आशीर्वाद लेकर मानगो चौक से निकलेगी भव्य हिंदू नववर्ष यात्रा

हिंदू उत्सव समिति द्वारा हिंदू नववर्ष यात्रा को लेकर रविवार को प्रेस वार्ता की गई, जिसमें समिति के संरक्षक उपेंद्र सिंह मस्तान, धर्मेंद्र सोनकर, अध्यक्ष रविप्रकाश सिंह, पप्पू सिंह, गौ रक्षा से अवतार सिंह परमार, हिंदू जनजागरण मंच से सुमित कुमार, अक्षय कोड़ा, गोल्डन पांडेय, केसरिया सेना के चंदन चतुवेर्दी, मृत्युंजय, धीरज सहित अन्य ने बताया कि 8 अप्रैल को हिंदू उत्सव समिति, हिंदू जनजागरण मंच ओर केसरिया सेना के संयुक्त तत्वाधान में मानगो बड़ा हनुमान मंदिर से वीर बजरंगबली का आशीर्वाद लेते हुए मानगो चौक से लाखो रामभक्तों के साथ भव्य यात्रा निकाली जाएगी, जो महाराणा प्रताप चौक और पुराना कोर्ट होते हुए साकची सुभाष मैदान (आमबगान) में पहुंचकर 21 पंडितों द्वारा भारत माता की भव्य आरती होगी, जिसके सहभागी लाखों रामभक्त बनेंगे।

मानगो चौक पर मुख्य आकर्षण का केंद्र श्रीराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा, रामगढ़ का डंका, श्रीराम परिवार की झांकी, शिव परिवार की झांकी, वानर सेना आधुनिक भव्य डीजे आदि रहेंगे।

हजारों महिलाएं पारंपरिक परिधान में करेंगी यात्रा की अगुवाई

इस वर्ष नववर्ष यात्रा में हजारों महिलाएं पारंपरिक परिधान के साथ महारानी लक्ष्मी बाई,व दुगार्वाती के समान अपने धर्म की रक्षा करने का संदेश देंगी। सभी महिलाओं की अगुवाई सुनीता शर्मा करेंगी, जो हिंदू उत्सव समिति की महिला प्रमुख भी हैं। यात्रा को सफल बनाने व प्रसासन के सहयोग में समिति के लगभग 200 प्रमुख कार्यकर्ता रहेंगे। इस अवसर पर अभिमन्यु प्रताप सिंह, पीयूष परासर, नीलेश पांडेय, अश्विनी सिंह, संजीत शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

विकास से कोसों दूर दरभंगा का भरडीहा गांव

दरभंगा। दरभंगा जिला के समस्तीपुर लोकसभा के कुशेश्वर स्थान विधानसभा में एक गांव ऐसा भी जहां आजादी के बाद से अब तक एक विद्यालय भवन नहीं बन सका हैं। इस कारण तपती धूप और बारिश मे खुले आसमान के नीचे बच्चे पढ़ने के लिये विवश हैं। चुनाव के दौरान कई जनप्रतिनिधि आए ,आश्वासन दिये लेकिन यह सपना ही रह गया।हम बात कर रहैं हैं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड मुख्यालय से सटे केवटगामा पंचायत के भरडीहा गांव का। इस गांव की आबादी करीब लगभग पांच हजार हैं लेकिन यहां के लोग आजादी के बाद से अब तक सिर्फ समस्याओं को ही झेल रहें हैं। इसमें एक बड़ी समस्या गांव में विद्यालय भवन का होना नहीं है। खुले आसमान के नीचे इस चिलचिलाती धूप में बच्चे पढ़ने जाते है। ग्रामीण एवं शिक्षक के सहयोग से एक झोपड़ी का विद्यालय बनाया गया। विद्यालय भवन के निर्माण को लेकर कई बार प्रधानाध्यापक द्वारा विभाग को पत्र लिखा गया। साथ ही ग्रामीणों ने भी सामूहिक आवेदन दिया, पर विभाग इस तरह सोया हुआ है। ग्रामीणों का कहना हैं कि ऐसे में सरकार के द्वारा विकास की बात करना पूरी तरह से बेईमानी हैं। चार शिक्षकों के माथे पर 203 छात्र प्राथमिक विद्यालय भरडीहा में कुल 203 छात्र नामांकित है और चार शिक्षक इस विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के लिए कार्यरत है। लेकिन विद्यालय का अपना कोई भवन ही नहीं है। जानकर बताते है कि दर्जनों बार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से लेकर जिला मुख्यालय तक पत्र लिखा गया। इसके बावजूद आज तक भवन नहीं बन पाया है। स्थानीय ग्रामीण के अनुसार जब तक मौसम ठंडा रहता है तब तक बच्चे विद्यालय में रहते है जैसे ही धूप बढ़ती है बच्चे विद्यालय छोड़कर चले जाते है। क्योंकि जो झोपड़ी बनी है उसमें मिड डे मील बनता है तो छात्र कहां बैठकर पढ़गे।ग्रामीण बताते है कि तत्कालीन सांसद प्रिंस राज से लेकर शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों को पत्र के माध्यम से विद्यालय भवन को लेकर अवगत कराया गया। कोई भी यहां की समस्याओं को समझने के लिए तैयार नहीं है। आज भी हमारे गांव के बच्चे धूप में बैठकर पढ़ते है। जिस सुशासन के राज में विद्यालय का भवन ही ना हो और छात्र बोरा बिछाकर धूप में बैठकर पढ़ रहा हो उस राज्य में विकास का दावा करने वाली सरकार की मंशा को समझा जा सकता है। वोट का करेंगे बहिष्कार बता दें कि यहां सिर्फ विद्यालय का भवन नही होना ही समस्या नही है। इस गांव की पांच हजार आबादी कई समस्याओं को झेल रही है। अब इस गांव के लोग वोट बहिष्कार करने की बात कर रहे है। आजादी के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड का भरडीहा गांव आज भी विकास से कोसों दूर हैं। यह इस गांव कि विडंबना हैं कि चुनाव के दौरान वोट मांगने आयें नेताजी तरह तरह के शब्जबाग दिखाकर वोट लेते रहें लेकिन इस गांव को फिर कभी मुड़कर नहीं देख पाये। गांव के नदी में बने बांस के चचरी पुल पर पैदल पार कर वोट देने जाते है यहां के लोग, पर इस बार भरडीहा की पांच हजार आबादी के लोंगों ने एक स्वर में कहा कि पुल नहीं तो वोट नहीं। आजादी के बाद इस गांव मे एक विद्यालय भवन नहीं बन पाया ठीक उसी तरह आजादी के बाद से आज तक गांव से सटे नदी में पुल नहीं बन पाया। जिससे यहां के ग्रामीणों में सरकार एवं सरकार के अधिकारियों के प्रति नाराजगी तो हैं ही आक्रोश भी उतना ही । गांव को लगा हैं राजनीति श्राप स्थानीय जानकर बताते है कि इस गांव को मानो राजनीति श्राप लगा हुआ है। यहां जितने भी सरकार के प्रतिनिधि बने है सब के सब स्थानीय रहे है। इसके बावजूद इस गांव में एक पुल का भी निर्माण नहीं हो सका। इस गांव के लोग एक पुल के लिए आला अधिकारी और जनप्रतिनिधियों का चक्कर लगा लगा कर थक चुके है, पर इस गांव की समस्या को निपटाने के लिए किसी ने भी पहल नहीं की है। नदी पार कर लोग करने जाते हैं वोट बता दें कि विगत पांच वर्ष पूर्व इस गांव के लोग नाव से नदी पार कर प्राथमिक विद्यालय फकदौलिया में वोट करने जाते थे।

ज्योतिष से भूकंप का भी पूवार्नुमान 100% हो सकता है

पटना । ज्योतिष विद्या में बहुत ताकत होती है और इसके पूवार्नुमान से बहुत सारे अनहोनियों से बचा जा सकता है। ऐसा कहना है ज्योतिर्वेद विज्ञान संस्थान के निदेशक और ज्योतिष डॉ. राजनाथ झा का। उन्होंने कहा कि यदि प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित तिथि और समय सहित पूवार्नुमान व्यक्त किया जाए तो समय सीमा के अंदर बचाव के उपाय संभव हो सकता है। जिससे कम से कम जान माल की क्षति होगी। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन के अनुसार भारतीय संस्कृत वांग्मय का 65 से 70 प्रतिशत योगदान देने वाले मनीषियों का स्थान बिहार रहा है। 2015 में प्राकृतिक आपदाओं में भूकंप का पूवार्नुमान उनके द्वारा किया गया था, जो अनुमानित अवधि के बीच घटित हुई थी। वर्तमान में भूकंप को लेकर भी उन्होंने पूवार्नुमान किया था। जिसमें 18 मार्च 2024 से लेकर 26 अप्रैल 2024 तक भूकंप आने की संभावना थी। इसका केंद्र उन्होंने पूर्वोत्तर बताया था। दो दिन पहले ही यह देखने को मिला कि हिमाचल के साथ-साथ अफगानिस्तान भी डोला है जो कि पूर्वोत्तर में ही पड़ता है।डॉ. राजनाथ झा 2015 से शोध करते हुए आ रहे हैं। भूकंप के पूवार्नुमान के लिए शोध केंद्र की स्थापना को लेकर बिहार सरकार को एक पत्र लिखा है। साथ ही भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भी इस सिलसिले में पत्र दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार अगर समुचित शोध केंद्र की व्यवस्था करती है तो मौसम, ग्रहण और अन्य चीजों की तरह ज्योतिष गणना के अनुसार भूकंप का भी पूवार्नुमान भी शत प्रतिशत पहले लगाया जा सकता है।

इससे जान माल के नुकसान से बचा जा सकता है। भारतीय आचार्य की ज्ञान परंपरा से हम राज्य, राष्ट्र के साथ-साथ विश्व की भी रक्षा कर सकते हैं। डॉ. राजनाथ झा ने बिहार सरकार से निवेदन किया है कि राज्य में कहीं भी वेधशाला का निर्माण हो, जिससे प्राकृतिक आपदाओं की गणना के लिए समुचित व्यवस्था हो सके।

पीएम के बिहार दौरे पर सियासत तेज राजद ने कहा-तेजस्वी से घबरा गए हैं मोदी

पटना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को जमुई से चुनावी जनसभा का शंखनाद किया था। अब तीन दिन के अंदर वह दूसरी बार बिहार आ रहे हैं। आज वह बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के समर्थन में रैली करेंगे। उनके साथ सीएम नीतीश कुमार, एलजेपी (रा) सुप्रीमो चिराग पासवान, हम नेता और बिहार सरकार के मंत्री संतोष मांझी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा भी मौजूद रहेंगे। उनके आने से पहले ही महासंग्राम छिड़ गया है। राजद ने हमला बोलते हुआ कहा कि तेजस्वी यादव के 17 महीने के काम से प्रधानमंत्री घबराहट में है। वहीं, बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि इस बार पूरा का पूरा महागठबंधन शून्य पर आउट होगा।बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा कि प्रधानमंत्री का बिहार के प्रति प्रेम और गंभीरता ही है कि वह तीन दिनों के अंदर दूसरी बार बिहार आ रहे हैं। अभी प्रधानमंत्री का बिहार में और आगमन होगा। बिहार की 15 करोड़ जनता मोदी का परिवार है। पीएम अपने परिवार से अपनी बात कहने आते हैं। अबकी बार 400 के पार और 400 में 40 की 40 सीटें बिहार देगा। तेजस्वी यादव और राजद जैसे पिछली बार शून्य पर आउट हुई थी। इस बार पूरा का पूरा महागठबंधन शून्य पर आउट होगा। पिछली बार गलती से एक सीट मिल गई थी। पर अब बिहार ने यह संकल्प ले लिया है कि इस राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में मोदी का हाथ मजबूत करना और 40 सीटें एनडीएजेडीयू एमएलसी खालिद अनवर ने कहा कि बिहार की 40 सीट हम जीतने जा रहे हैं, इसमें कोइ शक नहीं है।

बिहार को अबतक विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं मिला

पटना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नवादा में जनसभा करेंगे। चार दिन में पीएम मोदी का ये दूसरा बिहार दौरा है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने पीएम पर सीधा निशाना साधा है। साथ ही रैली को लेकर दस सवाल भी किए हैं। उन्होंने परिवारवाद, युवाओं को नौकरी और ED-CBI, इलेक्टोरल बॉन्ड पर पीएम मोदी को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने सवाल किया कि देश में सबसे ज्यादा परिवारवादी नेताओं को बीजेपी ने टिकट क्यों दिए। उन्होंने पूछा कि बिहार को अब तक विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं मिला। साथ ही ये पूछा कि हल साल 2 करोड़ नौकरी देने के वादों का क्या हुआ। वहीं, तेजस्वी के सवाल पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने निशाना साधा है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर पीएम से ये सवाल किए हैं को छुपाने के लिए हमेशा विपक्ष और विपक्षी नेताओं को ही भ्रष्टाचारी तथा घोटालेबाज क्यों बताते रहते है? कैसे विपक्ष के सभी कथित भ्रष्टाचारी नेताओं ने CBI/ED/IT की मदद से BJP जॉइन की? PM बताएंगे कि कैसे और क्यों कथित विपक्षी भ्रष्टाचारी कमल छाप साबुन से नहाने एवं नारंगी वाशिंग मशीन में धुलने के बाद बेईमान,भ्रष्ट और नकारे से ईमानदार, कर्मठ व सुयोग्य बन सभी केसों से बरी हो जाते हैं? बताएंगे कि जांच एजेंसियों की मदद एवं छापे के जरिए कैसे और क्यों बड़ी कम्पनियां हजारों करोड़ BJP के खाते में डालती है? PM बताएंगे कि कोई भी विपक्षी नेता कितना भी ईमानदार, नौकरीदाता, समतावादी, लोकतांत्रिक, लोकप्रिय, सच्चा, अच्छा और परिणाम उन्मुखी हो, लेकिन प्रधानमंत्री जी उसे बेईमान, भ्रष्ट, निकम्मा और बुरा क्यों बताते रहते हैं? PM बताएंगे की क्यों BJP ने देश में सबसे अधिक परिवारवादी नेताओं को टिकटें दी हैं PM बताएंगे कि क्यों जांच एजेंसियां BJP नेताओं के घर छापा नहीं मारती? BJP ेताओं की

गोदाम दवा का प्रतिबंधित ड्रग्स के साथ बेचते थे शराब

पटना । राज्य औषधि विभाग की टीम ने गोविंद मित्रा रोड स्थित केके मेडिको के गैरलाइसेंसी दवा गोदाम में छापा मारा। वहां से करीब 25 लाख की प्रतिबंधित दवाएं (नारकोटिक ड्रग्स), आठ कार्टन शराब और 10-15 लाख रुपए का फिजिशियन सैंपल जब्त किया। दो लोगों बाढ़ के अजीत कुमार और गणेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। दोनों नशीली दवा और शराब बेचने में संलिप्त थे। इसके अलावा तीन नामजद के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट-1985 के तहत पीरबहोर थाने में केस दर्ज किया गया है।

गोदाम का लाइसेंस नहीं, 10 लाख का फिजिशियन सैंपल भी बरामद इस गोरखधंधे की सूचना मिलने के बाद सहायक औषधि नियंत्रक (एडीसी) के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई थी। टीम ने शनिवार की शाम बेनी माधोलेन स्थित रवींद्र कुमार के मकान में गोदाम में छापा मारा तो नशीली दवाओं का जखीरा पकड़ा गया। वहीं, पास के कमरे में 8 कार्टन में 192 बोतल शराब थी, जिसकी कीमत करीब 2.5 लाख रुपए आंकी गई है। टीम ने गोदाम को सील करके दवाओं को जब्त कर लिया गया है। दवाओं का सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि पता चले कि ये असली हैं या नकली। गोदाम मालिक पर भी दर्ज होगा केस दवाओं की गिनती का काम अभी जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक गैरलाइसेंसी गोदाम बनाने पर दुकानदार के खिलाफ ड्रग एंड कास्मेटिक और नारकोटिक्स एक्ट के तहत केस दर्ज कराया जाएगा। गोदाम मालिक पर भी केस दर्ज होगा। दवा की सप्लाई शहर के अलावा किन जिलों में की जा रही है, इसकी जांच होगी। साथ ही गोदाम में शराब कैसे पहुंची और इसकी सप्लाई कहां-कहां होती है, इस बारे में आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

आग लगने से चार घर जलकर राख

बेगूसराय। बेगूसराय में बीते रात भी वीरपुर थाना क्षेत्र के सहुरी में आग लगने से चार घर जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने काफी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि देर रात करीब 11:30 बजे सहुरी निवासी गुड्डू साह के घर में खाना बन रहा था। खाना बनाने के दौरान ही अचानक आग लग गई। इसके बाद घर में रखा खाना बनाने वाला गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। जिससे आग ने विकराल रूप धर लिया।घटना की सूचना तुरंत वीरपुर थाना एवं फायर ब्रिगेड की टीम को दिया गया। उसके बाद फायर ब्रिगेड की एक छोटी एवं एक बड़ी गाड़ी पहुंची और स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक गुड्डू साह, राज किशोर साह, रूपेश साह एवं मंटू साह का घर जलकर पूरी तरह से राख हो गया। घटना में लाखों की क्षति हुई है, लेकिन फायर ब्रिगेड एवं स्थानीय लोगों के प्रयास से बड़ी घटना टल गई। घटना के बाद चारों परिवार में कोहराम मचा हुआ है, इन लोगों के रहने-खाने की कोई व्यवस्था नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

ग्लानि में महिला ने आत्महत्या की

बछवाड़ा। गोविंदपुर-3 पंचायत की सूरो ओझा टोला निवासी कंचन देवी (30) को 5 अप्रैल को लोन की तीसरी किस्त चुकानी थी। कंचन किस्त की राशि 3650 रुपए चुकाने में असमर्थ थी। घर आए एलएनटी फाइनेंस कंपनी के कर्मी से उसने एक दिन की मोहलत मांगी। कहा कि आप कल आइए, रुपए दे दूंगी। बावजूद फाइनेंस कर्मी घर के बाहर बैठा रहा। वह उसे जलील करता रहा। महिला की लाचारी देख स्थानीय लोगों ने आपसी सहयोग से 3000 नकद और 650 रुपए यूपीआई से फाइनेंस कर्मी को दिया। कर्मी ने जाते समय कंचन पर दबाव बनाते हुए कहा कि अगर किस्त का पैसा तुमने समय पर नहीं दिया तो जेल भिजवा देंगे। कंचन को ग्लानि महसूस हो रही थी। कर्मी के जाने के बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कंचन का पति दिलीप महतो अक्टूबर में बीमार पड़ा था। इलाज के लिए पैसे की जरूरत पड़ी तो कंचन ने एलएनटी फाइनेंस कंपनी से 14 दिसम्बर, 2023 को 67,738 रुपया ऋण दो साल के लिए लिया। इसके एवज में उसे हर माह 3650 का किस्त देनी थी। पति शाम को लौटा तो सन्न रह गया मजदूरी कर दिलीप महतो जब देर शाम घर लौटा तो पत्नी को ढूंढा। आवाज नहीं आने पर झोपड़ी के अंदर गया तो पत्नी फंदे से लटकी थी। महिला की मौत के बाद पति और बच्चों के रोने की आवाज सुन ग्रामीण जुटे। पति-पत्नी मजदूरी कर परिवार चलाते थे। तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं।

सड़क हादसे में इंटर के छात्र की मौत

भोजपुर। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के मझौली ब्रह्म स्थान के नजदीक रविवार की सुबह तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार इंटर के छात्र को रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृत छात्र के परिजनों में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। मृत छात्र बिहिया थाना क्षेत्र के चकवथ गांव निवासी टुनटुन साव के बेटा विनीत कुमार (17) है। वह इंटर का छात्र था। इधर, मृत छात्र के पिता टुनटुन साव ने बताया कि वह गांव में ही किराना का दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की सुबह दुकान का समान लेने के लिए अपने बाइक से बिहिया बाजार जा रहा था, तभी मझौली गांव के ब्रह्म स्थान के समीप किसी तेज रफ्तार वाहन ने रौंद दिया। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन आननझफानन में मौके पर पहुंचे, जहां विनीत मृत पड़ा था। वहीं घटना के बाद परिजनों ने इसकी सूचना बिहिया थाना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। मृत छात्र घर का इकलौता बेटा था। उसकी एक छोटी बहन सलोनी है। पिता किराना दुकान चलाने के साथ साथ परिवार के पालन पोषण के लिए हलवाई का काम करते हैं। घर में मां रिंकु देवी का रोझरोकर बुरा हाल है।

जमीनी विवाद में मारपीट, 6 घायल

पूर्णिया। में जमीनी विवाद में जमकर मारपीट हुई है। पड़ोसी से हुई मारपीट में एक ही परिवार के 6 लोग घायल हो गए। सभी को स्थानीयों की मदद से GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया है। विवाद 9 कट्ठा जमीन से जुड़ा है। घटना सदर थाना क्षेत्र के अंसारी टोला दमका से जुड़ी है। घायलों में सदर थाना क्षेत्र के अंसारी टोला दमका निवासी परवेज अंसारी 36, तमरेज अंसारी 38, शायका परवीन 17, अस्मत अंसारी 55, अलीमा अंसारी 50, अंसर अंसारी 26 शामिल हैं।जानकारी देते हुए घायल मो. तबरेज ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के अंसारी टोला दमका गांव में ही 9 कट्ठा जमीन है। आज पड़ोसी जबरन जमीन घेरकर घर खड़ा करने लगे। इसका विरोध करने पर पड़ोसियों से कहासुनी शुरू हुई। कुछ ही देर बाद दोनों पक्षों में विवाद हुआ और हाथापाई शुरू हो गई। इसी मारपीट में पड़ोसी सिकंदर अंसारी ने 10 से 12 लोगों के संग उनके ऊपर हरबे हथियार और लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस मारपीट और हमले में उनके परिवार के 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए पूर्णिया GMCH में एडमिट कराया गया है। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं, इस मारपीट की घटना को लेकर सदर थाना की पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी गई। इलाज के बाद स्थानीय सदर थाना में पड़ोसियों के खिलाफ लिखित शिकायत देने को कहा गया है।

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने एक बार फिर अपराध की योजना बना रहे शातिर अपराधी के मंसूबे पर पानी फेर दिया है। पूरा मामला वह बोंचहा थाना से जुड़ा हुआ है। जहां देर शाम बोंचहां के खौर चौक पर कुछ अपराधियों के एकत्र होने की जानकारी पुलिस को मिली। जिसके बाद एडिशनल एसपी पूर्वी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिसके द्वारा मौके पर छापेमारी करते हुए एक शातिर अपराधी को हथियार के साथ मौके से गिरफ्तार किया है।इस मामले में एडिशनल SP पूर्वी शहरियार अख्तर ने बताया कि पुलिस को देर शाम सूचना मिली कि कुछ शातिर अपराधी अपराध की योजना बनाने के लिए खोर चौक पर एकत्र हुए है। इसकी जानकारी पर मौके पर एक थानेदार के नेतृत्व में छापेमारी की गई, जहां पुलिस को देखते हुए तीन युवक मौके से भागने लगे। इस दौरान एक अपराधी को पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया है, जिसके तलाशी के दौरान एक लोडेड कट्टा और दो जिंदा कारतूस मिला है।

बिजली के झटके से पोल से गिरा कर्मी, मौत

सासाराम। रोहतास के तिलौथू थाना क्षेत्र के चंदनपुरा में बिजली तार की चपेट में आने से बिजलीकर्मी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने शव सौंपने से इंकार कर दिया। समझाने पर 14 घंटे बाद रविवार को पुलिस को सौंपा गया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। बजाज कंपनी के ठेके पर चल रहे बिजली कार्य में बहेरा ग्राम निवासी कृष्ण यादव (28) काम कर रहे थे। शनिवार को 11,000 बिजली ब्रेक कर 440 में काम चल रहा था। इस क्रम में शनिवार देर शाम शॉर्ट-सर्किट से युवक को जोरदार झटका लगा और पोल से गिरकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना कल देर शाम की बताई जाती है। मृतक के घर के सामने ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई, लोग मुआवजे की मांग कर रहे थे। रविवार को थानाध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों के समझाने पर परिजनों ने शव को पुलिस को सौंपा। पुलिस ने 14 घंटे बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि बिजली कंपनी के कर्मी की मौत दुर्घटना में हुई है, आज शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

पूर्णिया में 70 महिलाओं से 30 लाख की ठगी

पूर्णिया। में 70 महिलाओं से करीब 30 लाख की ठगी की गई है। ग्रुप लोन दिलाने के नाम पर शातिर दंपती ने सारे दस्तावेज अपने पास रख लिए। उनके नाम पर लाखों रुपए उठाकर शातिर पति-पत्नी रातों-रात गांव से भाग निकले। स्वंय सहायता समूह का सेंटर लीडर बनकर इसे अंजाम दिया है। किसी के खाते से 80 हजार तो किसी से 1 लाख तक के लोन लिए गए, लेकिन महिलाओं को इसकी भनक तक नहीं थी। अब बैंक महिलाओं पर किस्त भरने का दबाव बना रही है। जिससे परेशान महिलाओं ने ठग दंपती के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामला के.नगर थाना के अमरपुर बलुआ का है। बेटी की शादी के नाम पर लिए लोन, किस्त चुकाने का वादा किया था ठग ने स्वंय सहायता समूह का सेंटर लीडर बनकर ठगी की। शातिर ठग की पहचान आकांक्षा प्रिया और अरुण मेहता के रूप में हुई है। महिलाओं ने कहना है कि उन्होंने बेटी की शादी और दुकान चलाकर लोन की किस्त भरने के नाम पर पैसे लिए थे। अब लोन के किस्त की राशि जमा करने के लिए उन्हें गाय और बकरी तक बेचनी पड़ रही है। कई घरों में चूल्हा तक नहीं जल रहा। महिलाओं का कहना है कि बैंक वाले उन्हें सुसाइड कर लेने की धमकी दे रहे हैं। धोखे से अंगूठे के निशान लिए, फिर लोन उठा लिया पीड़ित महिलाओं ने बताया कि ठग दंपती ने बेटी की शादी, व्यवसाय और घर बनवाने के नाम पर अपने बहकावे में लिया। इसके बाद भरोसा जीतकर दस्तावेज सुरक्षित रखने का हवाला देकर बैंक पासबुक, आधार कार्ड समेत जरूरी दस्तावेज अपने पास रख लिए थे। फिर मशीन पर अंगूठे का निशान लगवाया था। इसी के बाद सेंटर लीडर आकांक्षा प्रिया और अरुण मेहता ने किसी के खाते पर 80 हजार, किसी पर 1 लाख तो किसी पर 2 लाख का लोन उठा लिया है। जब कर्ज वसूलने कंपनी के लोग पहुंचे, तब खुला राज महिलाओं को लोन के पैसे तो नहीं मिले, लेकिन जब फाइनेंस कंपनी के लोग लोन की किस्त वसूली के लिए उनके घर पहुंचे तो महिलाओं के होश उड़ गए। अगली सुबह जैसे ही वे सेंटर लीडर के घर पहुंचे। दरवाजे पर ताला लटका था। पूछने पर मालूम हुआ शातिर पति -पत्नी रातों रात निकले गए। शातिर पति - पत्नी पिछले एक महीने से ही फरार हैं। पीड़ित महिलाओं का कहना है कि अब फाइनेंस कंपनी के लोग घर आकर धमकाने लगे हैं। ग्रुप लोन न देने पर गाली-गलौज कर रहे हैं। एजेंट की ओर से उन्हें सुसाइड करने तक की बात कही जा रही है। अब लोन के किस्त की राशि जमा करने के लिए उन्हें गाय और बकरी तक बेचनी पड़ रही है। कई घरों में चूल्हा तक नहीं जल रहा। हिलाओं का कहना है कि बैंक वाले उन्हें फांसी लगाकर मर जाने की बात कहते हैं। ग्रामीणों ने अपने साथ हुए फ्रॉड को लेकर एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा और साइबर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

परिवारवाद की जकड़न में फसता लोकतंत्र

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है।

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोवेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गयी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी,

लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गयी इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्य प्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आप पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैरङ्ग यहां परिवारवाद की बात हो रही है। आप नेता संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं।

यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि इन दलों को वास्तविक लोकतंत्र से कोई मतलब नहीं है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने तो परिवारवाद की सीमाएं लांघ दी। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक योग्यता के एक अनपढ़ पत्नी को राज्य की कमान सौंप दी। अब अपने पुत्रों को गद्दी सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसी प्रकार दो बार लोकसभा के चुनावों में पराजय की स्थिति में पहुंचाने वाले विरासती पृष्ठभूमि के नेता राहुल गांधी भी परिवारवाद के ही परिचायक हैं। आज भले ही कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बदल दिया हो, लेकिन वे भी राहुल गांधी को किनारे करने का साहस नहीं दिखा सकते। कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि वह आज भी परिवारवाद के चंगुल से बाहर नहीं निकल सकी है। कुछ ऐसा ही नहीं, बल्कि इससे ज्यादा परिवारवाद समाजवादी पार्टी में दीखता है। मुलायम सिंह के परिवार के लगभग सभी सदस्य या तो विधायक और सांसद हैं या रह चुके हैं। बसपा नेता मायावती ने भी अपनी विरासत अपने परिवार को ही सौंपी है। ऐसे उदाहरण से क्षेत्रीय दल भी अछूते नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट पर परिवार कायम है तो नेशनल कान्फ्रेंस पर शेख अब्दुल्लाह का परिवार ही कमान संभाल रहा है। खास बात यह है कि यह सभी परिवार पार्टी के मुखिया ने ही स्थापित किए हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति नहीं होना चाहिए।

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा।

संपादकीय

वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल पर्चियों की पूरी गिनती की मांग

यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए। लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है। तभी जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन दिया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज होने वाले वोट और उससे संबंधित वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की अर्जियों पर वह समय रहते अपना निर्णय देगा। लेकिन फिलहाल संकेत यह मिला है कि अदालत ने इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी है। वरना, सुनवाई दो हफ्तों के लिए नहीं टाली जाती। समस्या यह है कि 19 अप्रैल से मतदान शुरू हो जाएगा। यह तारीख जितनी करीब आएगी, निर्वाचन आयोग की यह दलील उतनी ठोस होती जाएगी कि इस मामले में सिस्टम बदलने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा है। इस मामले में निर्वाचन आयोग के रुख पर पहले से कई सवाल रहे हैं। जबकि ना सिर्फ विपक्ष, बल्कि सिविल सोसायटी के भी बहुत बड़े दायरे में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गहराते शक के साथ वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की मांग जोर पकड़ती गई है। मुमकिन है कि इन संदेहों में कोई दम ना हो। इसके बावजूद यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए। लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है। तभी मिला जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है। अगर इसके विपरीत धारणाएं बनीं, तो फिर पराजित पक्ष अपनी हार को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जिससे पूरे राजसत्ता की वैधता को चुनौती मिलने की दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए इसे आवश्यक माना जाता है कि मतदाता सूची तैयार करने से लेकर चुनाव परिणाम की घोषणा तक का हर कदम विश्वसनीय ढंग से उठाया जाए। दुर्भाग्य से इनमें से कुछ प्रक्रियाओं पर आज संदेह पैदा हो गया है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने जब वीवीपैट संबंधी अर्जियों पर फिर से सुनवाई का फैसला किया, तो उससे समाज के एक बड़े हिस्से में उम्मीद पैदा हुई। वीवीपैट पर्चियों की गिनती के खिलाफ व्यावहारिक दिक्कत संबंधी कई दलीलें दी जाती हैं। लेकिन चुनाव प्रक्रिया को संदेहों से परे बनाए रखने के लिए तमाम दिक्कतों को बेहिचक स्वीकार की जानी चाहिए। आशा है, अपना निर्णय देते वक्त सुप्रीम कोर्ट इस आकांक्षा को ध्यान में रखेगा।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था लम्बी छलांग लगाने को तैयार

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसम्बर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में ह्रस्वह्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है।

उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मंदी देखी जा रही है। इस प्रकार विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत में अमृत काल तो अभी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अर्थात वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा। कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ते रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि भारत में वर्ष 1991-92 में प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अतः स्थिर हो चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाने का समय अब आ गया है।

भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 77 वर्षों के दौरान भारत में लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है एवं आज पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकतंत्र के लगातार मजबूत होते जाने से विदेशी निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूंजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूंजी की उपलब्धता के चलते भारत में आर्थिक विकास को गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर के कारण भारत में बिलिनियर (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या में सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत में 94 नए बिलिनियर बने हैं। जबकि चीन में 115 बिलिनियर कम हुए हैं। विश्व में बिलिनियर की संख्या के मामले में भारत चीन एवं अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत में आज 271 बिलिनियर हैं जबकि चीन में 814 एवं अमेरिका में 800 बिलिनियर हैं। मुंबई महानगर में तो अब 92 बिलिनियर निवास कर रहे हैं, जो चीन के बीजिंग महानगर के 91 बिलिनियर से अधिक है। इस प्रकार अब एशिया के किसी भी महानगर में सबसे अधिक बिलिनियर भारत के मुंबई महानगर में निवास कर रहे हैं। पूरे विश्व भारत के मुंबई महानगर से आगे अब केवल अमेरिका का न्यूयॉर्क महानगर (119 बिलिनियर) एवं ब्रिटेन का लंदन महानगर (97 बिलिनियर) ही है। वर्ष 2022-23 में चीन में बिलिनियर की संख्या घटी है। चीन में बिलिनियर की सम्पत्ति 15 प्रतिशत से कम हुई है। जबकि भारत में बिलिनियर की सम्पत्ति में वृद्धि दर्ज हुई है। यह भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास दर के चलते सम्भव हो सका है।

एक और कारक जो आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने में सहायक हो सकता है वह है भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय का लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर का होना है जो चीन में 13,000 से 14,000 अमेरिकी डॉलर के एवं दक्षिणी कोरीया में 32,000 से 33,000 अमेरिकी डॉलर के बीच की तुलना में बहुत कम है। इस दृष्टि से भारत को अभी बहुत आगे तक जाना है और यह केवल आर्थिक विकास की औसत दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के आसपास बनाए रखने से ही सम्भव होगा। इस प्रकार भारतीय नागरिकों में अपनी औसत आय को विकसित देशों की तुलना में बेहतर करने की अभी बहुत गुंजाईश है और यह भावना भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाए रखने में सहायक होगी। दूसरे, भारत में तकनीकी क्षेत्र विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की दर बहुत प्रभावकारी है, डिजिटल क्षेत्र में तो भारत आज पूरे विश्व को ही राह दिखाता नजर आ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास के चलते भारत में विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों, व्यवसाईयों, प्रबंधकों, कृषकों आदि की उत्पादकता में भी सुधार दृष्टिगोचर है जो निश्चित ही भारत में आर्थिक विकास की गति को तेज करने में सहायक होगा।

वैश्विकी : अमेरिका के बदलते तेवर

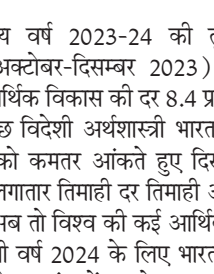

डॉ. दिलीप चौबे

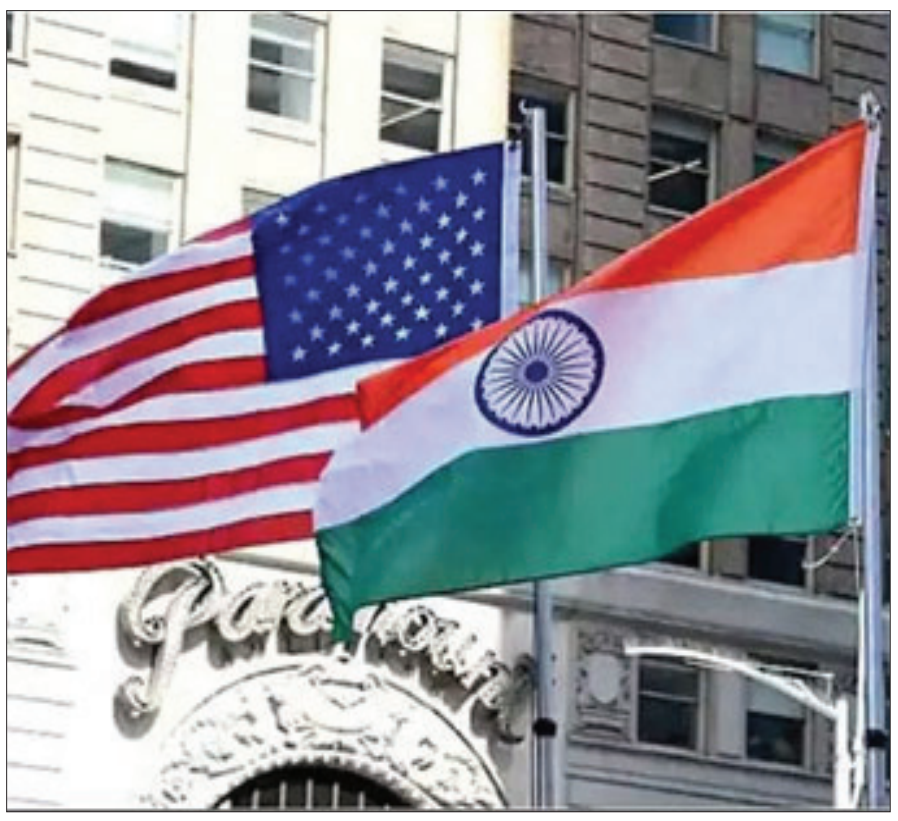

भारत और अमेरिका के संबंध क्या पटरी से उतर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय हलकों में आजकल यह चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों देशों के बीच संबंध इतने व्यापक हैं कि इस तरह की आशंका अतिरंजित लगती है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या तथा वहां के जन-जीवन में इस समुदाय के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि संबंधों में खास गिरावट आएगी। लेकिन इतना जरूर है कि अमेरिका के तेवर बदल रहे हैं। पश्चिमी देशों की मीडिया और वहां के थिंक टैंक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रखर नीतियों को लेकर शुरू से ही आलोचना करते रहे हैं। उनकी ओर से बाइडन प्रशासन को यह नसीहत दी जाती है कि भारत एक उदारवादी और लोकतांत्रिक शासन प्रणाली पर खरा नहीं उतर रहा है।

इसलिए वह अमेरिका का विश्वसनीय सहयोगी नहीं बन सकता। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने पश्चिमी देशों के दबावों के बावजूद रूस के साथ अपने संबंधों में कोई कमी नहीं की। संबंध पहले जैसे ही मजबूत बने हुए हैं। इस बीच बाइडन प्रशासन ने चीन के साथ अपने संबंधों में तनाव कम करने के लिए कई पहल की हैं। लगता है कि अमेरिकी प्रशासन पहले रूस से निपटने की तैयारी में है। फिलहाल वह एशिया में चीन के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने के पक्ष में नहीं है। इस नई नीति के कारण अमेरिका को अब भारत के समर्थन की दरकार नहीं है। यही कारण है कि क्वाड की गतिविधियां शिथिल पड़ गई हैं। इसके विपरीत एशिया के अन्य देशों जापान, दक्षिण कोरिया, फिलिपींस और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपना सहयोग बढ़ा रहा है।

भारत के लिए चिंता का विषय अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में आ रही गर्मजोशी है। राष्ट्रपति बाइडन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से सक्रिय बनाने की मंशा जाहिर की है। उसके बाद विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया।

चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति और समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार ह्यगार्जियनह्ल की रिपोर्ट का सहारा लिया है। इस अखबार में अपनी कथित खोजबीन के आधार पर आरोप लगाया है कि भारत ने पाकिस्तान की सरजमीं पर कम-से-कम 20 लोगों की हत्या की है। अखबार इन्हें आतंकवादी नहीं पाकिस्तान का नागरिक मानता है। इस रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बयान को भी पाकिस्तान ने बहुत तूल दी है।

रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को ह्यघर में घुसकरह्ल मारने की बात कही थी। उनका इशारा उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एअरस्ट्राइक की ओर था। लेकिन पाकिस्तान ने इसे अमेरिका और कनाडा में हुई घटनाओं से जोड़ने की कोशिश की। पश्चिमी देश अमेरिका और कनाडा के खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाइयों को लेकर नई दिल्ली को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करते रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को बचाने के लिए अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों को दांव पर लगा दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस विवाद को सीमित रखने की हरसंभव कोशिश की है लेकिन कहना मुश्किल है कि अमेरिका भविष्य में अपने तेवर में बदलाव करेगा। पश्चिमी देशों की मीडिया को ध्यान में रखना चाहिए कि भारत में इन दिनों चुनाव का मौसम है। चुनाव प्रचार में विदेश और रक्षा नीति भी प्रमुख मुद्दा हैं। सत्ता और विपक्ष के नेता अपनी चुनावी सभाओं में जो भाषण देते हैं, कोई जरूरी नहीं कि वह सरकार की नीति हो। इनके भाषणों के आधार पर राय कायम करना नासमझी होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

25 years Of Kargil War: Recalling the blood spilt on mountaintops

THERE is no greater medal of honour for war reporting than a benign piece of shrapnel lodged between the kidney and the pancreas. But unlike an old soldier, I don't want to retell the tale of the shrapnel that nearly killed me and left me grievously injured; but it is time to recall the Kargil War — if we may call it a war. In a few weeks, we would be commemorating the 25th anniversary of shepherd Tashi Namgyal sighting Pakistani regulars in Pathan outfits, digging bunkers atop the Batalik mountain range.

The young officers and men who climbed 90-degree rock faces to brave bullets turned the story around to make Indians proud of their leadership.

What if Namgyal had fallen sick or broken his leg? What if his yaks had not gone missing? (he was apparently searching for the animals when he sighted the incursion). These are questions that a national security state needs to ponder over before making Katchatheevu a political issue to denigrate a leader who had redrawn the South Asian map by tearing apart a hostile neighbour to create a new nation altogether. In the era before satellite pictures, a shepherd was all that the Indian Army had to tell it about its biggest intelligence blunder.All intelligence agencies, including the military intelligence, failed in every which way — forecasting, detecting, thwarting or even ascertaining the number of intruders once the transgression was detected by the shepherd. A former commander of the mountain division that fought the war said as much. This all-round intelligence failure was neither acknowledged nor punished. Militarily, the operation was limited to an area starting from the Zoji La and running 200 km eastwards on the Mushkoh-Drass-Kargil-Batalik-Turtuk axis, focused on 5-12 km of intrusion in the Batalik and Drass sectors on Tololing, Tiger Hill and unnamed mountaintops.The air operations were limited to the Indian side of the Line of Control (LoC), while the Navy was not involved at all. In that sense, it was not a full-fledged war. The Indians suffered a large number of casualties to get the Pakistani men to vacate the mountaintops without crossing the LoC or the international border. The intruders had made a big tract of Indian territory vulnerable. Any vehicle travelling on National Highway 1A was in Pakistan's crosshairs and any establishment in the region could be targeted. Even now, Pakistani trolls claim the possession of Point 5353 that offers them an overview of the area.It was a saga of sacrifice for 559 bravehearts who laid down their lives climbing the mountaintops like ants. Without opening fire, Pakistanis could have killed them by simply rolling down boulders and that was the battle mostly about — soldiers climbing impossible mountain faces. Still, if the Indians climbed the mountains, engaged with the enemy, fought them and threw even the last intruder out, it is a story that has to be retold many times. It is a story of discipline, integrity and complete commitment to the nation of those officers and men who staked their lives valorously.Ideally, the first in this series of articles should have been the personal account of the man who was involved in clearing the Tololing ridge and then capturing the Tiger Hill. He is still angry about not being given even a rough idea about the number of intruders, about having to see his closest comrade die in his arms, about being pushed into combat without any preparation, about logistics and just about everything else. But he decided to keep quiet. There are a lot of stories of Kargil that still have not been told, despite the many books, movies and opinion pieces that have been published in the past 25 years.This Thursday, a British newspaper published a news story about Indian intelligence's alleged involvement in eliminating Pakistani terrorists in their country. Still, there is a lot more to be heard about Pakistani perfidy in inviting then Indian Prime Minister Atal Bihari Vajpayee for a bus ride on February 19, when it was actively organising the Kargil intrusion. Going by various accounts, the number of intruders varied from 1,500 to 5,000, making it indeed a massive operation.

Work out measures to streamline the grant of bail

Even in cases not involving political rivalry, bail remains a distant prospect for many accused persons.

RECENT developments in bail-related court cases are reminiscent of the context in which the provision for anticipatory bail was first deemed necessary. The Law Commission of India, in its 41st report (September 24, 1969), examined the steadily increasing tendency of politicians to try to implicate their rivals in false cases. The objective of such actions was to disgrace and shame them in the eyes of the public. The Commission asserted that even in other circumstances, it was hardly justified to arrest and detain in custody a person who was not likely to abscond or misuse his liberty. In Gurbaksh Singh Sibbia vs State of Punjab (1980), the Supreme Court recognised that there may be situations wherein the police are not free agents and may be used to harass or humiliate opponents. It stated: "That can even take the form of the parading of a respectable person in handcuffs, apparently on way to a court of justice. The foul deed is done when an adversary is exposed to social ridicule and obloquy, no matter when and whether a conviction is secured or is at all possible."

These words have proved to be prescient in the run-up to the General Election. Leaders of the Aam Aadmi Party (AAP) are being placed under arrest one by one by the Enforcement Directorate (ED), which is controlled by the Central Government. The arrests have taken place under the Prevention of Money Laundering Act, 2002, which has more stringent conditions for the grant of bail than for ordinary offences. Section 45 of the Act provides that a court may grant bail to an accused if it is satisfied that firstly, there are reasonable grounds for believing that the accused is "not guilty of such offence" and secondly, that the accused is "not likely to commit any offence while on bail". It is apparent that these 'twin tests' can only be satisfied on an examination of the case on its merits. However, at the bail hearing of AAP leader Sanjay Singh on April 2, the apex court indicated to the ED that if bail was opposed, it would have to pass an order that may adversely affect the case of the prosecution at the trial. The prosecution decided not to oppose the bail plea, and the court passed an order stating that the 'concession' of granting bail to Singh would not be treated as a precedent, and that no comments were being made on the merits of the case.The highest constitutional court of the land must ensure that justice is done in every respect. If there seems to be an absence of sufficient evidence, prima facie, proving the guilt of the accused, the same must be recorded. Non-recording of reasons also deprives the co-accused, who stand on a similar footing, of using the grant of bail as a precedent to get respite.The AAP arrests have been made in the Delhi excise policy case. The policy was implemented in November 2021. The Lieutenant-Governor of Delhi recommended a CBI probe into the case in July 2022. The issue has been in the public domain for almost two years. Certainly, no question of tampering with the evidence or influencing witnesses arises so late in the day.Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal has been arrested in this case. The ostensible reason given is that he did not cooperate with the investigating agency in the inquiry. However, it is a fundamental right under Article 20(3) of the Constitution that no one can be forced to testify against oneself. Hence, the justification for the necessity of his arrest does not hold water. This series of events should lead to introspection on the implementation of bail provisions in special Acts where "jail is the rule and bail is the exception". The police hold wide discretion in their power of arrest, which increases the scope of this power being used arbitrarily at the behest of the ruling party. This underscores the urgent need for reforms to make the police force more accountable.Even in cases not involving political rivalry, bail remains a distant prospect for many accused persons. This is in spite of the legal presumption of innocence until one is proven guilty and convicted. For an undertrial to be deprived of his liberty for years on end, merely on the suspicion of having committed an offence, is a harsher punishment than any envisioned in law. In 2022, in a landmark judgment in Satender Kumar Antil vs CBI, the Supreme Court voiced deep concern over the massive population of undertrial prisoners languishing in India's jails. The court, in no uncertain terms, criticised the conduct of investigation agencies which automatically oppose bail, terming it a 'vestige of colonial India'. The danger of democratic India being seen as a repressive police state was highlighted. The court went on to lay down guidelines for the grant of bail in four categories of offences, and asked the government to consider introducing a separate Act to streamline the grant of bail.The Satender Kumar Antil vs CBI judgment is part of a long line of judgments that firmly base the grant of bail on the premise of the right to life and liberty. However, this often does not translate to implementation on the ground. The prevailing judicial principles must be strictly followed, and courts should have the latitude to grant bail generously, unless the accused poses a threat to society or to the ongoing investigation. However, in the case of convicts, bail should be allowed sparingly. The practice of using statements made by other co-accused or suspects in police custody to make a case for denial of bail must also cease. A statement under Section 161 of the Code of Criminal Procedure, 1973, is inadmissible as evidence, apart from the limited purposes of cross-examination or when such statements lead to the discovery of other incriminating evidence. It follows that such statements can certainly not be used to deny bail to an accused person, unless corroborated by legally admissible evidence.

Congress manifesto

Party must strive to regain credibility

THE Congress has unveiled its manifesto ('Nyay Patra') for the General Election, with the focus on ensuring comprehensive justice by addressing pressing issues such as unemployment, poverty, healthcare, farmers' welfare and social inequality.

To tackle the scourge of unemployment, the party has promised several measures — the creation of jobs, the provision of relief for students burdened by educational loans and filling nearly 30 lakh vacancies in Central Government departments. The party's proposal to provide one-year apprenticeship to every diploma holder or graduate below the age of 25 reflects its commitment to creating opportunities for the youth and fostering skill development. It has also announced a plan to provide a legal guarantee for procurement at the minimum support price, aiming to safeguard the interests of farmers. Among the other promises are the restoration of Jammu and Kashmir's statehood, the scrapping of the Agnipath scheme and the adoption of the Rajasthan model of cashless insurance for universal healthcare. The pledge to provide a national minimum wage of Rs 400 per day highlights the party's emphasis on inclusive growth and social justice. The proposed Mahalakshmi scheme, which would offer Rs 1 lakh per year to every poor family, marks a significant step towards poverty alleviation.

However, the grand old party needs to go all out to retain its support base and regain credibility. Facing competition from allies within the INDIA bloc, the Congress has its work cut out. Even as the road ahead is challenging for the party, a strong leadership can help other Opposition parties finetune their manifestos.

Where Indian entrepreneurs can make money

Various estimates and surveys show that the size of this consuming class has been more or less stagnant for the past 15 years.

HOW much money does an average family need to live comfortably in a big city in India? Rent in a middle-class neighbourhood would not be less than Rs 30,000. School fees and education (including books, uniforms and private tuition) will be another Rs 8,000. Tech expenses like phones, laptops and mobile and broadband bills would average another Rs 4,000. Health and medical insurance would be roughly Rs 3,000 per month. A home help would not work for less than Rs 5,000. Petrol bills would be another Rs 2,500 or even more. Food — including eating out or ordering in — would be at least Rs 15,000. Electricity would cost at least Rs 2,500 if one had to run geysers in the winter and air conditioners in the summer. Add to this the average cost of durables such as cars, refrigerators, washing machines, TV sets, air conditioners, geysers and mixer-grinders, which could easily add another Rs 5,000 to the monthly expenses. If you add up all these expenses, then a comfortable middle-class lifestyle would cost about Rs 75,000 to 80,000 per month. So, if a family wants to invest in a house or save for the future, they would have to earn at least Rs 1 lakh a month.

How many families in India earn that kind of money? Back-of-the-envelope calculations based on the estimates made by the Paris-based World Inequality Lab suggest that families at the 90th percentile make roughly Rs 1 lakh per month. So, one could say that households that are above that threshold account for the bulk of consumption in India. That would be about 40 to 45 million families. Out of these, most would spend a large part of their money on basic goods and services and provide a very small replacement demand for white goods and durables. To invest in big-ticket items, a family would not only have to have cash flow but also savings and assets of at least Rs 10 lakh. Again, using the same data, we can estimate that only those in the top 5 per cent of Indian families have that kind of wealth. That is roughly 20 to 22 million families.

So, if you are an entrepreneur selling a service, you can expect to be able to get roughly 70 to 80 million customers spread across 45 million homes. If you want to sell goods that are relatively expensive, your target customer base will not be more than 20 to 30 million. These numbers are more or less consistent with what successful startups have managed. For instance, in 2022-23, Zomato had about 58 million unique customers (some of whom, admittedly, would belong to the lower-middle income groups), while Blinkit serviced 20 million users in November last year. Even telecom companies that learnt the hard way that acquiring low-paying users could lead to losses are now targeting 'high-value customers' to enhance their earnings.

Various estimates and surveys show that the size of this consuming class has been more or less stagnant for the past 15 years. While the share of the top 5 to 10 per cent in the total national income has steadily grown, others below them have not been able to increase their consumption levels. This has shown up in crucial industries, such as automobiles: domestic passenger car sales, which grew at an annual rate of 12 per cent in the 15 years between 1992-93 and 2007-08, grew at just 2.5 per cent annually in the subsequent 15 years. India produced 11.1 million refrigerators in 2012-13 and 12.3 million in 2019-20, despite the fact that refrigerators are now bought even by better-off households in semi-rural areas.If one looks at it from this standpoint, almost every large service provider and manufacturer has reached a saturation point. There is very little room for expansion, other than the rate at which the income of these top 5 to 10 per cent of households grows and any replacement demand that they generate. Anyone who wants to make big money in India, therefore, has to find a niche market with very high margins and steady revenues. And that is where the rich come in.The average monthly income of families between the 98th and 99th percentile (just below the top 1 per cent of Indians) is about Rs 5 lakh per month. These people live in plush homes in tony neighbourhoods, eat at expensive restaurants, buy organic vegetables, use boutique ayurvedic shampoos and soaps, travel abroad for their holidays and send their kids to the most exclusive schools in India. There are about 4.5 million families who collectively earned about Rs 23 lakh crore in 2023-24.Above them are another 4.5 million families who are ultra-rich, with an average income of about Rs 15 lakh per month. These people are of very limited value to Indian companies because their consumption basket overwhelmingly consists of imported goods, from the almond milk and muesli they eat for breakfast to the bath gels and shampoos they use in the shower. They buy the most expensive foreign cars and decorate their homes with expensive imported furniture and lamps. Their biggest contribution to domestic consumption is probably in the form of the infrastructure they use — expensive toll roads, air travel and high-speed broadband.Their bigger role in aggregate demand is in the form of their investments in factories and offices and the inputs they consume — real estate, construction material, machinery, high-speed Internet, road and rail freight, shipping cargo, electricity, computers, cement, iron and steel. This is why the ultra-rich spur investment in international quality infrastructure — shiny offices, smart cities, bullet trains, super-fast highways. Most of these are entirely out of reach of not just the poor but even the lower-middle-income groups because they carry a hefty service fee. For instance, the new Atal Setu bridge that links Sewri and Nhava Sheva in Mumbai carries a one-way toll of Rs 250.At the macro level, this concentration of wealth will make several industries highly profitable — high-value realty, infrastructure, banking, finance and insurance, luxury travel, hospitality and entertainment. Any young entrepreneur who wants to make money has this highly concentrated market to tap. The volumes will not be high, but the very high profit margins will make up for it.

The championship resumes in a fortnight's time with the Chinese Grand Prix in Shanghai.

IMD predicts hotter summer, triggers rally in some stocks Air cooler, AC, refrigerator company stocks surge Voltas, Blue Star, Whirlpool among rallying stocks

New Delhi The Indian Meteorological Department's (IMD) prediction of a hotter summer has already led to a rally in stocks of some listed companies on Dalal Street.Companies that manufacture air coolers, air conditioners (AC), and refrigerators have surged after the IMD said last week that the country would experience hotter-than-usual temperatures till June.Some stocks that have witnessed an initial rally are Voltas, Blue Star, Havells India, Johnson Controls-Hitachi Air Conditioning India, Whirlpool and Crompton Greaves Consumer Electricals Ltd.Shares of all the above-mentioned companies gained in the past trading session, with Blue Star, Voltas, Johnson Controls-Hitachi Air Conditioning India and Whirlpool rising in the range of 5-15% in the past five trading sessions.Geojit Financial Services strategist Gaurang Shah told Bloomberg News that demand for consumer durables and white good appliances are expected to increase.Analysts anticipate that shares of companies producing ACs and air coolers will experience more significant gains compared to those manufacturing other consumer durables like fans, refrigerators, and power generators.Companies manufacturing ACs expect double-digit growth this year, news agency PTI reported recently. More precisely, the top manufacturers expect up to 25% growth this year, with stronger contributions from tier-3 towns and smaller centres.Meanwhile, estimates shared by industry body ICRA suggest that the AC industry will expand by 15-20%. All these factors are likely to boost stock prices of AC manufacturing companies during the summer months.Other stocks in focusAdditionally, the demand for ice cream, soda, and certain dairy products is expected to rise during the summer. Some of the stocks that are likely to be in focus are Hindustan Unilever, ITC, Varun Beverages (bottler for PepsiCo Inc), Vadilal Industries, and more.Meanwhile, shares of energy companies are also likely to benefit during the peak summer period when power demand rises significantly. In such a scenario, shares of companies such as Adani Power and Reliance Power, which operate thermal power plants, will also be in focus.(Disclaimer: The views, opinions, recommendations, and suggestions expressed by experts/brokerages in this article are their own and do not reflect the views of the India Today Group. It is advisable to consult a qualified broker or financial advisor before making any actual investment or trading choices.)

7th Pay Commission: Central Govt Revises Employees' Allowances -- Read In Detail

New Delhi. It is good news for you if you are a central government employee and a pensioner. The union government has announced revisions to six key allowances under the 7th Pay Commission dispensation. The Department of Personnel and Training (DoPT) released an Office Memorandum (OM) on April 2, 2024 regarding the revisions. Child Education Allowance

Child Education Allowance has been revised, now standing at 25 percent of the allowance when the employee's DA reaches 50 percent. The maximum allowance for Child Education/Hostel Subsidy applies to two children, with a hostel subsidy amounting to Rs 6,750 per month. (Also Read: China May Use AI Content To Influence Lok Sabha Polls, Warns Microsoft Report)

In cases of disabled children, the allowance is doubled.

Risk Allowance

For employees engaged in hazardous duties, the Risk Allowance has been revised. This allowance, provided to mitigate health risks associated with certain job roles, is not considered as part of the employee's regular pay.

Night Duty Allowance

The 7th Pay Commission recommendations have updated the Night Duty Allowance (NDA). Employees eligible for NDA must have a basic salary of Rs 43,600 per month.The calculation of NDA is based on the basic pay and dearness allowance rates specified by the Commission.

Special Allowance

Special Allowance for Parliament Assistants has been increased by 50 percent for those fully engaged in Parliament duties during its sessions. The revised rates apply for each calendar month, with adjustments made for shorter sessions.

Over Time Allowance

Ministries/Departments are tasked with compiling rosters of 'Operational Staff' eligible for Overtime Allowance, without any upward adjustment in rates. Biometric attendance may be used to streamline procedures and ensure transparency in overtime work scheduling.

Special Allowance For Women With Disabilities

To support female employees with disabilities, especially those with young children or children with disabilities, a special allowance of Rs 3,000 per month will be provided. This allowance will be disbursed from the birth of the child until the child reaches two years of age.

Incredible India': UNGA President Dennis Francis lauds digitalisation, infrastructure investment in India

UNITED NATIONS: UN General Assembly President Dennis Francis has lauded India's use of digitalisation that has helped achieve financial inclusion and poverty reduction, underlining that this gives the country a "comparative advantage" and its lessons can be shared with the global community.

"Let me say first of all that since I've been to India, every time I think of India, I think 'Incredible India'. And I mean this in all earnest ....And I saw it when I was there. The specific example to which I can refer is India's use of digitalisation," Francis, President of the 78th session of the UN General Assembly, told PTI in an exclusive interview here.

He referred to the country's tourism tagline of 'Incredible India.'

Francis was in India from January 22-26 this year on an official visit, during which he held a bilateral meeting with External Affairs Minister S Jaishankar in New Delhi and also travelled to Jaipur and Mumbai.

During the visit, his interactions with government officials, civil society members and think tanks focused on issues such as sustainability, multilateralism, accessibility, and digital public infrastructure.

The UN leader lauded India's use of digitalisation to alleviate poverty and bring millions of people into the formal economic system "simply through the use of a handset and a digitalisation model."

He underscored that digitalisation is important because it is "productive, it drives cost down, makes economies more efficient, makes things cheaper."

He cited the example of digitalisation helping Indian women, and farmers across the length and breadth of the country and in far-flung places to negotiate their prices, deal with banks and make payments without having to leave their homes, farmlands or areas."All of this is helping to make the economy of India much more competitive. So I think this is an area in which India clearly has a comparative advantage and has lessons that can be shared with the international community."Francis also pointed out that during his visit to India, he was impressed with the level of investments being made in infrastructure development across the country.

Delaporte quits as Wipro CEO, Srinivas Pallia is new chief

NEW DELHI. Indian IT major Wipro Saturday announced the resignation of Thierry Delaporte as CEO and named Srinivas Pallia as the new Chief Executive Officer of the company, effective immediately.

The announcement comes days before the Bengaluru-headquartered company is scheduled to announce its Q4 and full-year earnings for 2023-24 on April 19. Wipro has been trailing its peers on the performance front with subdued report card and weak guidance and saw a spate of senior-level departures, including CFO Jatin Dalal and chief growth officer Stephanie Trautman, last year.

According to a Wipro release, Pallia brings to the CEO role extensive institutional and industry knowledge, as well as a strong track record of leadership through some of the most significant technological shifts the industry has seen.In a BSE filing Saturday, Wipro said its board noted the resignation of Delaporte with effect from April 6, 2024, and went on to add that he will be relieved from employment of the firm with effect from the close of business hours on May 31, 2024."At their meeting on April 6, 2024...pursuant to the recommendation of Nomination and Remuneration Committee, the board approved appointment of Srinivas Pallia as the CEO and MD of the company with effect from April 7, 2024, for a period of five years, subject to the approval of shareholders and the central gove t as may be applicable (sic)," Wipro informed in an exchange filing.

Slow job market nixes India's growth story

New Delhi. For India there are strong growth indicators. The World Bank has revised its projections for GDP growth to 7.5 percent for 2024, a whopping 1.2 percent above its earlier forecast. Coupled with a projection of 6.1 percent growth for 2025, India comes away as the fastest growing economy in South Asia over the next two years.In tackling poverty too, NITI Aayog numbers indicate that nearly 25 crore people were lifted up from poverty since 2014, with 'multidimensional' poverty declining to 11.3 percent, from 29 percent a decade ago in 2014.The Achilles heel however appears to be the growing unemployment and inequality. These speed bumps may cripple the country's transformation into a fully developed economy. In this context, a new World Bank report 'Jobs for Resilience',has been highlighted by the Financial Times. The daily points out the target of becoming a developed nation by 2047 – underlined by Prime Minister Narendra Modi – may remain a 'distant dream' without reforms to boost employment.

No-reform scenario

The World Bank's chief economist and author of the report, Franziska Ohnsorge,is quoted calling India a "no-reform scenario" where employment growth was exceptionally weak compared to other emerging markets and developing economies.

The report says the employment ratio in India declined by more than in any other south Asian country in the 2000-2022 period, with the exception of Nepal. 'Employment ratio' refers to the labour force currently employed against the total working-age population of a

region.Employment growth has not kept pace with working-age population growth. The region (South Asia) employs only 59 percent of its working-age population compared with 70 percent in other emerging market and developing economies," says the foreword of the report.Calling it a "missed opportunity", Ohnsorge said: "It's almost like the demographic dividend is being squandered." She was referring to the large youthful working age population that is a bonus for a country as compared to a very large ageing population which is non-productive and a drag on the economy.It is indeed startling to learn from the UN's International Labour Organisation (ILO), from its India Employment Report 2024, that the youths in the total unemployed pool constituted a massive 83 percent. On the other hand, the size of the elderly is set to rise to over 20 percent of the population by 2050. The point is India has a relatively small window to reap the 'demographic dividend' before it enters the cycle of a ageing population.A major reason for the slow growth in employment is the lack of investment by the private sector. In his foreword to the Resilience in Jobs' report, Marting Raiser, VP-South Asia Region, points out: "More than elsewhere, growth momentum in South Asia has been driven by the public sector while private investment growth has been weak. Without a thriving private sector, job creation is likely to continue on a weaker path than in other emerging market and developing economies."The latest data on private equity deals in India corroborates this. Private equity (PE) investments have fallen to a 6-year low at $24.2 billion in the financial year ending March 2024.Compared to the previous year 2022-23, investments through PE deals are down 47 percent compared to FY23, when deals worth $45.8 billion were signed. Among other reasons, geopolitical uncertainties and volatile conditions had reduced liquidity in the international markets.

Vodafone Idea Granted Board Approval To Raise Rs 2,075 Crore From Aditya Birla Group

New Delhi. Vodafone Idea (VI), amid its financial challenges has taken a significant step towards addressing its debt burden. The board of the telecom operator has given the green light to a proposal aimed at raising ?2075 crore from its promoter, the Aditya Birla Group, as disclosed in a regulatory filing on Saturday.The company stated in a regulatory filing that it plans to seek approval from shareholders during an extraordinary general meeting scheduled for May 8 regarding the proposed measures. (Also Read: India's Food Processing Sector Poised To Reach USD 535 Billion By 2025-26)Further, the company in its filing mentioned "The Vodafone Idea board has approved issuance of up to 1,395,427,034 equity shares of face value of ?10 each at an issue price of ?14.87 per equity share (including a premium of ?4.87 per equity share), aggregating to ?2,075 crore to Oriana Investments Pte. Ltd (Aditya Birla Group entity forming part of the promoter group), on a preferential basis,"The filing also stated that the board has given its approval for raising the authorized share capital of the company. This increase involves raising it from the current ?75,000 crore, which is divided into ?70,000 crore of equity share capital and ?5,000 crore of preference share capital, to ?1 lakh crore.

The increased authorised share capital of the company will be divided into ?95,000 crore equity share capital and ?5,000 crore preference share capital. The company received shareholders nod for raising up to ?20,000 crore by issuance of securities in an extraordinary general meeting (EGM) held on April 2.

Vodafone Idea has plans to raise ?45,000 crore through a mix of equity and debt as it seeks to match services offered by rivals Reliance Jio and Bharti Airtel and arrest an alarming and prolonged subscriber churn. The fundraise will arm VIL to improve competitive positioning in the Indian telecom market, where it trails Jio and Bharti Airtel, by a wide margin.

In February this year, the company's board approved raising up to ?20,000 crore in equity from promoters and other investors by June, as it looked to shore up finances for the much-delayed 5G rollout and strengthening 4G services.Vodafone Idea, in which the government now also holds over 33% equity stake, has been fighting a desperate battle for survival. It has a debt of ?2.1 lakh crore, and is reporting quarterly losses due to falling subscriber base. Trai's latest data showed that Vodafone Idea continued to bleed on the subscriber front.

VIL lost 15.2 lakh wireless subscribers, plunging its mobile subscriber base to 22.15 crore in January, in sharp contrast to subscriber gains by Jio and Airtel.

FPIs Withdraw Rs 325 Crore From Indian Equities So Far In April

FPIs have made a net investment of Rs 1,215 crore in the debt market during the period under review.

New Delhi. FPIs have turned cautious as they pulled out Rs 325 crore from Indian equities in the first week of this month owing to relatively high valuations and the upcoming general elections.

The net outflow came after a staggering investment of Rs 35,000 crore in March and Rs 1,539 crore in February, data with the depositories showed. Going ahead, Geojit Financial Services Chief Investment Strategist VK Vijayakumar said the US 10-year yield has spiked to 4.4 per cent, which will impact FPI (foreign portfolio investor) investment flows into India in the near term.However, FPI selling will be limited despite the high US bond yields since the Indian stock market is bullish and has been setting new records consistently, he added. Smallcase Manager and Senior Research Analyst at Capitalmind Krishna Appala believes that FPIs might return post-elections or upon early signs of a US Fed rate reduction.According to the data with the depositories, FPIs withdrew Rs 325 crore from Indian equities this month (till April 5). "Relatively high valuations and the looming general elections have made FPIs cautious, leading them to hold back from aggressive investments in the equity markets at this juncture," Appala said.On the other hand, FPIs have made a net investment of Rs 1,215 crore in the debt market during the period under review. Indian government securities (G-Sec) 10-year yield standing at 7.1 per cent and the US 10-year at 4.3 per cent present a compelling case for FPIs. The risk-reward ratio is prompting them to shift their focus from equities to the higher yields offered by bond instruments in the US and India.

Moreover, FPIs have been pumping money into the debt markets for the past few months, driven by the upcoming inclusion of Indian government bonds in the JP Morgan Index.They invested Rs 22,419 crore in February, Rs 19,836 crore and Rs 18,302 crore in January. JP Morgan Chase And Co, in September last year, announced that it will add Indian government bonds to its benchmark emerging market index from June 2024.

Hybrids outpacing'costly' EVs

Range anxiety and high upfront cost of electric vehicles remain big deterrent for many

NEW DELHI. The popularity of hybrid vehicles in the domestic car market has seen a sharp surge over the past one year or so and a large section of consumers who were fence-sitting to buy an electric vehicle (EV) are now opting for a hybrid model."For long time, I was confused between Nexon EV and Grand Vitara SUV as my budget ranged between Rs 18-23 lakh. After much thought, I decided to go for Grand Vitara strong hybrid model. It has more space, strong road presence and eliminates range anxiety -related concerns," said Aman Sharma, a Bengaluru-based IT sector employee.

Like Sharma, range anxiety and the high upfront cost of e-cars remain a deterrent for many to shift from internal combustion engine (ICE) to battery-powered vehicles. The surge in demand for hybrids after back-to-back launches by Toyota and Maruti Suzuki has given them a choice. In the past six months, passenger vehicles (PVs) with hybrid technology have outsold electric PVs. Hybrid vehicles sales stood at 52,500 units between October 2023 and April 2024 as against EV sales of 48,000 units during the same period.For FY24, the gap between the two was 10,000 units. EV sales, despite new launches, fell short of 1 lakh mark at about 99,000 units while hybrids sold at about 89,500. The market share of hybrid vehicles in the 4.23 million Indian PV market rose from 0.5% in December 2022 to 2.1% in March 2024. The increased adoption of hybrids is not only limited to India. The US and China are also seeing a growing preference for hybrids, forcing big carmakers to rethink their aggressive EV transition. As per reports, US electric carmaker Tesla missed its delivery estimates for March quarter while hybrid car sales grew in double-digits.

Hybrids addressing shortcomings of EVs

A hybrid vehicle combines two or more different power sources, an internal combustion engine (usually gasoline) and an electric motor. These vehicles improve fuel efficiency and reduce emissions by using the electric motor to assist engine during acceleration and to power the vehicle at low speeds, while the engine powers the vehicle at higher speeds and recharges the battery.

Shashank Srivastava, executive committee member of Maruti Suzuki India (MSIL), said the reason for slower adoption of EVs is the reason for faster adoption of hybrids. "The cost acquisition of EV is still high even as it has come down a bit. Electric sedans are priced at 1.6 to 1.7 times than its ICE counterpart. For SUVs, the ratio may be 1.35 to 1.45.

It is pretty high and this is one big reason," he added. He said the second reason is range anxiety, which is always there among consumers. The fear of being left with a dying battery before reaching destination can be addressed by widespread charging infra.

"Hybrids don't require charging…It runs on battery on urban cycle for nearly 40% of the time. The battery is being charged by the regenerative braking power and because it is done automatically, consumers don't have to charge," said Srivastava.

Hybrids to stay and thrive

Rohan Kanwar Gupta, vice-President & sector head, corporate ratings at ICRA, says hybrid cars are seen as an intermediate step in the ongoing transition to EVs, with range anxiety getting addressed, even as the upfront cost is also not that materially higher.

"As such, sales of hybrid cars have been outpacing electric car over the recent past; the same trend is expected to continue over near term, till a fall in battery prices and improved product launches lead to an acceleration in EV adoption," added Gupat.ICRA estimates EV penetration in the PV segment to reach levels of 4-6% in FY25 and increase to levels of 15% by FY30. MSIL too expect by 2023 their powertrain mix will be 15% EVs, 25% hybrids and the balance 60% of mix of CNG, gasoline and other options.

Sharad Pawar, Uddhav Thackeray Fighting For Political Survival

The challenge is tougher for Uddhav Thackeray and Sharad Pawar as they are out of power and have lost control of their parties.

Mumbai. As the campaign for the Lok Sabha elections gathers momentum, Sharad Pawar and Uddhav Thackeray, the leaders of two prominent regional parties in Maharashtra, are fighting a battle for political survival.The polls are also an acid test for Chief Minister Eknath Shinde and his deputy and NCP chief Ajit Pawar as they have cast their lots with the Bharatiya Janata Party (BJP) by splitting their respective parties.But the challenge is tougher for Uddhav Thackeray and Sharad Pawar as they are out of power and have lost control of their parties -- Shiv Sena and Nationalist Congress Party (NCP), respectively -- along with the original name and electoral symbol.

The Election Commission and the Maharashtra assembly speaker have recognised the Ajit Pawar-led NCP and Shinde-led Sena as the real NCP and the real Shiv Sena.Senior journalist and political analyst Prakash Akolkar told PTI that both the leaders need to put up an impressive performance in the polls, or else they risk political extinction."Uddhav Thackeray needs to get at least six to seven MPs elected to keep his flock together till the assembly polls which are due later this year," Mr Akolkar said.Mr Thackeray had to contst as many Lok Sabha seats as his party contested when he was a BJP ally in 2019, and he is doing just that, declaring 21 candidates so far notwithstanding the Congress staking claim to some of these seats, the senior journalist noted.The NCP (Sharadchandra Pawar) is contesting 10 seats as per the seat-sharing formula worked out with his MVA allies Sena (UBT) and Congress.But Akolkar said the key seat for Pawar senior is his home turf Baramati, where his daughter and three-time MP Supriya Sule is facing a challenge from Ajit Pawar's wife Sunetra Pawar."If Sharad Pawar loses Baramati, everything is lost for him. This is a battle between him and his nephew Ajit who has managed and controlled Baramati constituency for the family all these years," Akolkar said.While Sharad Pawar, 83, has never lost an election in his political career spanning more than five decades, Uddhav Thackeray has never contested a direct election.When he became chief minister, Mr Thackeray was elected to the legislative council. The Shinde faction often taunts him for not stepping out of house when he held the top post in the state.But in the run-up to the elections, Mr Thackeray has been travelling to different parts of the state, and his rallies are getting good response.Sharad Pawar, too, is on the move while also reaching out to his old rivals in Pune district (where Baramati constituency is located) like the Thopates of Congress to ensure his daughter has a smooth sailing.

With the MVA's seat-sharing talks with Dalit leader Prakash Ambedkar's Vanchit Bahujan Aghadi (VBA) falling through, the direct contest between the MVA and Mahayuti alliance has become a triangular fight, and in Akolkar's opinion it would benefit the ruling alliance.Abhay Deshpande, another senior journalist, pointed out that the elections will also test the claim of Sharad Pawar and Uddhav Thackeray that the traditional voters and cadres of their respective parties are loyal to them.There is also unrest in BJP cadres, and it will have to be seen if they work wholeheartedly for candidates of Ajit Pawar-led NCP and Shinde-led Shiv Sena, Deshpande added."Splits in political parties is not a new phenomenon. But for the first time, rebels have hijacked the original parties after the split and got recognition," he noted."The slogan of 400-plus seats is meant to motivate BJP workers. But to realise that goal, the BJP will have to retain the 2019 tally of 41 seats (which it won in alliance with undivided Sena) in Maharashtra. Due to the alignment and realignment of political equations, this is going to be a challenge," Mr Deshpande said.Harshal Pradhan, a former journalist and now a close associate of Uddhav Thackeray, claimed these elections are really about the survival of the BJP and its leadership.The BJP used central probe agencies to weaken and intimidate opposition parties, and its modus operandi is to accuse opposition leaders of corruption and then induct them into the party fold, he alleged.When Uddhav Thackeray was in power as Chief Minister for two-and-a-half years, he worked to mitigate the damage caused by cyclones in Konkan and save lives during the COVID-19 pandemic, Mr Pradhan said.Uddhav Thackeray's growing political stature during this period made the BJP insecure, he claimed.Clyde Crasto, spokesperson of the NCP (SP), echoed the same view.

This election is a battle for survival for the BJP, because they are afraid they will lose, and therefore resorting to cheap tactics like breaking up parties and families," he alleged.Ratnakar Mahajan, senior Congress leader and political commentator, said," Both Shinde and Ajit Pawar are past 60. To start a new innings at this age is not easy. But they did this (split their parties) not for power but to avoid possible action by the ED, Income Tax and CBI which the Union government is using to harass opposition leaders." Sharad Pawar and Uddhav Thackeray will be looking for vindication of their political stands in these elections, he opined.

Delhi Police Crackdown On Drink Driving, This Area Had Most Violations

New Delhi. In the first quarter of 2024, Delhi witnessed a surge in cases of drunk driving. According to the latest statistics released by the Delhi Traffic Police, there has been a staggering increase in the number of challans issued for drink and drive cases. From January 1 to March 31, a record-breaking 6,591 violators were booked, marking a sharp rise compared to the previous year's figure of 5,384 and a massive jump from 333 in 2022. Rajouri Garden recorded the highest number of challans at 333, followed by Samaypur Badli with 252 and Mehrauli with 240. "This concerning trend underscores the urgent need for increased awareness and stringent enforcement of traffic regulations to ensure public safety on the roads of the city," read the Delhi Traffic Police statement.

In response to this alarming trend, the Delhi Traffic Police have ramped up their enforcement efforts. Special drives targeting drunken driving have been initiated, accompanied by stringent measures such as increased checking and breathalyzer tests. "Driving under the influence of alcohol poses a grave risk not only to the individual behind the wheel but also to passengers, pedestrians, and other motorists sharing the road. It impairs judgment, slows reaction times, and increases the likelihood of accidents causing injuries or fatalities. The consequences of such irresponsible behaviour can be devastating and irreparable," the statement added. The Delhi Traffic Police also urged citizens to report any instances of suspected drunken driving to authorities.

Influencer Ravindra Balu Bharti Ordered To Pay 12 Crore. Here's Why

New Delhi: Market regulator Securities and Exchange Board of India (SEBI) has asked a financial influencer (finfluencer) to return unlawfully obtained gains amounting to over ? 12 crore. This comes as a significant move to safeguard investor interests and uphold market integrity amidst growing concerns about fraudulent practices in the securities market.

The finfluencer in question, identified as Ravindra Balu Bharti, has been instructed by SEBI to deposit the ? 12 crore into an interest-bearing Escrow Account held in a nationalised bank. The creation of this Escrow Account serves to secure the funds under SEBI's jurisdiction, ensuring they cannot be released without explicit permission from the regulatory body.Ravindra Balu Bharti is the founder of Ravindra Bharti Education Institute Pvt. Ltd. (RBEIPL), a company he co-founded in 2016 alongside his wife, Shubhangi Bharti. RBEIPL reportedly engages in educational activities related to stock market trading, operating through a website titled "Bharti Share Market"

SEBI's interim order extends beyond Ravindra Balu Bharti alone. The regulator's order encompasses RBEIPL and several other individuals associated with the entity. Notably, SEBI has barred them from offering investment advisory services or engaging in securities trading activities until further notice.SEBI's investigation exposed a pattern of misconduct wherein investors were misled with promises of exorbitant returns, reaching up to 1000 per cent.

"India's capital market in the recent times has witnessed tremendous growth, characterised particularly by increasing participation of the common public based on investors' confidence. This confidence in the capital market can be sustained largely by ensuring investors protection. Disclosure and transparency are the two pillars on which market integrity rests," SEBI's order read. Investors who chose these services had to engage in an agreement that outlined the specific terms and conditions for receiving investment advice.

UPSC Success Story: IAS Officer Pratibha Verma Overcomes Health Challenges To Secure AIR-3 In UPSC Exam

Her dream of becoming an IAS officer was finally fulfilled. In her third attempt in 2019, she managed to become an IAS officer by securing the third rank in the UPSC exam.

New Delhi. Pratibha Verma's life epitomizes the resilience and unwavering determination required to navigate life's challenges and emerge victorious. Her journey, marked by adversity and triumph, serves as a testament to the power of perseverance.Hailing from Sultanpur, Uttar Pradesh, Pratibha embarked on her academic journey as a Hindi medium student. Despite the initial hurdles, she excelled in her studies, completing her Class X from a UP Board School before progressing to her intermediate education under the CBSE board. Her relentless pursuit of excellence led her to pursue a B.Tech degree at the prestigious IIT Delhi, a testament to her intellectual prowess and ambition.Following her graduation, Pratibha ventured into the corporate world, securing a lucrative position in a telecom company owing to her academic credentials and aptitude. Yet, her heart remained steadfast on a different path – the path of public service illuminated by the UPSC.In 2016, Pratibha made the bold decision to leave her flourishing career and dedicate herself to UPSC preparation, driven by her fervent desire to serve her nation as an IAS officer. However, her UPSC journey was fraught with challenges. Despite her best efforts, she encountered setbacks, facing failure in her initial attempt. Undeterred, she persevered, embracing each setback as an opportunity for growth and learning.

In her second attempt, Pratibha's determination bore fruit as she secured a commendable rank, earning a place in the esteemed Indian Revenue Service (IRS). Yet, her aspirations soared higher, fueled by her unyielding spirit and unwavering ambition to realize her ultimate dream of donning the mantle of an IAS officer.ndaunted by adversity, Pratibha embarked on her third UPSC attempt with renewed vigor. However, fate dealt her a challenging hand as she battled debilitating health ailments, including dengue and typhoid, which threatened to derail her aspirations. Despite the physical and emotional toll, Pratibha remained resolute, turning to the healing powers of yoga, meditation, and mindful nutrition to rejuvenate.

Mehbooba Mufti blasts closure of Srinagar mosque: 'Kashmiris deprived'

New Delhi. People's Democratic Party (PDP) chief Mehbooba Mufti has criticised the decision to close the historic Jamia Masjid in Srinagar on Shab-e Qadr, one of the most sacred nights of Ramadan, saying the "unfortunate" move was to "deprive" Kashmiris.She also informed that Hurriyet leader Mirwaiz Umar Farooq, head of the mosque management body, has been "put under house arrest yet again".Shab-e Qadr, which falls during the final 10 days of the Muslim holy month of fasting, is considered as one of the most sacred nights in the Islamic calendar.

In a post on X on Saturday night, the former Chief Minister said, "How unfortunate that on the auspicious occasion of Shab-e Qadr Jama Masjid has been locked up to prevent people from offering prayers & Mirwaiz put under house arrest yet again.""Land, resources, religion - what all will you deprive Kashmiris of?" she added.The PDP chief also posted an image of security guards outside the mosque's gate and a video that showed locked gates.

Authorities closed the gates of the Jamia Masjid on Saturday, a day after Jumatul-Vida prayers were disallowed in the historic mosque on Friday, the last day of Friday prayers of the ongoing Ramadan month.Mirwaiz Umar Farooq was scheduled to lead the Friday prayers, but he was placed under house arrest.In a statement, the Anjuman Auqaf Jamia Masjid Srinagar said on Saturday, "Authorities closed the gates of Jamia Masjid while the police asked people to vacate the mosque premises. The Auqaf was informed that the observance of taraweeh or Shab Khani on the auspicious occasion of Shab-E-Qadr will not be permitted.

""Anjuman Auqaf expresses profound disappointment at the decision of the authorities and strongly condemns this repressive measure," it added.In a video message on Friday, Umar Farooq criticised the administration's decision to disallow Friday prayers.

"For the fifth consecutive year, the state authorities have once again locked the gates of historic and central Jamia masjid Srinagar and put me under house arrest. Jumatul Vida has a great significance for us Muslims as it is a day of special prayers and supplications," PTI news agency quoted the separatist leader as saying.Meanwhile, the Anjuman Auqaf Jamia Masjid said that the authorities also did not allow a press conference called by Umar Farooq at his residence in connection to the decision.

Delhi Police Recovers Stolen SUV Of BJP Chief JP Nadda's Wife; 2 Suspects Apprehended

Delhi police recovers stolen vehicle of BJP chief's wife from Varanasi; two arrested. The car had been reported stolen from Delhi several weeks earlier.

New Delhi. The Delhi police have retrieved the stolen vehicle belonging to the wife of Bharatiya Janata Party (BJP) National President JP Nadda from Varanasi, Uttar Pradesh on Sunday. This recovery comes several weeks after the car was reportedly stolen from Delhi. Police have arrested two people in the theft identified as Shahid and Shivang Tripathi– both residents of Badkhal, near Haryana's Faridabad, as per reports.

As per police reports, the Fortuner belonging to Mallika Nadda, the wife of JP Nadda, was reported stolen from the Govindpuri region in Delhi on March 19. The incident occurred when the driver, Joginder Singh went out to have lunch after getting the SUV serviced. The SUV was unattended for some time. Upon returning, he discovered it was stolen. Following which he reported the incident to the police and launched searches to locate the missing vehicle.

The two individuals, now in custody, exchanged the stolen vehicle's license plate with a counterfeit one to evade detection and drove it to Badkhal, as per the official's statement. Moreover, the suspects proceeded to transport the SUV to Varanasi via Aligarh, Lakhimpur Kheri, Bareilly, Sitapur, and Lucknow.

Officials stated that based on CCTV footage, the SUV was observed heading towards Gurugram and is identified by a Himachal Pradesh number plate. "We have arrested two persons in this case. During interrogation, the accused revealed that they had stolen the SUV on demand and were planning to take it to Nagaland," they told ANI.

BJP's Gourav Vallabh jabs Congress, says 'party run by PAs of ex-ministers'

Newly-inducted BJP leader Gourav Vallabh has slammed the Congress, saying his former party is being run by "PAs of former ministers". He also said that Congress is unable to understand the issues and aspirations of 'new India'.

New Delhi. BJP leader Gourav Vallabh on Sunday took a dig at the Congress, saying his former party's manifesto has been prepared by the same person for the last 30 years who has not even "contested the election of a class monitor"."When I was in college, he used to defend the party on TV as a spokesperson. Even today, he is in-charge of communications (for the party). He is a PA. Congress is being run by PAs of former Union Ministers who have never contested the election of a class monitor," Gourav Vallabh told news agency ANI.Gourav Vallabh, who recently switched over to the BJP, appeared to take a dig at Jairam Ramesh, who is Congress's general secretary in-charge of communications.Without naming Jairam Ramesh, Gourav Vallabh said if the person's ideas in the manifesto had strength and merit, then Congress would not have shrunk to only 52 seats in the Lok Sabha.

Amping up his attack, Gourav Vallabh said the Congress leader in question has no ideology or commitment towards the party because "all he cares about is protecting his Rajya Sabha seat".

"This person (purportedly Jairam Ramesh) has not even run for the position of a class monitor in school...He just calls up a few journalists and gets copies published," the BJP leader said.Further, Gourav Vallabh took a swipe at Congress candidates for the forthcoming Lok Sabha elections, claiming that some of them do not know that "Uttar Pradesh and Bihar are different states". "They will get confused...this is the level of their knowledge," he told ANI.

The BJP leader said that he had joined Congress with the idea that the party would welcome aspirational ideas of new leaders. However, he alleged that Congress considered such fresh ideas a "hurdle".Gourav Vallabh said that Congress was unable to understand the issues troubling its workers, and also those of the voters. He also said that his former party was unable to connect with the aspirations and directions of 'new India'.Renewing his stance on not being able to go against "wealth creators" and speaking against Sanatana Dharma, the BJP leader further stated that he cannot stand on the same level with "sinners" who declined to attend the commemoration ceremony of Ayodhya's Ram temple.Notably, Congress had declined to attend the 'Pran Pratishtha' ceremony of Ram Mandir on January 22, calling it a "political event" by the BJP.Gourav Vallabh joined the BJP on April 4. In his letter to Congress chief Mallikarjun Kharge, Gourav Vallabh called the party "directionless" and cited reasons such as the caste census, among reasons for his departure. He also said that he cannot abuse the wealth creators from "morning to evening" and raise 'anti-Sanatana' slogans."I do not feel comfortable with the directionless way in which the Congress party is moving forward today. I can neither raise anti-Sanatana slogans nor abuse the wealth creators of the country. I am resigning from all posts and primary membership of the Congress party," he wrote on X.

NEWS BOX

Ship targeted near Yemen's Hodeidah, says UK security firm

Washington DC. British maritime security firm Ambrey said on Saturday it had received information that a vessel had been targeted around 61 nautical miles southwest of Hodeidah in Yemen.Separately, the United Kingdom Maritime Trade Operations (UKMTO) said it had received a report of an incident at almost the same point where the captain of a vessel reported two missiles in the vicinity of the ship that did not cause damage.

Yemen's Iran-aligned Houthis have staged attacks on shipping in the Red Sea region for months in solidarity with Palestinians in the Gaza war.One of the missiles mentioned in UKMTO's advisory note was intercepted by coalition forces defending commercial shipping in the region, it said. The second hit the water a distance from the vessel, it added.There was no damage to the vessel and the crew were reported safe, UKMTO said.Months of Houthi attacks in the Red Sea have disrupted global shipping, forcing firms to re-route longer and more expensive journeys around Southern Africa, and stoked fears that the Israel-Hamas war could spread to destabilise the wider Middle East.The United States and Britain have carried out strikes against Houthi targets in response to the attacks on shipping.

2 planes clip wings at UK's Heathrow Airport

London. The wingtip of an empty Virgin Atlantic jet collided with a stationary British Airways airliner while being towed from a stand at London's Heathrow Airport on Saturday, the airline said.Heathrow, Britain's busiest airport, said no passenger injuries had been reported and it did not anticipate any ongoing impact on the airport's operations."Our aircraft is being assessed by our engineering teams and we have provided an alternative aircraft to limit the impact on our customers," British Airways said in a statement.

Virgin Atlantic said its empty Boeing 787-9 had just completed a flight and was being towed to another part of the airfield when the incident happened at Terminal 3.A Virgin Atlantic spokesperson said: "We've commenced a full and thorough investigation and our engineering teams are performing maintenance checks on the aircraft, which for now has been taken out of service."The airline said there would be no disruption to its flying programme on Saturday.Heathrow said it was working with emergency services and the two airlines in response to the incident.

Pakistan shoppers feel the pinch as high inflation dampens Ramzan's spirit

New York. With the holy month of Ramzan slated to end in a few days, shoppers in cash-strapped Pakistan are feeling the pinch of decades-long inflation as they struggle to buy commodities considered Eid essentials due to high prices.Normally, in Pakistan, families throng markets and shopping complexes looking for new clothes, shoes and jewellery in the last week of Ramzan. However, prices of goods have doubled around the same time since last year as Pakistan battles a severe economic crisis.Eid-ul-Fitr, which marks the end of Ramzan, is scheduled to take place on April 10 in Pakistan, depending on the sighting of the crescent moon.

A local shopkeeper, Mohammad Fawad, said people were purchasing just one commodity compared to four last year due to spiralling prices."Prices have increased more than four or five times since last year. People's buying power can be gauged from the fact that the person who could buy four items last year, is only buying one this year," he said."And the person who has children is only buying stuff for his kids, he is doing no shopping for himself. You can say that prices are changing faster than the dates. Dates change slower. That's how bad the situation is," he added.In May last year, Pakistan's annual inflation rate hit a record 38 per cent. Since then, inflation rate has come down but continues to be in double digits. According to Pakistan media reports, the inflation rate for March this year is currently at 20.68 per cent, down from 23.10 per cent in February.

A housewife, who was in a market to purchase clothes, said the prices were "exorbitant" despite bargaining with the shopkeepers."So far I have bought some clothes, but they have cost us way too much. The prices are exorbitant. We tried haggling, but they only reduced the prices very little," she said.Voicing similar sentiments, Ahmed Moghul, a resident of Lahore, said, "Inflation is very much there. There is no doubt that things are too costly. But obviously we have to buy something for the kids. No getting away from that."

IMF GIVES $1.1 BILLION PACKAGE TO PAKISTAN

Earlier on Wednesday, the International Monetary Fund (IMF) said the global lending agency and Pakistan reached a staff-level agreement for the release of USD 1.1 billion to shore up the country's beleagured economy.The announcement came after an IMF team held talks with the Shehbaz Sharif-led government in Islamabad last month.

In a statement, the IMF said Pakistan's "economic and financial position improved" in recent months. However, the global lending agency projected growth to be modest this year."Ongoing policy and reform efforts are required to address Pakistan's deep-seated economic vulnerabilities amidst the ongoing challenges posed by elevated external and domestic financing needs and an unsettled external environment," the IMF added.

Pakistan's external debt amounts to over USD 130 billion and foreign reserves are just USD 8 billion. In the past two years, the country's currency has lost over 50 per cent of its value against the US dollar, Al Jazeera reported.

Death, destruction, despair: Israel-Hamas war hits 6-month mark with no end in sight

world. It's exactly six months since Israel launched its deadly offensive on Hamas in Gaza after the Palestinian group attacked the southern parts of the Jewish nation on October 7 last year. With most of Gaza reduced to rubble during the period, Israel had declared two objectives -- 'eliminating' Hamas and bringing back home hostages. But six months later, neither of the objectives have been fulfilled.Israel, which was initially backed by its allies following Hamas's unprecedented attack on the country, the deadliest since the Holocaust, is isolated internationally.t faces criticism from the West and its allies, including the US, over the high number of civilian deaths. Over 33,000 people have been killed since the war began. There is also backlash over a lack of a viable plan in sight on how to end the war and what the future holds for the region.

NETANYAHU FACES INTERNATIONAL PRESSURE

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has rejected international calls for an independent Palestinian state, a stand which he has maintained for decades. He had initially argued that humanitarian aid to Gaza would mean that Hamas would regroup.While batches of humanitarian aid were allowed after interventions from the UN, Netanyahu is facing increasing pressure from the US and other countries to stop the war and ensure that aid reaches Gaza, which has been facing a humanitarian crisis since the fighting broke out.The UN's world court, the International Court of Justice, which is investigating allegations of Israel committing genocide in Gaza, has ordered the Jewish nation to do more to protect civilians in Gaza.Despite facing international pressure, Netanyahu has been adamant and is planning to launch an offensive in the southern Gaza town of Rafah, Hamas's last known stronghold. Over one million people, who fled from other parts of the Strip, live in Rafah. The planned offensive has fuelled fears of more civilian casualties.

HUMANITARIAN CRISIS IN GAZA

Gaza, a tiny territory on the eastern coast of the Mediterranean Sea, is facing a humanitarian crisis and has been ruled by Hamas since 2007. According to experts and the UN, around one-third of the population in Gaza is facing the risk of famine.Israel had sealed off all borders with Gaza and argued that if left open, it would financially help Hamas and enable it to regroup and mount a comeback. Most Palestinians have fled Gaza through the Rafah border crossing with Egypt.Recently, Israel's security cabinet approved the reopening of Erez crossing in the northern Gaza Strip.

NO POST-WAR VISION, BREAKTHROUGH IN TRUCE TALKS

Israel has not presented a viable post-war vision to its allies and ceasefire talks remain at a standstill. The US, which is batting for a two-state solution, has suggested that the Palestinian Authority, which governs the West Bank, control Gaza as well.Netanyahu has given a vague vision of a post-war Gaza that calls for open-ended Israeli control of the territory with local Palestinian partners overseeing the day-to-day affairs in Gaza. While Netanyahu clarified that Israel had no plans to militarily occupy Gaza, Israel's post-war plan was rejected by the Palestinian Authority.Ceasefire talks have not made any major headway excepting one that was achieved in late November last year. Hope for an early end to the war was ignited when a truce deal agreed between Israel and Hamas, with mediation from Qatar and Egypt to release over 100 hostages in exchange for Palestinians held in Israeli prisons.

Human Bodies, Elongated Heads: Alien Fever Grips Southern Peru

Nazca. Leandro Rivera says he chanced upon the cave in Peru's remote Nazca region that contained hundreds of pre-Hispanic artifacts - including human bodies with elongated heads and what appeared to be only three fingers on each hand.

The plateau is famous for the Nazca lines, incisions on the desert floor forming birds and other animals visible from the air. The ancient geoglyphs have long intrigued anthropologists and exert a powerful fascination over some believers in extraterrestrials.Nazca is also known for salt flats that dehydrate and preserve human and animal remains, making it the site of important archeological finds that have deepened modern understanding of ancient cultures - and attracted grave robbers.

Rivera was convicted in 2022 of assault on public monuments for unearthing the artifacts. He received a four-year suspended sentence and was fined about 20,000 Peruvian soles ($5,190), short of the maximum penalty of an eight-year prison term. His haul was thrust into the spotlight last year when two of the mummies ended up in Mexico as the centerpiece of congressional hearings on UFOs and extraterrestrial life. Mexican journalist Jaime Maussan presented the bodies as a sign of life beyond Earth - a claim dismissed by scientists. In an interview with Reuters, Rivera said he removed as many as 200 sets of remains from the cave, and some bodies had been smuggled out of Peru to France, Spain and Russia. The presentation of bodies in Mexico - as well as Rivera's claims to have dozens more - have prompted some experts to ask whether Peru is losing the battle to stop the plunder of its archaeological sites to feed a lucrative black market for mummies and other pre-Hispanic artifacts. "Peru has done a lot of work to try and control this trade," said Christopher Heaney, a Latin American history professor at Penn State University and author of a book on Peruvian mummies. "But this implies that these claims for government success need to be re-examined a bit if objects like (the bodies in Mexico) can leave the country." Peru's Culture Ministry did not respond to questions about the effectiveness of its efforts to control trafficking.Reuters was granted rare access to the ministry's anti-smuggling unit at Lima's international airport and spoke to four government officials who said stricter penalties, more resources and better coordination were needed to fight the looting. he news agency was unable to verify independently key details of Rivera's account. The public prosecutor's office of the culture ministry said in a statement to Reuters that its investigation into Rivera yielded just two altered bodies and two partial sets of bones. Evelyn Centurion, head of cultural heritage recovery for the ministry, said the government is working on a task force with police, the attorney general, the foreign ministry and other departments to toughen penalties for looting cultural artifacts."The looting has not stopped," Centurion said in an interview. "We need greater collaboration from local governments and local authorities to prevent these illicit acts."

Social Media Influencers Face Competition From AI-Generated Models

Paris. Social media influencers have embraced artificial intelligence to spice up their content but they are also facing growing competition from AI-generated Instagramers, TikTokers and YouTubers.Sporting pink hair and posing in lingerie, swimsuits or gym outfits, Aitana Lopez has more than 300,000 followers on Instagram where she is described as a "gamer at heart" and "fitness lover" -- except she's not real.Aitana was created by The Clueless, a Barcelona-based company that describes itself as an "AI modeling agency" run by "visionaries on a mission to redefine the world of influencers".Sofia Novales, project manager at The Clueless, said the "rising costs associated with human influencers" was a reason behind the company's creation."Virtual models, being digital, present a more economical alternative," Novales said.Another plus: total control over content."The advantages lie in unparalleled creative control, allowing seamless decision-making on image, fashion, and aesthetics without the need for physical photoshoots," Novales said.The rise of AI has fuelled concerns about the proliferation of deepfake videos that could be used maliciously.Meta, owner of Facebook and Instagram, said Friday it would start putting "Made with AI labels" on AI-generated content in May.AI presents a huge business opportunity for content creators: The influencer market is expected to grow rapidly, from $16.5 billion in 2022 to nearly $200 billion by 2032, according to Allied Market Research.

Younger audience

Using virtual influencers is not new: Barbie already has millions of followers on Instagram.But they are now being used in advertisements where they can't be told apart from a real person.ake Lil Miquela, a "19-year-old Robot living in LA" created by a California agency in 2016.With 2.6 million followers on Instagram and 3.5 million on TikTok, Lil Maqueta has promoted brands as big as BMW.The idea was to "create something never seen before," the German premium carmaker said in a statement to AFP."Attracting a younger, technology-savvy generation is for us the icing on the cake," it said.

Maud Lejeune, who heads up the Paris-based digital strategy agency AD Crew, said that it isn't difficult for the public to accept AI influencers."It's like actors on TV: we know it isn't real yet we follow them and we find it interesting, it's like watching a mini-series."AD Crew represents more than 30 influencers, but Lejeune created her own virtual influencer, Metagaya, two years ago.

"The current level of design didn't exist then. It's technical, you've got to dress them, take photos for the background, create a story," said Lejeune, acknowledging that Metagaya didn't turn out very well.

Car ploughs into protesters at anti-government rally in Israel, 5 injured

world. Five people were injured in Israel's Tel Aviv on Saturday after a car ploughed into a sea of protesters during a massive anti-government rally, local media reported. One protester sustained moderate injuries, while others suffered minor wounds.Police have detained the driver for questioning. Authorities are investigating the motive behind the driver's actions and the passenger's involvement as well, Israel's i24 News reported.

Israeli Communications Minister Shlomo Karhi, meanwhile, blamed the "leftist leaders, inside and outside the coalition" after the car ploughed into the protesters."Don't run over protesters. Period. Don't attack police officers, period. Don't throw burning torches at the prime minister's house. Period," Karhi tweeted in Hebrew.

Opposition leader Yair Lapid condemned the incident, blaming the government led by Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu for allegedly promoting violence and division, i24 News reported.Israel has been witnessing the country's biggest anti-government protests since last week, demanding fresh elections and a hostage deal with Hamas, even as the war completed six months.Visuals flooding social media showed tens of thousands of protesters in Tel Aviv on Saturday. Police dispersed those who gathered at Arlozorov Street and Bloch Street, as many of them sat on the road, blocking traffic. The Times of Israel reported that an elderly man was knocked over by a police horse while dispersing the demonstration.

8 killed as Russian missiles strike Ukraine's Kharkiv, Odesa regions

Kharkiv. Russian missile strikes in Ukraine overnight and on Saturday killed eight people and wounded 12 more, officials said.According to the governor of the Kharkiv region, Oleh Syniehubov, six people were killed and 11 were wounded in overnight missile attacks on the city of Kharkiv, which is Ukraine's second largest. The attack damaged residential buildings, a gas station, a kindergarten, a cafe, a shop and cars.On Saturday afternoon, a further strike in Kharkiv killed another person and left one more person wounded, said Kharkiv mayor Ihor Terekhov. Another missile strike killed a civilian in the southern Odesa region, its governor Oleh Kiper reported.Overall, Russia fired 32 Iranian-made Shahed drones and six missiles at Ukraine overnight, according to the air force commander. Ukrainian air defense forces shot down three cruise missiles and 28 drones, Lt. Gen. Mykola Oleshchuk said in a statement. "Russian killers continue to terrorize Ukrainians and attack Kharkiv and other peaceful cities," he said.Russia's Defense Ministry said the overnight attacks targeted Ukraine's military enterprises

that "produced and repaired armored vehicles and vehicles, drones" as well as "military airfields" and areas where "foreign mercenaries" were allegedly stationed. The ministry claimed all the set targets were hit.It also said that Ukraine on Saturday morning fired Vampire rockets at Russia. All 10 of them were shot down over Russia's border region of Belgorod by air defense systems, the ministry said.Belgorod Gov. Vyacheslav Gladkov said the rockets were shot down as they were approaching the city of Belgorod, which is the capital of the region of the same name, and added that 12 residential buildings in the city sustained damage. In a nearby village, a private house burned down and several other buildings were damaged , Gladkov said.It wasn't immediately clear from his statement whether the damage was inflicted by falling debris from the intercepted rockets or whether some of them actually hit those buildings.

BATTLES ON THE GROUND

On the ground in Ukraine, Russian forces were advancing, and pushing back against them was "difficult," said Oleksandr Syrskyi, commander of Ukraine's armed forces.Syrksyi said the situation in the Bakhmut area in the partially occupied eastern Donetsk region was particularly challenging. He said Russian forces are carrying out offensive operations day and night, using assault groups with the support of armored vehicles, as well as assaults on foot.

Fierce battles are taking place east of the town of Chasiv Yar, which Ukraine still controls and which is located near the occupied city of Bakhmut.Russian forces are trying to break through defensive lines there, Syrskyi said on the messaging app Telegram, adding, "Chasiv Yar remains under our control, all enemy attempts to break through to the settlement have failed."Near Avdiivka, another city in the Donetsk region held by the Russians, the fiercest battles were occurring in Pervomaiskyi and Vodyanyi, according to the official. He also said the situation is tense on the southern and northeastern parts of the front line.

NEWS BOX

It was a matter of time: Shane Bond delighted by Jos Buttler's hundred vs RCB

New Delhi. Rajasthan star batter Jos Buttler roared back in form in the 2024 season of the Indian Premier League with a match-winning hundred against Bengaluru at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur. Buttler had been in dismal form this season prior to his hundred in Jaipur, having scored just 35 runs in the first three matches. However, RR bowling coach Shane Bond was not surprised by Buttler's blistering knock against RCB, saying it was just a matter of time. Buttler smashed his sixth IPL hundred as RR beat RCB by 6 wickets to extend their winning run in IPL 2024.Speaking at the post-match press conference, Bond said it was just a matter of time before one of Buttler or Yashasvi Jaiswal started firing since they've been striking the ball very well in the nets. Buttler scored an unbeaten 100 off 58 balls, hitting nine boundaries and four sixes to guide his side to victory on Saturday, April 6. His knock helped the home side chase down a 184-run target to register their fourth win of the season.Obviously delighted for Jos Buttler. You know we have been winning games without the opening partnerships but he and Yashasvi Jaiswal has been striking the ball

very well in the nets. So it's about time if one of them starts firing. It's good to see Jos Buttler at his best and the boys came up with the win," said Bond.

'SAMSON HAS BEEN EXCELLENT'

He went on to heap praise on RR skipper Sanju Samson, saying he's been doing an excellent job as captain. RR moved to the top of the IPL 2024 points table with their win over RCB in Jaipur. Samson put in an excellent performance with the bat as well, scoring a 42-ball 69 while smashing eight boundaries and two sixes. He formed a game-changing 148-run partnership with Buttler after his side lost Jaiswal's wicket in the first over itself.

"Sanju Samson has been doing an excellent job, captaining the team. His communication is excellent and the bowling choices he has been making are spot on," Bond added.

Rohit Sharma jokes he wouldn't share room with 2 teammates: 'Bade Gande hai'

New Delhi In a hilarious interaction with popular comedian Kapil Sharma, India captain Rohit Sharma named two teammates that he would never share a room with. Rohit and Shreyas Iyer were guest on Netflix's The Great Indian Kapil Show, where they indulged in light-hearted conversations with the host. In one such conversation with Kapil, Rohit joked that he would never share a room with PBKS captain Shikhar Dhawan and DC skipper Rishabh Pant, while calling them messy. Rohit has shared the locker room with both Dhawan and Pant during their time in the Indian team.Speaking to Kapil during one of their special segments, Rohit joked that he would never share a room with Dhawan and Pant, saying they're messy and don't get their rooms cleaned for three or four days. Rohit is currently playing for Mumbai in the Indian Premier League and will lead India in the subsequent 2024 T20

World Cup in the West Indies and USA."Everyone gets a single room nowadays. But if I get a chance to share a single room, there are two people with whom I wouldn't want to share rooms with - Shikhar Dhawan and Rishabh Pant. Bade gande hai (They are very messy). After practice, they just toss their clothes on the bed," said Rohit."Their room is always on DND because they sleep till 1PM. The housekeeping staff that comes in the morning to clean their rooms, so it's important for them to put their rooms on DND. Otherwise, they will barge in. That's why their rooms often stay messy for three to four days. It becomes a problem for the people staying around them. So, I don't think I will be able to stay with them," Rohit added.Rohit also spoke about India's loss in the 2023 ODI World Cup final against Australia, saying he expected the fans to be angry at them for losing the World Cup at home but was surprised by the support he received. India won 10 matches in a row before losing the World Cup final to Australia at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad.

LSG vs GT Preview: Lucknow look to break Gujarat hoodoo with Shubman, Mayank in focus

Lucknow. Lucknow will be looking to break their hoodoo against Gujarat in the Indian Premier League when the two sides clash at the Ekana Stadium in Lucknow on Sunday, April 7. It will the clash of the IPL new boys with GT and LSG joining the competition just two seasons back. However, in the space of those two seasons, Gujarat has established a dominance over the Lucknow-based franchise, beating them in all four of their meetings. KL Rahul's side will be looking to change that when the two sides lock horns in Lucknow, and will be counting on fast-bowling sensation Mayank Yadav to continue his blistering form against the 2022 champions.Mayank has become the talk of the town with his searing pace in IPL 2024. The 21-year-old registered the fastest delivery in IPL 2024 in his debut match against Punjab, only to break his own record in LSG's next match against Bengaluru. Mayank clocked in at 156.7 km/h while consistently bowling 150-plus rockets against PBKS and RCB. He will be up against the 'Prince' of Indian cricket and GT's newly-appointed captain, Shubman Gill, who roared back in form with a half-century against PBKS.Despite Gill's stylish 48-ball 89, GT could not manage to beat Punjab at their home ground in Ahmedabad and will be looking to bounce back to winning ways in Lucknow. Meanwhile, LSG have been riding on the Mayank Yadav

wave, having registered back-to-back wins with the fiery racer taking home the 'Player of the Match' award on both occasions, becoming the first to win the award in his first two IPL matches.

HEAD-TO-HEAD RECORD

The two sides have played just four matches against each other with Gujarat winning all four. Their previous encounter was a low-scoring affair at the Kana Stadium with GT edging the home side by a margin of just 7 runs.

TEAM NEWS

KL Rahul coming back to full fitness will be a huge boost for the home side. The wicket-keeping batter played as an Impact Substitute against Punjab but played the entire match while also keeping wickets in their win over RCB earlier this week. The 31-year-old has made a slow start to IPL 2024, scoring 93 runs in their first three matches.LSG could also finally give the much-touted West Indies pacer Shamar Joseph his IPL debut against GT. The 24-year-old was roped in by LSG as Mark Wood's replacement but hasn't played a single match yet. A consistent 140-plus pacer, Joseph could form a deadly partnership with Mayank for LSG.

There has been no word on David Miller's fitness from the GT camp prior to their clash against LSG. The hard-hitting South African was replaced by New Zealand's Kane Williamson in their previous match. He could continue to feature in Miller's absence in Lucknow.

Last year's finalists have not used Shahrukh Khan this season after shelling out Rs 7.40 crore at the mini-auction held in Dubai. The towering batter played the role of the finisher for PBKS last season and could be brought in for GT's match against Lucknow, either as a starter or an Impact Substitute.

PITCH AND CONDITIONS

The Ekana Cricket Stadium in Lucknow has two kinds of pitches - a red soil one and a black soil one. LSG's previous home match against Punjab was played on the red soil pitch which saw the home side scoring 199 runs. The weather conditions in Lucknow are expected to be hot, with temperatures fluctuating between 26 and 33 degrees Celsius.

LSG: KL Rahul (C/WK), Quinton de Kock, Devdutt Padikkal, Nicholas Pooran, Marcus Stoinis, Krunal Pandya, Ayush Badoni, Ravi Bishnoi, Yash Thakur, Naveen-ul-Haq, Mayank Yadav.

Impact Player: M Siddharth

GT: Shubman Gill (C), Wriddhiman Saha (WK), B Sai Sudharsan, Kane Williamson, Vijay Shankar, Azmatullah Omarzai, Rahul Tewatia, Rashid Khan, Noor Ahmad, Umesh Yadav, Darshan Nalkande.

Kohli, 3 foreign batters tactic has never worked: Aakash Chopra rips into RCB

New Delhi. Former cricketer Aakash Chopra didn't hold back with his criticism of RCB's tactics after their lacklustre IPL 2024 season continued on April 6, Saturday. RCB suffered their 4th loss of the season at the hands of RR, who made short work of the chase. Virat Kohli's 113 helped setup a target of 183 for the Royals, which they would end up chasing with 5 balls remaining. This leaves RCB in 8th spot in the IPL 2024 points table.The win was RR's 4th of the season as RCB's woes continued. Chopra took to X after the game to slam the tactics of Bengaluru over the past few seasons, which has seen them let go of the likes of Yuzvendra Chahal and Wanindu Hasaranga to weaken their bowling front.

The former cricketer said since the IPL started, bowling has been an issue for RCB but they haven't put in enough effort to change it. Chopra went on to say that using Kohli and three batters has been a tactic that has never worked for RCB since the start of the competition.The commentator said that most of the other teams would have gone for a different approach by this time but not RCB.You let go of Chahal to buy Hasaranga. And then let go of him to invest in the uncapped Indian spinners. It's a fairly long journey to understand that #RCB's bowling is a perennial weak-link but the attempt to

resolve it is yet to be seen. As for the battingâ€æKohli plus 3 overseas batters is a strategy that hasn't worked for nearly two decadesâ€æmost teams would've walked a different path but not the RCB," said Chopra.

What has been the problem at RCB in IPL 2024?

Kohli has been in stunning form with the bat for RCB but the foreign core in the batting has flopped massively so far. The likes of Glenn Maxwell and Cameron Green are yet to hit their stride. The bowling has also been a worry with the lack of a big-name spinner among their lineup. Coach Andy Flower also admitted that the squad has been lacking confidence and form this season after the loss to RR.

Dominant Verstappen wins Japanese GP in Red Bull one-two

SUZUKA, JAPAN. Triple world champion Max Verstappen romped to victory at the Japanese Grand Prix on Sunday, leading team-mate Sergio Perez to a dominant one-two finish for Red Bull.Verstappen failed to finish in Australia a fortnight ago but he was in control for the entire race at Suzuka after starting from pole and claimed his third win from four grands prix this season.

The Dutchman finished 12.535sec ahead of Perez, who came home in second in front of Ferrari's third-placed Carlos Sainz in dry, sunny conditions.Verstappen was back to his breathtaking best after a brake issue in Melbourne saw him retire from a race for the first time in two years.He was starting from pole for the fourth time in four races this season and he stamped his authority on the race by leading Perez to the first turn.

Verstappen said this week that Suzuka was one of his favourite circuits and he has now won the Japanese Grand Prix three times in a row.

Sainz, who triumphed in Australia, took third ahead of Ferrari team-mate Charles Leclerc, who started from eighth on the grid.

McLaren's Lando Norris, who was second in last year's race, was fifth ahead of Aston Martin's Fernando Alonso.Mercedes' George Russell edged out McLaren's Oscar Piastri for seventh, while Lewis Hamilton was ninth in the other Mercedes.Japan's Yuki Tsunoda was 10th for RB, scoring points at his home grand prix for the first time.The race was red-flagged on the second lap after RB's Daniel Ricciardo and Williams' Alex Albon collided and crashed after a frenetic start.Albon's front wing clipped into the rear of Ricciardo's car as they jockeyed for position, and both slammed into the wall before getting out unscathed.

Both drivers retired from the race.

The action resumed from a standing start and picked up from where he left off ahead of Perez.Leclerc took over the lead after Verstappen pitted on his 17th lap, but the Red Bull driver was back in front four laps later.

Verstappen and Perez both consolidated their positions, leaving Norris fighting for third against the two Ferraris.A late lock-up cost the McLaren driver his chance of a podium finish.

Sauber's Zhou Guanyu retired with a gearbox issue on his 19th lap.Williams' Logan Sargeant skidded off the track to a standstill late in the race but resumed driving.The championship resumes in a fortnight's time with the Chinese Grand Prix in Shanghai.

It will be the first time the event has been held since 2019, before it was curtailed by the pandemic.The Japanese Grand Prix was being held in April after being shifted forward from its usual late-season slot.

Virat Kohli for T20 World Cup? RCB coach gives his take after 'slowest' IPL hundred

New Delhi. RCB coach Andy Flower has said that Virat Kohli is right at the top of the 'abundance of riches' for the Indian selectors when it comes to selecting the squad for the T20 World Cup after his century against RR on April 6, Saturday. Kohli scored the joint-slowest hundred in the history of the IPL against RR as he reached the milestone in 67 balls. Despite this, Kohli would end up scoring 113 off 72 balls as RCB posed 183 in their 20 overs.RR would, however, make light work of the chase as Jos Buttler scored a fine hundred to make it 4 in 4 for the Royals. Despite RCB's poor form, Kohli currently sits at top of the run charts this season with 316 to his name from 5 matches. Despite the relative slow nature of his knock, Flower said that it was a classy innings and beautiful to watch during the press conference after the match.Speaking about India's T20 World Cup selection, the RCB coach said he was unsure about what

the Indian selectors are thinking about at the moment. However, he went on to say that Kohli is right at the top of the talent that is available for selection for the ICC event in June."Virat Kohli is a class act, and that was a classy innings that he scored, that he had today. And it was really beautiful to watch, actually.""I wouldn't really comment on Indian selection. I don't know what they're thinking. They've got so much talent and class to choose from, you know, they've got a an abundance of riches. And he's right at the top of that abundance," said Flower.We should have got more than 200: Flower

The RCB coach was critical about the batting performance from the side as he felt they failed to use the base set by Kohli and captain Faf du Plessis. Flower felt they started off well with the ball but the last over of powerplay cost them momentum."I thought we were a little light, to be honest on the run's front. I thought given the base that we had. So if you look at about the 12th over, I think we're 107 for no wicket. I think we should have got upwards of 200 after that after being in that position on a good pitch. But we started well with the ball. You know, Topley and Yash, were excellent and Siraj and then the the last over of powerplay cost us a bit. Cost us some serious momentum," said Flower.

Babar Azam reacts to Pakistan team's army training: Focus beyond physical fitness

Pakistan's white-ball captain Babar Azam reacted to the recent training they received at the army base in Kakul and said that the focus extended beyond just physical fitness.

New Delhi Pakistan's white-ball captain Babar Azam said that the team's training with the army wasn't just focused on physical fitness, as there was emphasis on improving the team bond and the overall performance. 29 Pakistan cricketers attended the camp at the country's military academy in Kakul from March 26 to April 6 ahead of the T20I series against New Zealand and England and the T20 World Cup in June this year. The players engaged in training drills designed by Pakistan Army experts and strategists.Speaking after their camp, Babar commented on the training in a release published on PCB's official website. The star batter, who was reinstated as Pakistan's white-ball captain recently, said that this was his third boot camp training and he once again was able to get new insights.

Babar went on to suggest that cricket-centric activities were absent from the camp and the main focus was physical conditioning, teamwork and mental resilience. The Pakistan skipper also said that the team opted to share rooms to create deeper connections between the players.This was my third boot camp, and with each visit, I've gleaned new insights."This time, our focus extended beyond physical fitness to encompass team bonding activities and performance-improving lectures. These elements are crucial considering our team environment where collective performance is paramount for achieving desired results."The notable deviation from previous camps was the absence of cricket-centric activities. Instead, the emphasis was squarely on physical conditioning, teamwork and mental resilience. Immersed in such an inspiring

facility, guided by top-notch instructors and a well-structured programme, all the players have experienced significant growth. I'm confident that we'll return to competitive cricket as better, fitter and mentally tougher athletes, thereby enhancing our overall performance.""Unlike our usual routine during other camps and international series, we engaged in confidence-building exercises and team-building activities. Notably, we opted to share rooms, facilitating deeper connections among team members. These shared spaces fostered discussions ranging from strategic planning and team combinations to the evolution of cricket, latest innovations in the sport, analysis of opponents and our approach to each day's challenges.""Given the upcoming cricket fixtures, this camp proves exceptionally valuable. It not only mitigates injury risks but also augments both individual skills and collective team performance."What activities were the Pakistan cricket team engaged in during army camp training?The Pakistan team was tested through a variety of traditional exercises that the army goes through on a timely basis during their time in the military base. The PCB have shown glimpses of the training camp on their social media accounts where the players have been seen doing a range of activities - from stone lifting to rope climbing.The decision was made to send the Pakistan players for the training after complaints were raised about their fitness during last year's ODI World Cup.

Deepika Padukone

Shares Cryptic Note About 'Complaining' And 'Praying' Amid Pregnancy: 'Discussing Less...'

Deepika Padukone has shared yet another cryptic note amid her pregnancy. On Saturday, the mom-to-be actress took to her Instagram stories and shared a quote which talked about praying more and complaining less. “Posting less. Doing more. Comparing less. Reflecting more,” the quote read. “Complaining less. Praying more. Discussing less. Accomplishing more,” it added.Interestingly, the post comes at a time when Deepika Padukone is also expecting her first child with actor-husband Ranveer Singh. The two announced their pregnancy in February this year when Deepika shared an adorable poster with “September 2024” written on it. The poster also had children’s clothes, toys and balloons as the border. Deepika and Ranveer have been married for over five years now.The pregnancy announcement came weeks after Deepika said that she wanted to have kids with Ranveer. The actress was speaking to Vogue Singapore when she said, “Absolutely. Ranveer and I love children. We look forward to the day when we will start our own family.”

Meanwhile, on the work front, Deepika Padukone was recently seen in Fighter with Hrithik Roshan. Produced by Viacom18 Studios and Marflix Pictures, the film was a thrilling tale of courage, determination, and love, woven in a storyline filled with action and emotions. The movie delved into the life of an Indian Air Force pilot, portrayed by Hrithik Roshan, and his journey to protect his nation and loved ones.Next, Deepika Padukone has a number of projects in her pipeline. She will soon be sharing the screen with Prabhas in Kalki 2989 AD. The film also stars Amitabh Bachchan and Kamal Haasan in a key role. It will hit theatres in May this year. Besides this, Deepika will also be working on the Hindi remake of The Intern with Amitabh Bachchan. She will also be introduced into Rohit Shetty’s cop-verse with Singham 3.

Navya Nanda

Credits Privileged Background For Entrepreneurial Success At 21: 'My Upbringing Has Shaped...'

Jaya Bachchan and Amitabh Bachchan’s granddaughter, Navya Naveli Nanda, embarked on an entrepreneurial journey in her early twenties by co-founding Aara Health and establishing the NGO Project Naveli. In a candid interview with ETimes, the 26-year-old reflected on how her privileged background influenced her career path. Navya started working in her father Nikhil Nanda’s business at the age of 21 and is now the host of her own vodcast, ‘What the Hell Navya,’ where she features her mother Shweta Bachchan and grandmother Jaya Bachchan.Acknowledging the role her upbringing played in shaping her, Navya shared, “My upbringing has shaped who I am, like it does for everyone. When we talk about being an entrepreneur at 21, I owe a lot of that to the privilege and where I come from. A lot of opportunities that I got are because of my privileged background, and I hope in my own way and through my hard work, I can create those opportunities for myself one day. I am very grateful for everything I have been given. I think I’ve more than I deserve at times, so for me, it is important to see how I can turn around those opportunities and resources I have available, and share those with others and maximise it.”Despite her family’s fame, Navya humbly expressed, “I don’t consider myself a celebrity, I think I have a lot more to do and achieve in life before I can be given that tag. Even if you see the work that I do on my social media, I always try to keep it real, organic and be myself… One has to acknowledge it (privilege) and respect it. People often try to brush it under the carpet and shy away from it. I think it is important to recognise your privilege and know that there are certain things you have been given in your life, which allow you to do what you do, and I am very grateful for that.”

Navya, who is actor Abhishek Bachchan’s niece, witnessed her brother Agastya Nanda making his film debut last year with ‘The Archies.’ Her father, Nikhil Nanda, hails from a family of industrialists, with actors Kareena Kapoor and Ranbir Kapoor being his maternal cousins through his mother Ritu Nanda.aving completed her education at Fordham University in New York in 2020, Navya ventured into co-founding Aara Health the same year. Aara Health focuses on addressing stigmatized women’s health issues, such as menstruation, through its health-tech platform and product line.

Kunal Kemmu Ditches Swanky Bike For An Electric Scooter Ride

Actor and director Kunal Kemmu has recently made his directorial debut with the comedy film Madgaon Express starring Divyenndu Sharma, Avinash Tiwary, Pratik Gandhi and Nora Fatehi. Apart from his work profile, the actor shares a deep love for motorcycles. He has a huge collection of swanky sports bikes in his garage and often gets spotted riding them in and around the city. Kunal has now gathered his fans’ attention as he ditched his expensive bikes and went on an electric scooter ride.A new video went viral in which the Kalank actor is seen riding on an electric kick scooter in the busy streets of Mumbai. The video featured Kunal entering a building.The actor donned a casual black t-shirt that he paired with blue denims. He accessorised his look with a black and white cap and a silver chain and completed his look with grey kolhapuri slippers.

Since the video went viral, social media users couldn’t stop praising the actor for being so down to earth. A user commented, “Ye Banda Best Hai.” Another one wrote, “Hahah he is one of the best ever.” However, a joked and said that he is Saif Ali Khan’s brother-in-law at-least should’ve bought an Activa scooter, while another one quipped, “Bhai paise bacha raha h petrol ka (He is saving money on petrol).Well, this is not the first time when Kunal was seen riding his e-kick scooter in the busy streets of Mumbai to beat the heavy traffic. A few weeks ago, he was seen riding the same e-kick scooter donning a grey T-shirt paired with dark grey cargo pants and sneakers.

Work-wise, Kunal Kemmu’s directorial debut film Madgaon Express has minted Rs 20.33 crore at the Indian box office after 2 weeks of its release. The film follows the life of three friends who go on a vacation to their dream destination Goa which eventually turns out to be a nightmare. The film received positive reviews from the critics and the audience. Madgaon Express was produced by Farhan Akhat and Ritesh Sidhwani.On the acting front, Kunal has worked in several Bollywood films like Dhoondte Reh Jaoge, Golmaal 3, Golmaal Again, Bhaag Johnny, Dhol, Malang and Lootcase among others. He has still not announced his next project.

Why Did Ranjeet and Danny Refuse to Play Gabbar Singh's Role in Sholay

Sholay remains one of the cult classic films in Hindi cinema. The film became iconic because of its stellar star cast, gripping performances and the mighty villain Gabbar Singh. Actor Amjad Khan portrayed the role of the iconic villain. However, the role was first offered to Danny Denzongpa and Ranjeet, both of whom rejected the role. In a recent interview, Ranjeet recalled the real reason behind rejecting Sholay.Ranjeet told Smita Prakash, “I left Sholay, they came to me in Bangalore. The truth is, Danny ko offer kiya tha aur ek paper aata tha, The Screen, full page pe uski photo aayi thi aur Dharam ji Sholay jo hai. Toh he got stuck in Dharamatma in Afghanistan. Feroz Khan bola, ‘Yaar, udhar 3 hero hai.’ Kisi ko maalum thode na tha ki Gabbar Singh ka role kya banega? No one knew."

Feroz convinced Danny ki ‘Main tereko Hema Malini ke saath gaana de raha hoon. Chod na yaar, udhar kya karega?’ Danny bhi socha ki baat toh theek hi hai. Toh unka entire unit had come to Bangalore and he was stuck in Afghanistan.

The communication was very bad," he added.Ranjeet said, “After finishing my schedule in Dharmatma, I came back earlier. I was shooting in Bangalore. Inka set bhi Bangalore main tha, we were living in the same hotel. I was shooting in the Mysore Palace and they came to me ki ‘Danny saab toh aa nahi rahe hain. Humara unit aa gaya hai, schedule khatam karna hai, bohot kharcha hai.’ Toh maine bola, ‘Toh?'"Ranjeet said that Danny is a very good friend of his and till today, he is among his top friends.